धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

सुप्रभात
रांची, शुक्रवार
13.12.2024
* * नगर संस्करण। पेज : 12

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantralive.com

khabarmantra.net

मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी, संवत् 2081

मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 152

12 मुकेश अंबानी से चार गुना अधिक अमीर बने एलन मस्क

न्यूज डायरी

प्रदीप यादव बने कांग्रेस विधायक दल के नेता

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने झारखंड में कांग्रेस विधायक दल के नेता के रूप में पोड़ैयाहाट के विधायक प्रदीप यादव को मनोनीता किया है। वहीं खिजरी विधायक राजेश कच्छप को उप नेता बनाये गये हैं। बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह को विधानसभा में मुख्य सचेतक के रूप में नामित किया है।

झारखंड में तीन दिन शीतलहर का अलर्ट

रांची। झारखंड का पारा रोज गिरता ही जा रहा है। ठंड लगातार बढ़ रही है। अगले तीन दिनों तक राज्य में शीतलहर की स्थिति रह सकती है। मौसम विभाग ने इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। 13, 14 और 15 को शीतलहरी का प्रकोप रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे के दौरान 4.5 डिग्री सेल्सियस तापमान में गिरावट आयी है।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ 12 नक्सली मारे गय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों को फिर बड़ी सफलता मिली। गुरुवार को तड़के एक ुटभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह मुठभेड़ तड़के तीन बजे हुई। उस समय सुरक्षाबल के जवान नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चला रहे थे। सुरक्षाबलों ने सभी 12 नक्सलियों के शव बरामद कर लिये हैं।

धर्मस्थलों का अभी नया केस नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को निर्देश दिया कि धार्मिक स्थलों या तीर्थस्थलों के संबंध में कोई नया मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता है।। जिला अदालतों द्वारा सर्वेक्षण का आदेश तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि उपासना स्थल अधिनियम, 1991 की वैधता से संबंधित मामला उसके समक्ष लंबित है। सीजेआइ संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, जब मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो क्या अन्य लोगों के लिए इस पर अपना हाथ नहीं डालना उचित नहीं होगा।

डूबने से दो मासूम बच्चों की हुई मौत

हेरहंज। प्रखंड क्षेत्र के हुम्बू ग्राम कुसुम टोला में तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई है, जिसकी पहचान फूलदेव उरांव के 5 वर्षीय पुत्र दिनेश उरांव व 3 वर्षीय पुत्री साक्षी कुमारी के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों बच्चे तालाब किनारे खेल रहे थे। खेल-खेल में वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। मां बगल खेत मे धान काट रही थी बच्चों को नही देखने पर मां हल्ला की जिसे ग्रामीण सुन घटना स्थल पहुंचे। लेकिन बच्चें पूरी तरह डुब चुके थे।

सीएम बोले- सरकार का श्वेत पत्र है राज्यपाल का अभिभाषण

सपनों का झारखंड बनाने का प्रयास : हेमंत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दो टूक कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण सरकार का श्वेत पत्र है। इससे स्पष्ट है कि सरकार क्या करना चाहती है। उन्होंने कहा है कि शहीदों के सपनों का झारखंड बनाने के लिये नींव डाल दी गयी है। श्री सोरेन गुरूवार को सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद के बाद सरकार का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि अब तक का सबसे छोटा एवं दूरदर्शी अभिभाषण है। उन्होंने कहा कि ये राज्य आंदोलन की उपज है। खून से सींचा गया राज्य है। यहां के लोग स्वाभिमानी हैं। जो ठान लेते हैं, वो तब तक नहीं रूकते, जब तक मंजिल न मिल जाये। अभिभाषण में हर वर्ग के साथ शहीदों के सपने को पूरा करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। इसकी नींव रख दी है। उन्होंने कहा कि अब बिल्डिंग खड़ा करेंगे। उन्होने कार्य के बल पर पहचान बनाने की बात कही।

महापुरुषों व शहीदों पर गर्व

सीएम ने कहा, हमें गर्व है, उन महापुरूषों और शहीदों पर जिन्होंने अपना लक्ष्य साधे रखा, अलग राज्य की लंबी लड़ाई लड़ी। 2000 में नया राज्य बना। यह सही है कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने नये राज्य पर मुहर लगायी, लेकिन, अलग राज्य की लड़ाई में दस महीने नहीं, वर्षों बरस लग गये। इस पीड़ा को हमलोगों से अधिक कोई नहीं समझ सकता है। 2019 तक इस राज्य को दलदल में धकेलने का ऐसा प्रयास किया कि दोबारा उबर नहीं सके। तत्कालीन सरकार ने झारखंड की स्थिति बदतर बना दी थी। 2019 में गठबंधन की सरकार बनी। इसके बाद भी सत्ता से बेदखल करने के कई हथकंडे अपनाये गये। आज दोबारा सरकार को इस मुकाम में पहुंचाने में जनता की सराहनीय भूमिका है।

हर क्षेत्र में दिख रहा परिवर्तन

सीएम ने कहा कि 2019 के बाद से झारखंड की स्थिति में परिवर्तन दिखा है। चाहे आधारभूत संरचना हो, पर्यटन हो या रोजगार सृजन हो। झारखंड देश का पहला राज्य है जहां श्रमिकों के लिये बेहतर कानून बनाया गया है। विपक्ष से सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने नगर विधायक सीपी सिंह पर तंज कसते हुये कहा कि वे बुर्जुग हो गये हैं। शहर को नया आयाम देने का काम किया गया है। रांची का चहुंमुखी विकास हुआ है। हर दिन एक नया अध्याय इस राज्य में जुड़ेगा। ये राज्य प्रोजेक्ट भवन से नहीं बल्कि गांव से चलने वाली सरकार है। गांव की अर्थव्यस्था नहीं बढ़ेगी तो राज्य के सर्वांगीण विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है। पूर्व में भी काम किया है आगे भी काम करेंगे।

सरकार को कराना चाहिए एनआरसी : बाबूलाल

मुख्य विपक्ष दल भाजपा के वरिष्ठ नेता के तौर पर बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार को कई सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल के साथी मणिपुर की बातें कर रहे हैं, लेकिन चाईबासा के गुदड़ी में सेंदरा (हत्याएं) हो रहा है। उन्होंने कहा कि संथाल में 1951 में 44.66 प्रतिशत आदिवासी थे, लेकिन 2011 में घटकर उनकी आबादी 28 प्रतिशत हो गयी है। इसलिए सरकार एनआरसी करा ले, तस्वीर साफ हो जायेगी।

हर वादा पूरा करेगी सरकार: कल्पना

इससे पहले गांडेय से झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने भरोसा दिलाया कि झारखंड में दूसरी बार काम की बदौलत अबुआ सरकार बनी है। यह सरकार अपने हर वादे को धरातल पर उतारेगी। कल्पना सोरेन ने कहा कि भाजपा के खिलाफ जनता में गुस्सा था, क्योंकि 2019 में महागठबंधन को जनादेश मिला तो सरकार को गिराने की कोशिश की जाती रही। अव्वल तो ये कि एक षडयंत्र के तहत सीएम हेमंत सोरेन को जेल में डाला गया।

कुछ लोगों ने दिशोम गुरू को भी नहीं छोड़ा

सीएम ने कहा कि पूरे देश में झारखंड पिछड़ा राज्य है। देश के बड़े-बड़े उद्योग, बोकारो, एचईसी, सिंदरी खाद कारखाना लगे। यह उस समय की बात है, जब देश को टाटा-बिड़ला के नाम से जाना जाता था। इसके बावजूद लोग भूमिहीन, बेरोजगार और विस्थापित होने लगे। सामंती विचार के लोग दिशोम गुरू शिबू सोरेन और अन्य नेताओं पर कटाक्ष करते थे।

...और हेमलाल की फिसली जबान

राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलते हुये झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू की जबान फिसल गयी। उन्होंने कहा कि ... में हल्दी लगा कर बाबर्ची नहीं बन जाते हैं। उन्होंने भाजपा पर तंज कसा था। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी नीतियों के कारण चुनाव में हार गयी। इसपर भाजपा विधायक डॉ नीरा यादव ने कड़ी आपत्ति जतायी। उन्होंने कहा कि सदन में 12 महिला सदस्य हैं। सभी स्वाभिमान के साथ जीना चाहते हैं। इसे बर्दास्त नहीं किया जायेगा। इसके बाद शोरगुल करते हुए भाजपा विधायक वेल पर पहुंच गये। इस पर स्पीकर ने कहा कि असंसदीय शब्द को कार्यवाही से निकाल दिया गया है। आप लोग आसन पर बैठ जायें। लेकिन, भाजपा विधायक हेमलाल मुर्मू से माफी मांगने की बात पर अड़े रहे। स्पीकर ने कहा कि कभी-कभी बोलते समय स्लीप ऑफ टंग हो जाता है। बाबूलाल ने कहा कि कोई भी सदस्य अपशब्द का प्रयोग न करें, इसका ख्याल रखना पड़ेगा।

चाईबासा आये ओड़िशा के दो युवक लापता, हत्या की आशंका

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। चाईबासा आये ओड़िशा के दो युवक गोइलकेरा से लापता हैं। पुलिस दोनों की तलाश में घोर नक्सल प्रभावित इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही है। आशंका है ग्रामीणों ने उनकी हत्या कर दी है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि चाईबासा के गुदड़ी इलाके से ओडिशा से आये चार-पांच युवकों में से दो गायब हो हैं। कयास लगाया जा रहा है कि ग्रामीणों ने दोनों युवकों को नक्सली समझकर मार डाला है, हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पायी है। इलाके में पुलिस तलाशी अभियान चला रही है। दोनों युवक चाईबासा के दरअसल, ओडिशा के रायरंगपुर निवासी शेख शाहिद अली और शेख नजीर अपने तीन अन्य साथियों के साथ चाईबासा के गोइलकेरा पहुंचे थे। चाईबासा पुलिस को अभी तक दोनों के शव नहीं मिले हैं। जानकारी के अनुसार दोनों युवक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पैतृक पंचायत के रहने वाले हैं। दोनों के परिजनों ने मामले में पत्र लिखकर मयूरभंज एसपी और चाईबासा एसपी को पूरे मामले की जानकारी दी है। परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से दोनों को खोजने की गुहार गगायी है। डीजीपी के अनिसार इस इलाके में रहने वाले ग्रामीण नक्सलियों और उग्रवादियों से काफी परेशान हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली है कि दोनों युवकों को बांधकर ग्रामीण साथ ले गये हैं। तीन युवक किसी तरह भागने में सफल रहे। दो युवक ग्रामीणों के चंगुल में फंसे रहे। अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

अनुपूरक बजट ध्वनिमत से पास , विशेष सत्र स्थगित

यह बजट कुशल मैनेजमेंट का उदाहरण : किशोर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को सदन में 11697.45 करोड़ का अनुपूरक बजट ध्वनिमत से पास हो गया। सदन के तीसरे दिन पहली पाली में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा हुई। दूसरी पाली में अनुपूरक बजट पर चर्चा हुई। अनुपुरक बजट पर चर्चा और पास होने के बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही अनिश्चिकाल के लिए स्थगित कर दी गयी। इससे पहले अनुपूरक बजट पर चर्चा के जवाब में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि बेहतर वित्तीय प्रबंधन के लिए अनुपुरक बजट लाया गया है। उन्होंने कहा कि चुनावी वर्ष में भी राज्य सरकार ने 42 प्रतिशत राजस्व का सृजन किया है। यह कुशल मैनेजमेंट का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि 1 हजार 697 करोड़ रुपए सरेंडर नहीं हुआ है। जो विभाग राशि खर्च नहीं कर पाये, उसे सरेंडर होने से बचाने के लिए सरकार ने मंईयां सम्मान योजना और मुफ्त बिजली बिल के उपयोग में किया। पूर्व की सरकारें भी ऐसा करती रही हैं। यह बेहतर प्रबंधन का उदाहरण है। उन्होंने मंईयां सम्मान योजना पर सवाल खड़ा करने पर कहा कि अब महिलाओं को दवा खरीदने के लिए हाथ पसारना नहीं पड़ेगा। पैसा बाजार से होते हुए कर टैक्स रेवेन्यू के रूप में सरकार के खजाने में पहुंचेगा। भाजपा की झारखंड में कुल सरकार 13 साल 62 दिन रही। तब ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए कुछ नहीं हुआ। भाजपा के पास विकास का कोई नारा नहीं था। सिर्फ घुसपैठ की ही बात हो रही थी। भाजपा के सत्येंद्र नाथ तिवारी के कटौती प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया गया।

सांसदों के लिए दो दिनों का ह्विप जारी

नयी दिल्ली। लोकसभा में संविधान पर प्रस्तावित चर्चा को देखते हुए भाजपा और कांग्रेस ने ह्विप जारी करते हुए 13 व 14 दिसंबर को सदन ने अपने सभी सदस्यों से उपस्थित रहने के लिए कहा है। सदन में दोनों ही दिन मौजूद रहने के लिए कहा है। भाजपा के आधिकारिक बयान में कहा है, लोकसभा के सभी भाजपा सदस्यों से कहा गया है कि भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर 13 दिसंबर और 14 दिसंबर को लोकसभा में चर्चा की जायेगी, इसलिए, सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे दोनों दिन 13 और 14 दिसंबर को सदन में उपस्थित रहें। वहीं लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने व्हिप जारी किया। उन्होंने कहा कि दो दिन सदन में अहम मुद्दे पर चर्चा होनी है, इसको देखते हुए उन्होंने सभी कार्यवाही स्थगित होने तक सदन में उपस्थित रहें।

डी गुकेश बने शतरंज के सबसे युवा विश्व चैंपियन

14वें दौर में चीन के डिंग लिरेन को हराया

भावुक हुए गुकेश: गुकेश इस ऐतिहासिक जीत के बाद भावुक हो गए। उन्होंने कहा- यह मेरे जीवन का सबसे बेहतरीन पल है। मैं पिछले 10 वर्षों से इस पल का सपना देख रहा था। मुझे खुशी है कि मेरा यह सपना पूरा हुआ। मैं थोड़ा भावुक हो गया था क्योंकि मुझे जीत की उम्मीद नहीं थी। लेकिन फिर मुझे आगे बढ़ने का मौका मिला।

एजेंसी

सिंगापुर। भारत के ग्रैंडमास्टर डोमराजू गुकेश गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024 को विश्व शतरंज चैंपियनशिप (डब्ल्यूसीसी) के गेम 14 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गये। महज 18 साल की उम्र में भारत के डी गुकेश ने इतिहास रच दिया है, वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए, उन्होंने 14वें और अंतिम गेम में चीन के डिंग लिरेन को हराया। 6.5-6.5 अंकों के साथ खेल की शुरूआत करते हुए, अंतिम मैच भी ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा था। हालांकि, डिंग लिरेन की एक आखिरी गलती ने गुकेश को जीत दिला दी। गुकेश ने 18 साल आठ महीने 14 दिन की उम्र में यह खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 22 वर्ष छह महीने 27 दिन की उम्र में खिताब जीता था। 2012 में विश्वनाथन आनंद के बाद गुकेश पहले भारतीय विश्व शतरंज चैंपियन बन गये हैं। गुकेश के लिए यह एक शानदार साल रहा, जिन्होंने कैंडिडेट्स 2024 टूर्नामेंट और शतरंज ओलंपियाड गोल्ड भी जीता है। गुकेश यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय भी बन गये, इससे पहले भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी और ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद इस विशिष्ट सूची का हिस्सा बनने वाले एकमात्र भारतीय थे। आनंद ने 5 मौकों पर विश्व शतरंज चैंपियनशिप का प्रतिष्ठित खिताब जीता है। मैच की बात करें तो, गेम 13 के अंत में स्कोर 6.5-6.5 पर बराबर था। चीनी ग्रैंडमास्टर के पास बढ़त थी क्योंकि वह सफेद मोहरों से शुरूआत करने के लिए तैयार था और इस तरह भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ संभावनाएं थीं। डिंग लिरेन मैच के 53वें मूव में चूकने पर ड्रॉ की ओर बढ़ रहे थे और भारतीय ग्रैंडमास्टर को गेम को टाई-ब्रेकर में ले जाने से बचने का मौका दे दिया। गुकेश ने आखिरी गेम जीत लिया और अपने अंकों की संख्या 7.5 पर पहुंचा दी, 14 गेम के मैच का आखिरी क्लासिकल टाइम कंट्रोल गेम जीत लिया जो ज्यादातर समय टाई-ब्रेकर में जाता दिख रहा था। 2024 शतरंज कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद गुकेश को मौजूदा चैंपियन को चुनौती देने का मौका मिला, वह खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बन गये। विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब शतरंज में सबसे प्रतिष्ठित उपलब्धियों में से एक है। 1886 से अब तक केवल 17 खिलाड़ियों ने विश्व शतरंज चैंपियन का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया है। गुकेश अब 18वें विश्व शतरंज चैंपियन बन गये हैं। (खेल पेज भी देखें)

एक देश, एक चुनाव को कैबिनेट की मंजूरी

सरकार इसी सत्र में संसद में लाने की तैयारी में , विपक्ष हमलावर, कहा काला कानून

एजेंसी

नयी दिल्ली। मोदी कैबिनेट ने देश में राजनीतिक सुधार की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण निर्णय करते हुए एक देश-एक चुनाव संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी है। गुरुवार को मोदी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल की गुरुवार को हुई बैठक में इससे संबंधित विधेयक को मंजूरी दी गयी। यह महत्वपूर्ण निर्णय इस संबंध में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। अब सरकार इस बिल सदन के पटल पर रख सकती है। सूत्रों की मानें तो यह विधेयक अगले सप्ताह इसी शीतकालीन सत्र में सरकार लाया जा सकता है। इस मुद्दे पर भाजपा का कहना है कि ये ऐतिहासिक बिल है और इसका सभी पार्टियां को स्वागत करना चाहिए। वहीं कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल इस विधेयक को अलोकतांत्रिक और काला कानून बताते हुए सरकार पर हमलावर हो गये हैं। वन नेशन, वन इलेक्शन भाजपा के अहम प्रस्तावों में एक है। इसे कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है, ऐसे में बिल के पास होने में आने वाली चुनौतियां से निपटने के लिए मोदी सरकार अभी से काम करने में जुट गयी है। बिल को संसद से पास कराना मोदी सरकार की एक बड़ी चुनौती होगी। सूत्रों की मानें सरकार उन विधेयकों पर व्यापक विचार-विमर्श करने की इच्छुक है। लंबी चर्चा और आम सहमति बनाने के लिए सरकार इस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने की योजना बना रही है। इसके बाद सभी दलों की सुझाव भी लिये जायेंगे। आखिर में यह बिल संसद के पटल पर लाया जायेगा और इसे पास करवाया जायेगा।

(शेष 11 पर)

विपक्ष ने किया तीखा विरोध

कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल इस विधेयक को अलोकतांत्रिक और काला कानून बताते हुए सरकार पर कड़ा हमला बोला। कांग्रेस के प्रवक्ता जयराम रमेश ने इस विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस विषय पर पहले ही गत 17 जनवरी को दृढता के साथ अपनी बात रख चुके है और इसके बाद कांग्रेस के दृष्टिकोण में कोई बदलाव नहीं आया है। तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन ने कहा है कि मोदी कैबिनेट ने एक देश एक चुनाव को ले कर अलोकतांत्रिक विधेयक को मंजूरी दे दी है।

एक साथ चुनाव से कई लाभ

देश में वर्तमान में अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं। बिल पास होने के बाद देश में लोकसभा और विधानसभा दोनों के ही चुनाव एकसाथ कराये जायेंगे। इससे सरकार और चुनावी खर्च में काफी कटौती आने की संभावना है, जिसका साधी प्रभाव देश की जीडीपी और अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक इस बिल पर सरकार सभी राज्य विधानसभाओं के अध्यक्ष बुद्धिजीवियों विशेषज्ञ और सिविल सोसाइटी के सदस्यों से उनके विचार साझा करने के लिए कहा जायेगा।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	72500 रु./10 ग्राम
चांदी	:	95000 रु./प्रति किलो

तीसरी आंख

सर्वांगीण विकास के सुझावों को बजट में करें समाहित : स्पीकर

- रबींद्रनाथ महतो ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में सरकार की प्राथमिकताओं को किया गया रेखांकित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिये सदन में आये सुझावों को बजट में समाहित करने की जरूरत है। श्री महतो विशेष सत्र के चौथे दिन द्वितीय अनुपूरक बजट पर चर्चा के बाद समापन भाषण दे रहे थे। उन्होंने सदन अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दिया। इससे पहले उन्होंने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण के जरिये सरकार ने अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। राज्य के चहुंमुखी विकास के लिये अपनी नीतियों और दिशा तय करने का प्रयास किया। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार ने विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और पोषण इत्यादि पर जोर दिया है।

राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में सरकार का वित्तीय प्रबंधन, रोजगार संरचनाओं की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग दल, विचारधारा और अलग-अलग क्षेत्रों से आते हैं। वे उम्मीद करते हैं कि उन्हें सबों का सहयोग पूर्व के कार्यकाल की तरह मिलता रहेगा। पक्ष, विपक्ष सब उनके लिये बराबर हैं। इस सत्र में वर्तमान वित्तीय वर्ष का द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया गया। विधानसभा सदस्यों ने इस पर सार्थक रचनात्मक चर्चा की। कुछ सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये हैं। अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को रेखांकित भी किया है। राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए ये सुझाव निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं।

अंकगणित में जरूर पीछे रहे, लेकिन 33 फीसदी मिला वोट : बाबूलाल मरांडी

- मथुरा प्रसाद महतो बने सत्ताधारी दल के मुख्य सचेतक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के वरिष्ठ विधायक बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अंकगणित में भले पीछे रह गये लेकिन, उसे 33.37 फीसदी वोट मिले हैं। जो कांग्रेस से कहीं अधिक है। चुनाव बाद भी इस सरकार पर हिमंता विस्वा सरमा का खौफ दिखता है। राज्यपाल के अभिभाषण में नौकरियों की बात कही गई है, पर जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में गडबड़ी कई आशंकाओं को जन्म देता है। सरकार इसकी जांच नहीं करा रही है। सरकार ने 3200 रुपए प्रति क्विंटल धान लेने का भरोसा सरकार ने दिया था, पर किसान 1800-1900 रुपये प्रति क्विंटल धान बिचौलियों को दे रहे हैं। बालू की लूट के चलते पीएम आवास और अबुआ आवास योजना फंस रही है। पुलिस बालू लदे गाडियों को पकड़ रही है। उन्होंने योजनाओं को धरातल पर उतारने की बात कही। उन्होंने कहा कि सदन में असंसदीय भाषा के प्रयोग से सदस्यों को बचना चाहिये। उनका इशारा झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू के वक्तव्य की ओर था। चर्चा में नमन विक्सल कोंगाडी, सुरेश पासवान ने भी कहा कि सरकार किसान, युवा हित में बेहतर काम करेगी। विधायक अरुप चटर्जी और कल्पना सोरेन ने भी अभिभाषण के समर्थन में बात रखते राज्य के विकास की उम्मीद जताई। सरयू राय ने सरकार द्वारा पूर्व में हिन्दी भाषा सहित अन्य भाषाओं के विकास के लिये अकादमी बनाने की घोषणा की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि ऐसा ना कर उर्दू अकादमी, मदरसा बोर्ड के गठन की ही बात कही गयी है। जमशेदपुर को गारबेज फ्री बनाने की बात भी भ्रामक है। जयराम महतो ने झारखंड आंदोलनकारियों के परिजनों को भी नौकरियों में 5 प्रतिशत आरक्षण तय किये जाने की बात रखी। आजसू पार्टी विधायक निर्मल महतो ने मांडू को अनुमंडल बनाये जाने की मांग रखी। इसके बाद स्पीकर ने झामुमो की ओर से विधायक मथुरा प्रसाद महतो को मुख्य सचेतक बनाये जाने की सूचना दी।

कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने जाति जनगणना पर बल दिया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रदीप यादव ने राज्य में जाति जनगणना कराये जाने पर बल दिया। श्री यादव गुरुवार को सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के पक्ष में बोल रहे थे। उन्होंने हिमंता विस्वा सरमा, अजीत पवार, प्रफुल्ल पटेल का नाम लेते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपी लोग दौडे-दौड़े भाजपा की लाउंड्री में आये और धुल गये। यहां मंईयां सम्मान में 1000 रुपया देने के

- भाजपा पर उसकी चुनावी हार के लिये कसा तंज

प्रयास पर पानी फेरते गोगो दीदी योजना के तहत 2100 रुपया देने की बात कही। भाजपा ने लोगों को दंगे की आग में झोंकने का काम

किया। माटी, रोटी, बेटी की बात करने वाले कभी मणिपुर नहीं गये। जहां बेटियों, महिलाओं के खिलाफ अपराध हो रहे हैं। उन्होंने भाजपा को लेकर कहा कि देश की धर्मनिरपेक्षता को तोड़ना चाहते हैं। अखंडता को कमजोर करना चाहते हैं। इसके लिये ये सब संविधान की प्रस्तावना को बदलने को सुप्रीम कोर्ट तक चले गये। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग उट-पटांग बोलते रहे तो उन्हें सदन से बाहर का रास्ता देखना पड़ेगा। चर्चा में भाग लेते झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने भरोसा जताया कि राज्य का सर्वांगीण विकास यह सरकार करेगी। किसी को भूखे नहीं मरने देगी। सात किलो अनाज, दो किलो दाल हर माह सरकार देगी। भाजपा वाले चुनाव में 65 पार की बात करते थे। पर ये आदिवासियों और दूसरों की भावनाओं को समझ नहीं पाये और नतीजा यह रहा कि 21 पर सिमटकर रह गये।

सीएम से मिली नीरू शांति भगत, दी हेमंत को बधाई

रांची। आजसू नेत्री नीरू शांति भगत गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलीं। सरकार के शपथ ग्रहण के बाद सीएम हेमंत सोरेन को उन्होंने गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी। नीरू शांति भगत लोहरदगा से एनडीए समर्थित आजसू प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरी थीं। नीरू शांति भगत झारखंड आंदोलनकारी और लोहरदगा के पूर्व विधायक स्व. कमलकिशोर भगत की

धर्म पत्नी हैं। सीएम से मिलने के बाद नीरू शांति भगत को लेकर राजनीतिक गलियारे में कयास लगने लगा कि कहीं झामुमो ज्वाइन करने तो नहीं जा रही हैं। परंतु इस बात का उन्होंने खंडन किया और बताया कि राजनीति में कोई किसी का दुश्मन नहीं होता। राज्य के मुखिया हेमंत सोरेन जी को बधाई दी है। साथ ही उनसे कहा है कि लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में विकास ठप हैं, वहां ध्यान देने की जरूरत है। जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने की जरूरत है। सीएम ने सभी बातों पर गौर फरमाते हुए उचित कार्रवाई का भरोसा दिया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, चतरा
eercdchatra-jhr@nic.in

(शुद्धि पत्र)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, चतरा द्वारा दिनांक 13.12.2024 को प्राप्त की जाने वाली निविदा, जो **PR No.- PR-341325(Road)24-25(D)** द्वारा अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की गई है। अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 –12/2024–25 के क्रमांक 1 में उल्लेखित निविदा बिक्री की तिथि **12.12.2024 से 13.12.2024** निर्धारित है। अपरिहार्य कारणो से निविदा खोलने की तिथि को संशोधित करते हुए **दिनांक 16.12.2024** निर्धारित किया जाता है।

शेष शर्ते यथावत् रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता,
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, चतरा

PR 341805 (Road)24-25*D

निशिकांत दुबे को झारखंड हाईकोर्ट से राहत, प्राथमिकी रद्द

रांची। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को झारखंड हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने देवघर में निशिकांत दुबे के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और दुमका की निचली अदालत में चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है। निशिकांत दुबे पर आरोप था कि उन्होंने जीतेंद्र प्रसाद वर्णवाल के घर पर लगे झारखंड मुक्ति मोर्चा के झंडे को हटा दिया था। साथ ही उन्होंने उस घर पर भाजपा का झंडा लगा दिया। इसके बाद झामुमो कार्यकर्ता ने देवघर के बुधई थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

18 से फिर से शुरू होगा झारखंड पुलिस का जन शिकायत समाधान कार्यक्रम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड पुलिस का जन शिकायत समाधान कार्यक्रम की शुरूआत एक बार फिर 18 दिसंबर से होगी। इसे लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने जिले के एसपी, एसएसपी को आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि आम नागरिकों की शिकायत का त्वरित और प्रभावी निवारण के लिए सभी जिले में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस संबंध में दोबारा पूर्व में आयोजित स्थान पर 18 दिसंबर को सभी जिले में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरूआत 10 सितंबर से हुई थी।

पुलिस आम लोगों की सुनेगी समस्या और करेगी समाधान

जन सुनवाई में सभी जिलों की पुलिस डीजीपी के आदेश के आलोक में 18 मुद्दों पर सुनवाई करेगी। इसके तहत क्षेत्र से गुमशुदा

- डीजीपी अनुराग गुप्ता ने जिले के एसपी, एसएसपी को आदेश किया है जारी

बच्चों के संबंध में जानकारी प्राप्त करना और मामला दर्ज करना। क्षेत्र में संचालित विभिन्न संस्थाओं में महिलाओं और छात्रों की सुरक्षा के संबंध में जानकारी को प्राप्त करना। आम जनता को विक्टिम कंपनसेशन स्कीम के बारे में बताना। नये आपराधिक कानून और जीरो एफआईआर के बारे में जानकारी देना। आम जनता को डायल 112 के बारे में बताना। आम जनता को साइबर ठगी होने पर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराने के बारे में बताना। कमजोर वर्ग के नागरिकों के लिए

घटनाओं की जांच पूर्ण करने और ऐसे संभावित घटनाओं की जानकारी प्राप्त करना। क्षेत्र में होने वाले अपराध, अपराधियों की सूचना, साइबर अपराध की घटना और अवैध रूप से नागरिकों से डिपोजिट प्राप्त करने वाली संस्था चिट-फंड की जानकारी प्राप्त करना। क्षेत्र में सामाजिक मुद्दों के संबंध में जानकारी प्राप्त करना, जिससे भविष्य में विधि व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। पुलिस थाना और संबंधित कर्मी होमगार्ड व चौकीदार का नागरिकों के साथ व्यवहार और शिकायतों पर उनके रिस्पॉन्स के संबंध में जानकारी प्राप्त करना। नये कोई विशेष मामले जो उस समय संज्ञान में लाये जायेंगे। ऐसे क्षेत्र जहां मानव तस्करी की घटना घटती है, वहां पर विशेष रूप से मानव तस्करी के पीड़ित के बारे में जानकारी प्राप्त करना और मानव तस्करी में संलिप्त अपराधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना। ऐसे क्षेत्र जहां पर डायन प्रथा को लेकर अपराध होते हैं, वहां पर विशेष रूप से डायन से संबंधित अपराध के पीड़ित को आवश्यक सहायता देना और दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई करना। ऐसे क्षेत्र जहां पर अफीम की खेती होती है, वहां की जानकारी प्राप्त करेंगे। ऐसे क्षेत्र जहां पर ब्राउन शुगर की खपत हो रही है, उसकी जानकारी प्राप्त करना और इसमें संलिप्त व्यक्ति की जानकारी जुटाना। ऐसे क्षेत्र (विशेष कर शहरी क्षेत्र) जहां रात में अड्डाबाजी आदि होती है, उसे चिन्हित करने का प्रयास करेंगे और जानकारी प्राप्त करेंगे कि अड्डेबाजी हो रही है तो किसके द्वारा हो रही है और उसको कैसे रोका जाये। डीएसपी या उसके ऊपर स्तर के पदाधिकारी विशेष रूप से उन शिकायतों पर भी ध्यान देंगे, जहां पर अनुसंधानकर्ता ने किसी निर्दोष व्यक्ति को फंसाने व किसी दोषी व्यक्ति को बचाने के लिए गलत अनुसंधान किया हो। ऐसे मामलों में सुनिश्चित करेंगे कि पुनः जांच हो और बाद में न्याय हो सके। संबंधित क्षेत्र में सुरक्षा उपाय यथा सीसीटीवी का लगाना, नागरिक सुरक्षा समिति का गठन के लिए प्रेरित करना शामिल है।

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण विकास विभाग

प्रेस-विज्ञप्ति

राज्य मनरेगा कोषांग अन्तर्गत संविदा आधारित विभिन्न पदों यथा – विशेष कार्य पदाधिकारी (अवर सचिव स्तर के पदाधिकारी), कार्यपालक अभियंता, राज्य MIS नोडल पदाधिकारी, वरीय लेखा पदाधिकारी, वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी एवं सहायक वन संरक्षक के पद पर नियुक्ति हेतु PR No.- 276899 दिनांक 03.09.2022 एवं PR No.- 277061 दिनांक 06.09.2022 के द्वारा विज्ञापन का प्रकाशन कर दिनांक 30.09.2022 तक Offline आवेदन आमंत्रित की गई थी।

उक्त विज्ञापन में वरीय लेखा पदाधिकारी, वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता के पद पर नियुक्ति की कार्रवाई पूर्ण कर ली गई है। शेष तीन पद यथा विशेष कार्य पदाधिकारी, राज्य **MIS** नोडल पदाधिकारी एवं सहायक वन संरक्षक के पद पर नियुक्ति की कार्रवाई प्रक्रियाधीन थी, जिसे अपरिहार्य कारणों से रद्द की जाती है।

रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु पुनः विज्ञापन प्रकाशित की जाएगी।

(अरूण कुमार सिंह)
सरकार के अपर सचिव

PR 341795 Rural Development (24-25)_D

छवि रंजन को लगा दोहरा झटका, नहीं मिली जमानत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जमीन की अवैध खरीद-बिक्री मामले में जेल में बंद निलंबित आईएएस अधिकारी छवि रंजन को दोहरा झटका लगा है। उनकी ओर से दाखिल जमानत याचिका और डिस्चार्ज याचिका दोनों को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत ने गुरुवार को खारिज कर दी है। अदालत ने दोनों याचिकाओं पर सुनवाई पश्चात 9 दिसंबर को आदेश सुरक्षित रख लिया था। बरियातू रोड स्थित सेना की कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध खरीद-बिक्री मामले में छवि रंजन की जमानत याचिका एवं चेशायर होम जमीन फर्जीवाड़े में डिस्चार्ज याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। छवि रंजन ने जमानत की गुहार लगाते हुये 21 नवंबर को याचिका दाखिल की है। इस मामले में वह 4 मई 2023 से जेल में हैं। वहीं, चेशायर होम रोड स्थिति एक एकड़ जमीन की खरीद-फरोख्त के फर्जीवाड़े में संलिप्त छवि रंजन ने मामले में अपने आप को निर्दोष बताते हुये 19 जुलाई को आरोप मुक्त याचिका दाखिल की थी।

प्रयागराज में लग रहे महाकुंभ 2025 के लिए राज्य सरकार ने जारी किया गाइडलाईन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। यूपी के प्रयागराज में 14 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का अयोजन किया गया है। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 में तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश सरकार से प्राप्त प्रत्र के आलोक में झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने गाइडलाइन का पालन करने का अनुरोध किया है।

गाइडलाइन में श्रद्धालुओं को दिशा-निर्देश : गाइडलाइन में श्रद्धालुओं को दिशा-निर्देश देते हुए

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन और यूपी सरकार के गाइडलाइन का अनुपालन करें तीर्थयात्री

एडवाजरी में कहा गया है कि महाकुंभ मेला 2025 मोबाइल एप डाउनलोड कर मेले की पूरी जानकारी प्राप्त कर लें और यात्रा से पूर्व निवास स्थान सुनिश्चित करें। साथ ही 60 वर्ष से अधिक आयु या पूर्व से बीमार व्यक्ति हेल्थ चेकअप करायें उसके बाद ही यात्रा करें। इसके अलावा आयुष्मान कार्ड धारक अपना कार्ड साथ में रखें, ताकि आकस्मिक स्थिति में सरकारी एवं निजी अस्पतालों में मुफ्त में इलाज कराया जा सके। एडवाजरी में मेला क्षेत्र में स्नान एवं दर्शन के लिए निर्देशित किया गया है कि गर्भवती महिलाएं विशेष सावधानी बरतें। धूम्रपान एवं नशीले पदार्थों का सेवन न करें। मच्छरों से बचाव के लिए रेपेलेंट साथ रखें। साथ ही हीटर, अलाव आदि का उपयोग टेंट के अदर न करें इससे आग लगने का खतरा हो सकता है। किसी भी आपात स्थिति में महाकुंभ हेल्पलाइन 1920, पुलिस हेल्पलाइन 112 एवं आपदा हेल्पलाइन 1077 पर संपर्क कर सकते हैं।

कार्यालय नगर परिषद, लोहरदगा
Email id- nagarparishadlohardaga@gmail.com

दुकान आवंटन हेतु सूचना

नगर परिषद, लोहरदगा के नव निर्मित खादगढ़ा (मिल्लत कॉलोनी) स्थित दुकान संख्या–04 से 19 दुकानों के आवंटन हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक व्यक्ति जो दुकान को किराये पर लेना चाहते है, वे नगर परिषद, लोहरदगा से आवेदन पत्र के साथ NIT की प्रति प्राप्त कर अपना आवेदन वांक्षित दस्तावेज के साथ आधार कार्ड, वोटर आईडी, अद्यतन होल्डिंग रसीद एवं रूपये 5,000.00 का डीमान्ड ड्राफ्ट जो कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, लोहरदगा के पदनाम से देय होगा। आवेदन के साथ डाक की राशि मुहरबंद लिफाफा में दिनांक– 19.12.2024 अपराहन– 05:00 बजे तक अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में जमा कर सकते है। समर्पित मुहरबंद लिफाफा दिनांक–21.12.2024 के अपराह्न 03:30 बजे नगर परिषद, लोहरदगा में खोला जाएगा।

नोटः– दुकान आंवटन से संबंधित नियम एवं शर्ते कार्यालय, नगर परिषद, लोहरदगा के सूचना पट्ट एवं https://udhd.jharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है।

प्रशासक
नगर परिषद, लोहरदगा।

PR.NO.341820 Lohardaga(24-25):D

मुख्यमंत्री के आदेश पर कार्रवाई : श्रमिकों का वेतन रोकने और जालसाजी कर कैमरून भेजने वाले नियोजकों पर प्राथमिकी दर्ज

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद मध्य अफ्रीकी देश कैमरुन में फंसे झारखंड के 47 श्रमिकों का वेतन भुगतान नहीं हो रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने नियोजक और मिडिलमैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए श्रमायुक्त को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री के आदेश पर श्रमायुक्त ने नियोजकों और मिडिलमैन के खिलाफ हजारीबाग, बोकारो और गिरिडीह में प्राथमिकी दर्ज करा दी है। प्राथमिकी में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि श्रमिकों को अन्तर्राज्यीय प्रवासी श्रमिक (नियोजन का विनियमन और सेवा शर्त) अधिनियम, 1979 के तहत प्रवासी मजदूर के रूप में निबंधन कराये बगैर लाइसेंस प्राप्त किया गया। इससे साफ है कि धोखाबाजी और जालसाजी कर गैरकानूनी तरीके से श्रमिकों को मध्य अफ्रीका स्थित कैमरून भेजा गया है।

क्या है मामला

दरअसल, मुख्यमंत्री को पिछले दिनों जानकारी मिली थी कि झारखंड के श्रमिक मेसर्स ट्रांसरैल लाइटिंग, कैमरून, सेंट्रल अफ्रीका में कार्यरत हैं। इन सभी श्रमिकों का तीन माह का वेतन लंबित है और वे भारत वापसी की मांग कर रहे हैं। मामले की जानकारी के बाद मुख्यमंत्री ने राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया था।

वेतन भुगतान की प्रक्रिया शुरू

मुख्यमंत्री के आदेश पर श्रमायुक्त के दिशा निर्देश में राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने श्रमिकों और संबंधित कंपनी से संपर्क किया। कंपनी ने बताया कि श्रमिकों को 100 डॉलर प्रति माह का भुगतान किया गया है और बाकी बकाया राशि उनके भारतीय खातों में ट्रांसफर किया जाएगा। श्रमायुक्त के निर्देश पर राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने कंपनी को अनुबंध की प्रति, वेतन भुगतान की जानकारी और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

वहीं श्रम विभाग ने पीओइ रांची और अन्य संबंधित विभागों को पत्र भेजा है और आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया है। कंपनी ने मामले के शीघ्र निपटारे का आश्वासन दिया है, जिसके अनुसार उप-कॉन्ट्रैक्टर से बातचीत कर श्रमिकों के बकाया वेतन भुगतान का समाधान किया जाएगा।

सुरक्षित वतन वापसी की कोशिश जारी

भारत सरकार के उच्चायोग और विदेश मंत्रालय ने सूचित किया है कि मेसर्स-ट्रांसरैल श्रमिकों के साथ बातचीत कर रही है। इन फंसे हुए श्रमिकों की सुरक्षित वापसी, उनके लंबित भुगतान और दस्तावेजों का समाधान करेगी। कंट्रोल रूम की टीम लगातार ईमेल और फोन के माध्यम से अधिकारियों और श्रमिकों से संपर्क कर सुरक्षित वापसी के प्रयासों में लगी है। अगर ठेकेदार वेतन भुगतान करने में असफल होंगे तो उनके साथ समझौता रद्द किया जाएगा।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, लोहरदगा
पाण्डेय गणपत राय भवन प्रथम तल्ला, समाहरणालय,
लोहरदगा पिन –835302
E-mail :- ssaloh@rediffmail.com / lohardagassa@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वर्ष 2024 –215 हेतु लोहरदगा जिलान्तर्गत अवस्थित 05 कस्तूरबा गाँधी बालिका, 02 झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय एवं 01 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय में आवश्यक खाद्य/ अखाद्य सामग्री आदि के क्रय हेतु निविदा प्राप्त नहीं होने के कारण निविदादाताओं से मुहरबंद निविदा (दूसरी बार) आमंत्रित किया जाता है। विद्यालयवार पैकेज निम्नवत् है :–

क्र0	विद्यालय का नाम	पैकेज का नाम
1	कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, भण्डरा	(क), (ख), (ग), (घ)
2	कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, भण्डरा	(क), (ख), (ग), (घ)
3	कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, भण्डरा	(क), (ख), (ग), (घ)
4	कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, भण्डरा	(क), (ख), (ग), (घ)
5	कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, भण्डरा	(क), (ख), (ग), (घ)
6	झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय, कैरो	(क), (ख), (ग), (घ)
7	झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय, पेशरार	(क), (ख), (ग), (घ)
8	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय, हिरही, लोहरदगा	(क), (ख), (ग), (घ)

इच्छुक निविदिदाता दिनांक 11.12.2024 से दिनांक 24.12.2024 पूर्वाहन 10:00 बजे से निविदा प्रपत्र एवं अन्य विस्तृत जानकारी **झारखण्ड शिक्षा परियोजना, लोहरदगा कार्यालय** से प्राप्त कर सकते है। निविदा डालने की अंतिम तिथि 24.12.2024 को 04:00 बजे अपराहन तक होगी। निविदा से संबंधित जानकारी जिले के बेबसाईट https://lohardaga.nic.in पर देखा जा सकता है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी –सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, लोहरदगा

PR 341818 (Lohardaga)24-25*D

मंजूनाथ भजन्त्री यूं ही नहीं चहेते अफसर हैं सीएम हेमंत सोरेन के

प्रभात सिंह

रांची। रांची डीसी के पद पर गरीब-गुरबों की सुननेवाले आईएएस अधिकारी हैं मंजूनाथ भजन्त्री। बेहद सादगी है इनमें। कड़क भी हैं। पैरवी नहीं सुनते। काम एक्शन प्लान में करते हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के करीबी माने जाते हैं। देवघर डीसी रहते बीजेपी सांसद निशिकांत दूबे से इनकी सीधी टक्कर रही। आईआईटी-बॉम्बे से बी.टेक स्नातक और एक ग्रामीण पृष्टभूमि से आनेवाले, मंजूनाथ भजन्त्री झारखंड कैडर के 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। जनता में ये जितना लोकप्रिय हैं, उतने ही भ्रष्ट अफसरों में इनकी खौफ। बीजेपी के आपत्ति पर उन्हें लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जमशेदपुर डीसी और विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उन्हें रांची डीसी का पद से हटाया गया। हालांकि विधानसभा चुनाव बाद जैसे ही हेमंत सोरेन 28 नवंबर को सीएम पद की शपथ लिये उसी दिन कुछ ही घंटे बाद मुख्यमंत्री ने मंजूनाथ भजन्त्री को रांची डीसी बना दिया।

तेज तर्रार आईएएस अधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने रांची डीसी का पदभार ग्रहण के बाद अपनी प्राथमिकताएं बता दी। कहा

- रांची डीसी का पद संभालते जुट गये जनता के काम में
- ताबड़तोड़ एक्शन, निरीक्षण का असर दिखने लगा
- समय से कार्यालय पहुंच रहे पदाधिकारी और कर्मी

पदाधिकारी-कर्मी समय से कार्यालय आयें। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना है। इसके साथ ही रांची डीसी बनते मंजूनाथ भजन्त्री ने जिले के खराब प्रशासनिक ढांचे और पुलिसिया सिस्टम को ठीक करने में जूट गये। इन्हें जनता के प्रति जवाबदेह बनाने में लग गये। आते ही वाट्सएप नंबर 9430328080 जारी किया। जहां पब्लिक अपनी समस्या बिना किसी डर भय बता सकें। पहले ही दिन दो से तीन हजार मैसेज आ गये। सभी पर तेजी से काम शुरू हुआ। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठकें की। पुलिस अधिकारियों को भी साथ बिठाया। और साफ-साफ मैसेज देने की कोशिश की कि समय से लोग काम पर पहुंचे। वह चाहे थाने में बैठने वाले हों या प्रखंड-अंचल में। यदि शिकायत मिली तो नहीं छोड़ेंगे। संसाधन चाहिए देंगे, लेकिन काम जनता का करें। भजन्त्री अपने ऑफिस और जहां ऑफिस है, उस समाहरणालय भवन के बैठकी तक नहीं रहे। बल्कि वे अपने काम के दायरा को वहां तक ले जाने का प्रयास कर रहे हैं, जहां अबतक किसी डीसी नहीं पहुंचे। इन्हें शायद भेजा ही गया है इन्हीं कामों के लिए। इन्होंने राजधानी आने के लिए पैरवी व जुगाड़ नहीं लगायी, बल्कि हेमंत सोरेन इन्हें चाहते हैं। यही वजह है कि रांची डीसी भजन्त्री ताबड़तोड़ निरीक्षण और कार्रवाई कर रहे हैं।

पिछले दिनों 10 दिसंबर को कांके प्रखंड-अंचल चले गये। अबतक अधिकारी बता के निरीक्षण करते थे। लेकिन भजन्त्री बिना किसी को बताये अपराह्न 4:30 बजे कांके प्रखंड अंचल पहुंच गये। अंचल अधिकारी गायब

मिले। तनिक भी संकोच नहीं किया कार्रवाई करने में। उनसे शो कॉज और उनका वेतन रोकने का आदेश मिल गया। इस कार्रवाई के बाद बाकी कर्मियों में खुद ही डर बैठ गया। लोग समय से दफ्तर आने लगे हैं और जनता का काम निर्बाध होने लगा है।

अगले ही दिन ठंड बढ़ी तो खुद भी गये और एसडीओ आइएएस उत्कर्ष कुमार को बेघर, लाचार लोगों को देखने शहर में भेज दिया। चौक-चौराहे और फूटपाथ पर सोनेवालों का रेस्क्यू कर शेल्टर हाउस पहुंचा दिया। बात यहीं खत्म नहीं की, सभी प्रखंड, अंचल तथा थानों को आदेश दिया कि वे अपने अपने क्षेत्र में अलाव की व्यवस्था करायें।

शिकायत अवैध बालू ढुलाई की मिली, जिसके लिए हेमंत सरकार को सबसे अधिक बदनामी मिलती थी। भजन्त्री ने उसके धर पकड़ के लिए एक साथ कई टीम बनाकर अधिकारियों को कार्रवाई के लिए दौड़ाना शुरू करा दिया है। परिणाम स्वरूप पहले ही दिन अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो दर्जन से अधिक बालू लदे वाहन पकड़े गये। उसमें कुछ के तो नंबर प्लेट गायब तो कुछ के नंबर ही गलत मिले।

11 दिसंबर को नामकुम प्रखंड-अंचल पहुंचे तो सीडीपीओ अनुपस्थित मिलीं। सिर्फ कार्रवाई ही नहीं अधिकारियों व कर्मियों में कर्त्तव्यों का बोध भी करा रहे हैं। जन सेवक बनने की प्रेरणा देते हैं। सरकार की मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना के आवेदनों का यथाशीघ्र निष्पादन करने, कार्यालय तथा परिसर की समूचित साफ-सफाई, पानी, बिजली, शौचालय और सोलर सिस्टम आदि की व्यवस्था की लगातार जानकारी ले रहे हैं। इसे ठीक करने की जवाबदेही तय कर रहे हैं। सामूदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में कर्मियों की उपस्थिति देख रहे हैं। सीडीपीओ, बीएसओ, बीपीओ, सीएससी सहित अन्य पदाधिकारियों, कर्मियों के कार्यस्थल का निरीक्षण और उन्हें निर्देशित कर रहे हैं। सभी तरह के आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई चाहते हैं। बुजूर्गों को पेंशन मिले।

राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स का निरीक्षण उन्होंने बुधवार की देर रात किया। एक आम आदमी से जुड़ी सभी चीजों को जानने की वहां कोशिश की। प्रशासनिक भवन, ट्रामा सेंटर, इमरजेंसी, ब्लड बैंक एवं विभिन्न वार्डों में व्यवस्था को देखा जाना। मरीजों से बातचीत की, उनकी परेशानी जाना। उन्होंने इमरजेंसी में आनेवाले मरीजों के लिए तत्काल चिकीत्सीय सुविधा देने का निर्देश जारी किया।

भजन्त्री रांची डीसी का पदभार संभालते ही हेमंत सोरेन सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने में लग गये। जनता का काम कराने लगे। यही वजह है कि हेमंत सोरेन ने बहुत उम्मीद लगाकर इन्हें रांची डीसी बनाया है और भजन्त्री उन उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश में जूट गये हैं।

जल स्त्रोतों के अतिक्रमण पर झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार से रिपोर्ट मांगी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के जल स्त्रोतों से अतिक्रमण हटाने के मामले पर सरकार से रिपोर्ट मांगी है। हाईकोर्ट ने सरकार से यह बताने को कहा है कि अतिक्रमण हटाने के लिए बने टास्क फोर्स ने अब तक क्या-क्या कार्रवाई की है। सरकार को टास्क फोर्स की प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश अदालत ने दिया है। स्वतः संज्ञान लिए मामले की सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने गुरुवार को यह निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से अदालत को बताया गया राज्य के 14 जिलों में जल स्त्रोतों से अतिक्रमण हटाने के संबंध में गठित टास्क फोर्स की रिपोर्ट अब तक नहीं आई है। इस पर हाईकोर्ट ने राज्य के सभी जिलों के जल स्त्रोतों के संरक्षण के संबंध में टास्क फोर्स द्वारा उठाए गए कदम की रिपोर्ट सौंपने को कहा।

सुनवाई के दौरान खंडपीठ को बताया गया कि रांची के बड़ा तालाब की सफाई सही ढंग से नहीं हो रही है। इस पर कोर्ट ने रांची नगर निगम को बड़ा तालाब के लिए आवंटित किए गए बजट के साथ-साथ इसकी सफाई के लिए किस टेक्निकल एक्सपर्ट से सहायता ली जा रही है, इसकी जानकारी देने और प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

एडवोकेट एसोसिएशन के चुनाव के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त

रांची। झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की नई कमेटी के लिए होने वाले चुनाव में बार कौंसिल के सदस्य बालेश्वर प्रसाद सिंह और मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इससे पहले एसोसिएशन की जनरल बॉडी की मीटिंग में चुनाव संपन्न कराने के लिए वरीय अधिवक्ता वीपी सिंह, मृणाल कांति रॉय और विजय रॉय को अधिकृत किया गया है। वर्तमान कमेटी अब एडहॉक कमेटी के रूप में कार्य कर रही है। दरअसल, हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की मौजूदा कमेटी का कार्यकाल खत्म हो चुका है, जिसके बाद अब जल्द ही चुनाव होने हैं। हाईकोर्ट में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महासचिव समेत कुल 16 पदों पर चुनाव होते हैं।

विधि व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए डीजीपी ने की बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने पुलिस के वरीय अधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था को दुरुस्त करने के संबंध में बैठक की। बैठक के दौरान डीजीपी अनुराग गुप्ता ने राज्य के आला अधिकारियों को विधि व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कई दिशा निर्देश जारी किए। हजारीबाग में उत्पन्न हुई विधि-व्यवस्था समस्या के संबंध में तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए समीति बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में डॉ. संजय अलंकरणशिव पटनायक, पुलिस महानीरीक्षक, अमोल विक्रांत होमकर, पुलिस महानीरीक्षक, प्रमोद कुमार, पुलिस महानीरीक्षक विशेष शाखा, अनुप कुमार महापात्र, पुलिस महानीरीक्षक रांची, कार्तिक एस कुमार, शामिल थे। बैठक में पुलिस उप-महानीरीक्षक कोयलांचल क्षेत्र बकोड़ा, रांची पुलिस अधीक्षक रांची/धनबाद एवं पुलिस अधीक्षक हजारीबाग/लोहरदगा सहित अन्य पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति रही।

टेरर फंडिंग मामला : हाई कोर्ट में सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। चतरा के टंडवा स्थित मगध व आम्रपाली कोल परियोजना से जुड़े टेरर फंडिंग मामले में एनआईए की सितंबर 2018 में छापेमारी में आरोपी व्यवसाई सुदेश केडिया के आवास सह कार्यालय से बरामद 9 लाख 95 हजार रुपए की वापसी को लेकर दायर याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने प्रार्थी एवं एनआईए का पक्ष सुनने के बाद मामले में सुनवाई पूरी करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि एनआईए की छापामारी में सुदेश केडिया के आवास से बरामद 9 लाख 95 हजार रुपए उनके व्यवसाय का है, यह टेरर फंडिंग का पैसा नहीं है। इस पैसे से कर्मियों को सैलरी दी जानी थी। इसलिए एनआईए द्वारा बरामद 9 लाख 95 हजार रुपए को उन्हें वापस दिलाया जाए। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता लुकेश कुमार ने पैरवी की। बता दें कि टेरर फंडिंग से जुड़े केस में रांची की एनआइए की विशेष अदालत में सुनवाई जारी है। एनआइए ने टंडवा थाना में दर्ज कांड संख्या 2/2016 को फरवरी 2018 को टेकओवर किया था। अनुसंधान के बाद एनआइए ने मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। मामले में कई आरोपियों के खिलाफ आरोप गठित हो चुका है।

अजरबैजान में गिरफ्तार कुख्यात मयंक के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू

- मयंक सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब प्रिंस खान की बारी है, उसे भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा : डीजीपी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड पुलिस ने मोस्ट वांटेड अपराधी मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा को अजरबैजान से प्रत्यर्पण कर भारत लाने की तैयारी शुरू कर दी है। फिलहाल मयंक सिंह अजरबैजान की राजधानी बाकू की जेल में बंद है।

प्रत्यर्पित होने वाला झारखंड का पहला अपराधी

अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर बन चुके कुख्यात गैंगस्टर अमन साव और लॉरेंस बिश्नोई का करीबी मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा झारखंड का पहला अपराधी होगा जिसकी गिरफ्तारी विदेश में हुई और अब उसे बाकू से भारत प्रत्यर्पित किया जाएगा। राजस्थान का रहने वाला मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा काफी कुख्यात अपराधी हैं। मयंक अक्सर अत्याधुनिक हथियारों और अपनी आलीशान जिंदगी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सुर्खियों में रहता था।

झारखंड पुलिस के अथक प्रयासों के बाद मयंक सिंह को अजरबैजान की राजधानी बाकू से गिरफ्तार कर लिया गया है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा के प्रत्यर्पण के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

फिलहाल बाकू कोर्ट में कार्रवाई चल रही है।

मयंक के खिलाफ जारी किया गया था रेड कॉर्नर नोटिस

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि शुरूआत में पुलिस को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी कि मयंक सिंह कौन है। अथक प्रयास के बाद एटीएस की टीम ने पता लगाया कि मयंक सिंह असल में सुनील मीणा है जो राजस्थान का रहने वाला है और विदेश में रहकर झारखंड में आपराधिक गतिविधियों को संचालित कर रहा है। जिसके बाद उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया और रेड कॉर्नर नोटिस के चलते उसे अजरबैजान में पकड़ा गया।

प्रिंस खान की तलाश

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि अपराधी भले ही विदेश में छिपकर खुद को बचाने की कोशिश करे, लेकिन वह हर हाल में कानून के शिकंजे में जाएगा। मयंक सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब प्रिंस खान की बारी है, उसे भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लॉरेंस का बचपन का दोस्त है मयंक सिंह

अपराध की दुनिया में मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा एक जाना-माना नाम है। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के बचपन के दोस्त मयंक सिंह का पूरा नाम सुनील सिंह मीणा है। लॉरेंस और मयंक ने एक साथ अपराध की दुनिया में कदम रखा था। मयंक अपराध के कई मामलों में जेल भी जा चुका है। लेकिन पिछले 2 सालों से वह मलेशिया में बैठकर झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साव के साथ लॉरेंस के इशारे पर काम कर रहा था। अमन और लॉरेंस बिश्नोई के बीच मयंक सिंह अहम कड़ी है। मयंक सिंह का मुख्य काम इंटरनेट कॉल के जरिए व्यवसायियों को धमकाना है। मयंक सिंह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय था और मलेशिया में बैठकर सोशल मीडिया के जरिए अपने गैंग के बारे में खुलकर अपनी बात रखता था।

एक साल पहले ही हुई थी मयंक की पहचान

पिछले साल तक झारखंड पुलिस के लिए मयंक सिंह एक अनसुलझी पहेली बना हुआ था। एटीएस की जांच में यह बात सामने आई कि इंटरनेट कॉल के जरिए झारखंड के व्यवसायियों को आतंकित करने वाला मयंक सिंह असल में सुनील कुमार मीणा है। सुनील कुमार मीणा झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साव के लिए मयंक सिंह के छद्म नाम से काम करता था। झारखंड में शायद ही कोई ऐसा व्यवसायी हो, जिसे मयंक ने इंटरनेट कॉल पर धमकाया न हो। मयंक उर्फ ??सुनील मीणा के खिलाफ एटीएस थाने समेत झारखंड के एक दर्जन थानों में दर्जनों मामले दर्ज हैं।

पहचान के बाद शुरू हुई कार्रवाई

मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा के बारे में पूरी जानकारी मिलने के बाद झारखंड एटीएस की टीम ने राजस्थान के अनूपगढ़ जिले के नई मंडी थाना क्षेत्र के जीडीए पुरानी मंडी घड़साना स्थित मीणा के घर डुगडुगी बजा कर इश्तेहार भी चस्पा किया था। नई मंडी थाना पुलिस की मदद से एटीएस ने सुनील मीणा उर्फ मयंक सिंह की कई चल-अचल संपत्तियों का भी पता लगाया है। सुनील मीणा ने खौफ से कमाए पैसों से नया मकान बनवाया है, साथ ही महंगी कारें भी खरीदी हैं। एटीएस ने मयंक उर्फ सुनील मीणा के खिलाफ राजस्थान में कुर्की-जब्ती भी की है।

पासपोर्ट ब्लॉक : मयंक की पहचान होते ही झारखंड एटीएस की ओर से उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई। झारखंड एटीएस के एसपी ऋषभ झा ने पहले बताया था कि झारखंड पुलिस के लिखित अनुरोध पर सुनील मीणा का पासपोर्ट भी रद्द कर दिया गया है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था।

खबर एक नजर में

झारखण्ड मिथिला मंच का कैलेंडर विमोचन 25 दिसंबर को

रांची। झारखंड मिथिला मंच की बैठक गुरूवार को डॉ आनंदशेखर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 25 दिसंबर मंच का स्थापना दिवस आईएमए हॉल में मनाने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर मंच का कैलेंडर का भी विमोचन किया जायेगा। बैठक में से संतोष झा, सतीश झा, कुमुद झा, सुनील झा, सर्वजीत चौधरी, निशिकांत पाठक, विनोदानंद झा, संतोष मिश्रा, कमलदेव मिश्र, भवानन्द झा, विनोद झा, आनंद मोहन झा, अरुण झा, मुकेश झा, राजीव चंद्र झा, पीयूष दास, प्रवीण झा, सुजीत झा, अमिताभ रंजन सहित अन्य लोग उपस्थित थे। यह जानकारी मंच के मीडिया प्रभारी संजीत झा ने दी।

राष्ट्रव्यापी संविधान रक्षक अभियान के लिए को-ऑर्डिनेटर मनोनीत

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निदेर्शानुसार 60 दिवसीय राष्ट्रव्यापी संविधान रक्षक अभियान को गतिशील बनाने हेतु प्रदेश स्तरीय को-ऑर्डिनेटर मनोनीत किया गया है। इसकी जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने बताया कि मनोनीत प्रदेश स्तरीय को-ऑर्डिनेटर्स में आलोक कुमार दूबे, संयोजक को दक्षिणी छोटानागपुर एवं सतीश पॉल मुंजनी-उत्तरी छोटानागपुर, सुरेन राम-कोल्हान प्रमंडल, गजेन्द्र सिंह-पलामू एवं रियाज अंसारी को संथाल प्रमंडल का जिम्मेवारी सौपी गई है।

सरकारी स्कूल में निम्न क्वालिटी के स्कूल ड्रेस वितरण मामले में राज्य सरकार को नोटिस

रांची। हजारीबाग के सरकारी स्कूल में बच्चों को निम्न क्वालिटी का स्कूल ड्रेस वितरण एवं बिना टेंडर के ही स्कूल बच्चों के ड्रेस की खरीद की जांच करने का आग्रह करने वाली जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में हाई कोर्ट की खंडपीठ ने राज्य सरकार सहित अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। अगली सुनवाई 16 जनवरी 2025 को होगी। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023 -24 में हजारीबाग जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों में बच्चों को वितरित करने के लिए स्कूल ड्रेस की खरीद बिना टेंडर के माध्यम से हुई थी। यह स्कूली ड्रेस निम्न स्टैंडर्ड की है। इसे निम्न स्तर के स्कूली ड्रेस की खरीदारी लातेहार एवं हजारीबाग जिले के स्वयं सहायता समूह के द्वारा के माध्यम से खरीदी गई है। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता शाहबाज अख्तर ने खंडपीठ को बताया गया कि इस संबंध में आरोप की जांच राज्य एवं जिला स्तर पर कराई गई है जिसमें अनियमितता की कोई बात सामने नहीं आई है। जिस पर कोर्ट ने राज्य सरकार को मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया वहीं प्रार्थी को स्वयं सहायता समूह जिन्होंने स्कूल ड्रेस की आपूर्ति की है उन्हें प्रतिवादी बनाने का निर्देश दिया। मामले में प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार तिवारी ने पैरवी की।

भाजपा नेता प्रतुल शाहदेव की हाईकोर्ट से राहत बरकार

रांची। भाजपा नेता प्रतुल शाहदेव को हाईकोर्ट से मिली राहत बरकरार है। हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ पीड़क कार्रवाई नहीं करने का आदेश 27 जनवरी तक बरकरार रखा है। यह मामला लातेहार के बंद पड़े अभिजीत प्लांट में प्रशासन के सहयोग से हो रहे स्क्रैप लूट के खिलाफ अभियान से जुड़ा है। प्रतुल शाहदेव की ओर से पक्ष रखते हुए अदालत को बताया गया कि प्रार्थी ने लातेहार के बंद पड़े अभिजीत प्लांट में प्रशासन के सहयोग से हो रहे स्क्रैप लूट के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया था। जिससे वह स्क्रैप माफिया के निशाने पर थे। मामले के शिकायतकर्ता एजाज अंसारी आपराधिक पृष्ठभूमि का है। उस पर स्क्रैप चोरी के कई मामले दर्ज हैं। उनकी ओर से अदालत को यह भी बताया गया कि इससे पूर्व भी प्रतुल शाहदेव को स्क्रैप माफिया की शह पर मंटू कुमार की ओर से एससी-एसटी एक्ट के तहत बालूमाथ थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। हाई कोर्ट ने तीन अक्तूबर को केस को खारिज करते हुए पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाया था। सुनवाई के बाद अदालत ने प्रतुल शाहदेव के खिलाफ पीड़क कार्रवाई नहीं करने का निर्देश देते हुए सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

धान अधिप्राप्ति के लिए सभी प्रकार की तैयारी पूरी : डीएसओ

रांची। जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) प्रदीप भगत ने ओरमांझी एवं कांके प्रखंड में धान अधिप्राप्ति के संबंध में किसानों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने किसानों को खरीफ विपणन मौसम 2024-25 अंतर्गत धान अधिप्राप्ति केंद्र पर ही धान बेचने के लिए प्रेरित एवं जागरूक किया गया। साथ ही किसानों को बिचौलियों द्वारा दूसरे राज्यों में धान न बेचने के लिए प्रचार-प्रसार किया गया। प्रदीप भगत ने किसानों को बताया कि झारखंड सरकार द्वारा खरीफ विपणन मौसम 2024-25 अंतर्गत किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300/- प्रति क्विंटल एवं बोनस 100/- रुपया प्रति क्विंटल अर्थात कुल 2400/- प्रति क्विंटल की दर से निर्धारित है। कहा कि जिला प्रशासन द्वारा धान अधिप्राप्ति के लिए सभी प्रकार की आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। साथ ही जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा किसानों को ससमय भुगतान करने के लिए भी सभी प्रकार की तैयारियां पूरी हैं। प्रदीप भगत ने बताया कि किसान अपने धान 15 दिसंबर से नजदीकी धान अधिप्राप्ति केन्द्र में बेच सकते हैं। बता दें कि रांची जिलान्तर्गत किसानों द्वारा कम मूल्य पर पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश सहित अन्य राज्यों के बिचौलियों को धान बेचे जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी।

झारखण्ड प्रदेश अंगिका समाज ने मंत्री दिपीका को दी बधाई

रांची। झारखण्ड प्रदेश अंगिका समाज के गुरूवार को दीपिका पाण्डेय सिंह ग्रामीण विकास मंत्री को उनकी जीत पर बधाई दी। साथ ही विधानसभा में अंगिका में शपथ ग्रहण कर अंग क्षेत्र को सम्मान प्रदान करने के लिए उनके प्रति विनम्र आभार व्यक्त किया गया। बधाई देने वालों में डॉ.श्रीमोहन सिंह महासचिव, मोहन रजक अध्यक्ष, डॉ. अनुरंजिता सिंह उपाध्यक्ष, चंद्रिका ठाकुर 'देशदीप', डॉ.एस. के.पी. सिंह, प्रद्युम्न प्र०सिंह, दीपक कुमार सिंह, आलोक कुमार सिंह, राजेश कुमार पाण्डेय एवं डॉ. करुणा सागर सिंह शामिल है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का एमएसएमई कैंप आयोजित

ओपेन फोरम डिस्कशन के माध्यम से ग्राहकों के साथ उनकी आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं पर की गई चर्चा

- शहर के उद्यमियों और बैंक के सम्मानित ग्राहकों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा गुरुवार को मेपल वुड में एमएसएमई कैंप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के प्रतिष्ठित उद्यमियों और बैंक के सम्मानित ग्राहकों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। कार्यक्रम में यूनियन बैंक के केंद्रीय कार्यालय से महाप्रबंधक जी.एन. दास, विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का आयोजन अंचल प्रमुख बैजनाथ सिंह की अध्यक्षता एवं क्षेत्र प्रमुख आलोक कुमार और उप अंचल प्रमुख शशिकांत के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने विभिन्न एमएसएमई उत्पादों के तहत मिलने वाले लाभ के विषय में ग्राहकों को अवगत कराने के उद्देश्य से शहर के प्रतिष्ठित उद्यमियों और बैंक ग्राहकों के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ने ग्राहकों को संबोधन में विभिन्न एमएसएमई उत्पादों की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए इसके महत्व को साझा किया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्राहकों के साथ प्रश्नोत्तरी हेतु ओपेन फोरम डिस्कशन के माध्यम से उनकी आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं पर भी चर्चा की गई। बैंक के उपस्थित कार्यपालक गणों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित ग्राहकों को कुल रु. 82 करोड़ की अनुमोदित ऋण पत्रों का भी वितरण किया गया । यूनियन बैंक की एमएसएमई सुविधाओं से लाभान्वित कुछ ग्राहकों द्वारा अपनी सफलता की कहानी भी साझा की गई। कार्यक्रम के अंत में नीरज कंधवे ने उपस्थित ग्राहकों का आभार व्यक्त किया तथा विश्वास दिलाया कि बैंक ग्राहकों की आशाओं पर खरा उतरेगा तथा राँची शहर के विकास में सतत सहयोग प्रदान करेगा

सनातनी आस्था से खिलवाड़ पर सीएम चुप्पी तोड़ें : स्वामी दिव्यानंद

रांची। अखिल भारतीय संत समिति के उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यानंद महाराज ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा कि देवघर में विराजमान बाबा के मूल स्वरूप के ऊपर किसी प्रकार का केमिकल लगाकर हिंदू आस्था से खिलवाड़ किया गया है, जबकि गर्भगृह के अंदर में किसी अधिकारियों का छेड़छाड़ करना कोई अधिकार नहीं है। मरम्मत कार्य के बहाने यह कृत्य क्रिया किया गया है, वहां के पंडा पुजारी के अनुमति सहमति के बिना, जो काफी दुखद है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अविलंब मौन तोड़ें, अपनी प्रतिक्रिया दें और ऐसी गलती की पुनरावृत्ति न हो इसको सुनिश्चित करें।

टीआरएल संकाय में नागपुरी काव्य संग्रह पलाश कर फूल का लोकार्पण

साहित्य समाज का आईना होता है : डॉ सविता केशरी

- **वक्ताओं ने कही- अपनी माटी की गंध हर व्यक्ति के मन को आकर्षित करता है**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची विवि के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय के नागपुरी विभाग में गुरुवार को प्रो. केदार नाथ दास लिखित नागपुरी काव्य संग्रह पलाश कर फूल का लोकार्पण सह कृति चर्चा का आयोजन किया गया। विषय प्रवेश प्राध्यापक डॉ उमेश नन्द तिवारी, धन्यवाद डॉ रीझू नायक एवं संचालन डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो ने किया। विभागाध्यक्ष डॉ सविता केशरी ने कहा कि साहित्य समाज का आईना होता है। प्रोफेसर दास ने नागपुरी भाषा साहित्य को एक नयी दिशा देने का काम किया है। एक समय था जब नागपुरी भाषा में पुस्तकों की कमी थी। इस भाषा को कोई महत्व नहीं दिया जाता था। इस कारण नागपुरी को गंवारी भाषा कहा जाता था। कालान्तर में इस भाषा में कई पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन के साथ-साथ स्थानीय समाचार पत्रों एवं आकाशवाणी-दूरदर्शन में प्रमुखता से स्थान दिया जाने लगा। उन्होंने कहा कि कई विद्वानों ने यह सिद्ध किया है कि नागपुरी एक स्वतंत्र भाषा है। ऐसे में प्रो. केदार नाथ दास की कविता संग्रह पलाश कर फूल नागपुरी समाज के लिए एक आगाज है।

मुख्य वक्ता स्नातकोत्तर उर्दू विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ रिजवान अली ने कहा कि हमारे हृदय को छू जाये, वही कविता है। अपनी माटी की गंध हर एक व्यक्ति के मन को आकर्षित करता है। नागपुरी एक संपर्क भाषा है, जो सबसे अधिक लोकप्रिय है। प्रो. दास ने कविता संग्रह पलाश कर फूल की रचना कर नागपुरी समाज को एक तोहफा दिया है। इसके लिए पूरा नागपुरी समाज कवि केदार नाथ दास का ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि कवि ने अपने संग्रह के माध्यम से अपने जीवन के अनुभव, संघर्ष एवं सुख दुख को एक जगह समेटने का कार्य किया है। कवि खुद झारखंड आन्दोलन से लम्बे समय से जुड़े रहे हैं। इस कारण वे जिन्दगी के हर पहलू को उजागर किया है। वक्ता मेजर डॉ महेश्वर सारंगी ने कृति चर्चा करते हुए कहा कि नागपुरी में गीत लिखने की परम्परा थी परन्तु अब जोर शोर से कविता लिखने की शुरूआत हुई है। यह नागपुरी समाज के लिए अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि कवि ने समाज में जो देखा, सुना और भोगा है उसी को कलमबद्ध किया है। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज को प्रभावित करती है। भाषा जैसे जैसे बढ़ेगी, वैसे वैसे समाज का विकास होगा।

रचनाकार लेखक प्रो केदार नाथ दास ने कहा कि मेरे कविता संग्रह में मैंने अपने जीवन की तमाम अनुभवों को समाज के सामने साहित्य के रूप में रखने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति अथवा समाज को खत्म करना है तो उसकी भाषा संस्कृति को खत्म कर दें, वह स्वतः खत्म हो जायेगा। इसलिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मांय भाषा में साहित्य रचने व गढ़ने की आवश्यकता है तभी हम और हमारा अस्तित्व बच पायेगा। मौके पर विभाग के छात्र अशोक कुमार ने पहचान शीर्षक कविता प्रस्तुत किया। इस मौके पर प्राध्यापक बन्धु भगत, मनय मुण्डा, डॉ गीता कुमारी सिंह, डॉ कुमारी शशि, डॉ अर्चना कुमारी, महामनी कुमारी, डॉ अनुपमा मिश्रा, डॉ दिनेश कुमार, डॉ सरस्वती गागराई, डॉ बन्दे खलखो, अनुराधा मुंडू, डॉ करम सिंह मुंडा, डॉ नकुल कुमार, रवि कुमार, विक्की मिंज, निलोफर, जलेश्वर, बुद्धेश्वर, सूरज, संजय, पंकज, अभिजीत, सोनू, नमिता, सीमा, पूनम, ऊषा, आकाश के अलावे कॉलेज वरिष्ठ प्राध्यापक, शिक्षाविद्, साहित्यकार एवं शोधार्थी-छात्र मौजूद थे।

झारखंड में सर्दी का अटैक, अगले तीन दिनों तक चलेगी शीतलहरी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में सर्दी का अटैक होने वाला है। अगले तीन दिनों तक राज्य में शीतलहरी चलेगी। मौसम विभाग ने इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। केंद्र के अनुसार, 13, 14 और 15 दिसंबर को शीतलहरी का प्रकोप रहने की संभावना है।

10 जिलों में रहेगा शीतलहरी का प्रकोप : मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के 10 जिलों में शीतलहरी का प्रकोप रहेगा। इसका असर राज्य के धनबाद, बोकारो, रामगढ़, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, लातेहार, चतरा, पलामू और गढ़वा में देखने को मिलेगा। वहीं उत्तरी पछुआ हवा चलने से और अधिक कनकनी बढ़ेगी।

तापमान में 4.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट : मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान 4.5 डिग्री सेल्सियस तापमान में गिरावट आई है। रांची, जमशेदपुर, डालटनगंज, बोकारो और चाईबासा में न्यूमनतम तापमान में गिरावट आई है। सबसे न्यूनतम तापमान गढ़वा में 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

खबर एक नजर में

जूनियर थ्रोबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की बालक टीम ने जीता कांस्य पदक

रांची। 34वीं राष्ट्रीय जूनियर थ्रोबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की बालक टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाते हुए राज्य का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 09 से 11 दिसंबर तक इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित की गई थी। इस उपलब्धि पर झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के अध्यक्ष डॉ. राजेश गुप्ता ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और समर्पण से यह पदक जीता है। यह उपलब्धि राज्य के थ्रोबॉल खेल को नई दिशा देगी और युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करेगी। संघ खिलाड़ियों को हरसंभव सहायता और प्रोत्साहन देता रहेगा। संघ के सचिव नगीना कुमार ने कहा, यह जीत पूरी टीम की कड़ी मेहनत और कोचों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन का परिणाम है। हम भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध हैं। झारखंड के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सक्षम हैं। इस उपलब्धि पर झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के उपाध्यक्ष जमील अंसारी, सुनील चक्रवर्ती, वेदांत कौस्तव, नीतीश सिंह, नीरज वर्मा, गौरव सिंह, मनीष शाहदेव, कीर्ति कुमार समेत कई खेल प्रेमियों ने टीम को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आगमन काल दुनिया भर के ईसाइयों के लिए एक पवित्र और सार्थक समय है : कुलदीप तिर्की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आगमन काल दुनिया भर के ईसाइयों के लिए एक पवित्र और सार्थक समय है। क्योंकि इस समय वे अपने हृदय और मन को ईसा मसीह के जन्म के उत्सव के लिए तैयार करते हैं। ये बातें रांची महाधर्मप्रांतीय के युथ कॉडिनेटर कुलदीप तिर्की ने कही। उन्होंने कहा कि एडवेंट, लैटिन शब्द एडवेंटस से लिया गया है, जिसका अर्थ है आगमन या आनेवाला। आगमन को तैयारी का सप्ताह इसलिए मनाया जाता है ताकि हम खुद के जीवन व खुद का आकलन कर सकें। हम किसी भी बड़े व्यक्ति से मिलने जाते हैं तो निश्चित तौर पर सज-धजकर जाते हैं। अच्छे कपड़े पहनते हैं। यीशु के आगमन की तैयारी में हमें अपने शरीर से ज्यादा अपने हृदय को संवारना है। हमें देखना है कि हमारा हृदय कितना पवित्र है। क्या हम यीशु के स्वागत के योग्य है? अगर नहीं हैं तो खुद को तैयार करना होगा। इसके लिए अपनी गलत आदतों को छोड़ना होगा। वरना क्रिसमस के त्यौहार मनाने के हम काबिल नहीं रहेंगे। फिर इसको मनाने का औचित्य नहीं होगा। क्रिसमस से पहले आगमन की तैयारी का सप्ताह ईसाइयों के लिए विशेष मायने रखता है। इस दौरान चर्च भी ईसाइयों को उनके जीवन की सार्थकता का अहसास कराता है। उनको जाने-अनजाने किए गए पापों को याद करने तथा उसके लिए पश्चाताप करने का अवसर प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री से 25 दिसंबर से पूर्व महंगाई भत्ता और वेतन देने की मांग

रांची। झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अलका तिवारी झारखंड सरकार से राज्य कर्मियों को महंगाई भत्ता (डीए) तीन प्रतिशत देने और क्रिसमस पर्व से पहले 25 दिसंबर से पूर्व दिसंबर माह का वेतन देने की मांग की है। महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर ने कहा कि 25 दिसंबर से पूर्व महंगाई भत्ता (डीए) और वेतन देने से राज्य कर्मियों में उत्साह का माहौल होगा और सभी राज्य कर्मी क्रिसमस पर्व हर्षोल्लास के साथ मना पाएंगे।

कांग्रेस छात्र संगठन एनएसयूआई ने रांची विश्वविद्यालय में की तालाबंदी

- **डोरंडा कॉलेज में कार्यरत कर्मचारी इब्राहिम को हटाने एवं विभिन्न मुद्दों को लेकर तालाबंदी की गई**

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कांग्रेस छात्र संगठन एनएसयूआई के छात्र नेता अब्दुल रबनवाज के नेतृत्व में गुरुवार को विद्यार्थियों के विभिन्न मामलों को लेकर रांची विश्वविद्यालय में तालाबंदी की गई एवं ज्ञापन सौंपा गया। हंगामा देख यूनिवर्सिटी के कुलपति ने कॉल कर के कहा कि वे रांची में उपस्थित नहीं हैं। रांची आने पर प्रतिनिधिमंडल के साथ यूनिवर्सिटी में बैठक की जाएगी। कुलपति से वार्ता के बाद तालाबंदी खत्म की गई। इसके बाद यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय संयोजक आरुषी वंदना, बिश्वजीत, अमन राज, अकमल राजा, शाहिद, राजू, विनीत, पिंटू, सोहैब एव सैकड़ों विद्यार्थी मौजूद थे।

बीआईटी में कल से माइक्रोग्रिड्स में ऊर्जा प्रबंधन के लिए ब्लॉकचेन पर कार्यशाला

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बीआईटी मेसरा का इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग माइक्रोग्रिड्स में सुरक्षित ऊर्जा प्रबंधन के लिए ब्लॉकचेन तकनीक के उपयोग पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला कर रहा है। एसईआरबी (अब एएनआरएफ) के सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला 14 और 15 दिसंबर, 2024 को बीआईटी मेसरा कैंपस में होगी। इसमें ब्लॉकचेन तकनीक और ऊर्जा क्षेत्र में इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर चर्चा होगी।

यह कार्यशाला विशेष रूप से कॉलेजों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों के फैकल्टी सदस्यों के लिए तैयार की गई है। इसमें प्रतिभागियों को ब्लॉकचेन आधारित ऊर्जा समाधान के व्यावहारिक दृष्टिकोण प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। यह आधुनिक ऊर्जा प्रबंधन चुनौतियों को हल करने में इसकी प्रासंगिकता को समझने का एक मंच प्रदान करेगा। विशेषज्ञों द्वारा संचालित सत्रों, हैंड्स-ऑन लैब्स और नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध होंगे। इस कार्यशाला के संरक्षक बीआईटी मेसरा के कुलपति प्रो. इंद्रनील मन्ना हैं। अध्यक्ष प्रमुख (इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग) प्रो. (डॉ.) आर.सी. झा और कार्यक्रम समन्वयक विभाग के डॉ. दीपक कुमार और प्रो. (डॉ.) तीर्थदीप घोष हैं।

इन पहलुओं पर केंद्रित होगी : सुरक्षित ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के बारे में जानकारी दी जायेगी। ब्लॉकचेन तकनीक और इसके कार्यान्वयन की खोज पर चर्चा होगी। साइबर-फिजिकल सिस्टम और मॉडलिंग को समझना। ब्लॉकचेन तकनीक पर प्रयोगशाला सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना है।

विशेष मध्यस्थता अभियान के चौथे दिन कुल 13 मामलों में मिली सफलता

रांची। व्यवहार न्यायालय, रांची स्थित मध्यस्थता केंद्र में पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान के चौथे दिन परिवार न्यायालय एवं विभिन्न न्यायालयों से कुल 59 मामले अग्रसारित होकर मध्यस्थता केन्द्र में प्राप्त हुए थे, जिन्हें भिन्न-भिन्न मध्यस्थों को सुपुर्द किया गया। जिनमें कुल 13 (तेरह) मामलों में सफलता मिली और दोनों पक्ष राजी-खुशी से अपने मामले को समाप्त करने के लिए तैयार हो गये। अन्य मामलों में अभी अंतिम स्तर की बात-चीत बाकी है, इसलिए वे मामले विशेष मध्यस्थ के पास अगले स्तर के सुनवाई के लिए लंबित है।

एसआर डीएवी पुंदाग के खिलाड़ियों का डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स में दबदबा

- **खिलाड़ियों ने कुल 10 स्वर्ण पदक, 6 रजत पदक तथा 10 कांस्य पदक अपने नाम किये**

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डीएवी, सीएमसी नई दिल्ली के तत्वावधान में नई दिल्ली, नोएडा एवं गाजियाबाद के विभिन्न स्टेडियमों में आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स के राष्ट्रीय स्तर के खेलों के मुकाबले में भाग लेते हुए एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल पुंदाग के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की झड़ी लगा दी। खिलाड़ियों ने कुल 10 स्वर्ण पदक, 6 रजत पदक तथा 10 कांस्य पदक अपने नाम किए। जूडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रियांशु कुमार ने स्वर्ण तथा अदिति त्रिपाठी ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। ताइक्वांडो प्रतियोगिता में अपने-अपने भार वर्ग में आकांक्षा कुमारी ने स्वर्ण पदक, श्रिया मिश्रा ने कांस्य पदक, विश्वजीत कुमार ने रजत पदक तथा आदित्य कुमार ने कांस्य पदक पर अपना कब्जा जमाया। इसके साथ ही बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने भार वर्ग में पलक कुमारी ने स्वर्ण पदक, प्राची शर्मा, माही कुमारी, रचित राज, अमृत राज तथा आतीफ अहमद ने कांस्य पदक अपने नाम किए। इसी के साथ वुशू प्रतियोगिता में अदिति कुमारी, यश कुमार महतो, आर्यन मुंडा, आदित्य कुमार तथा शौर्य शर्मा ने रजत पदक तथा रिमझिम कुमारी तथा प्रीतम कुमार ने कांस्य पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही झारखंड डीएवी अंडर 17 बालिका क्रिकेट टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चैंपियन बनी, जिसमें विद्यालय की खिलाड़ी मनीषा कुमारी, तनु कुमारी, निधि कुमारी, दीक्षा कुमारी, शिल्पा कुमारी, आराध्या राज एवं अनन्या वर्मा ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्राचार्य एसके मिश्र ने कहा कि हमारे विद्यालय के खिलाड़ी खेलकूद के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। साथ ही प्राचार्य ने भविष्य में अधिक से अधिक सफलता अर्जित करने के लिए खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास जारी रखने की सलाह दी। राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का मान बढ़ाने के लिए प्राचार्य ने खेल शिक्षक आशीष जायसवाल, प्रणव प्रताप सिंह, सहित सभी शिक्षकों, खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सीआईटी में यौन उत्पीड़न निवारण सप्ताह का समापन

रांची। सीआईटी में चल रहे कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण सप्ताह का समापन हो गया है। समापन समारोह के मौके पर संस्थान की सेक्सुअल हरासमेंट प्रेवेंशन सेल की नॉडल ऑफिसर डॉ शालिनी सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए बने कानून पोश एक्ट 2013 की विस्तृत जानकारी साझा की और इसके अक्षरशः अनुपालन की बात कही। वहीं वीमेन सेल की अध्यक्ष डॉ पल्लवी सिंह ने कहा की सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेवारी है। कार्यक्रम को संस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी प्रो. अरशद उस्मानी ने भी सम्बोधित किया। इसके पूर्व सप्ताहव्यापी कार्यक्रम में यौन उत्पीड़न की रोकथाम और जागरूकता को लेकर विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक, डिबेट आदि का आयोजन किया गया। समापन समारोह के मौके पर संस्थान के विद्यार्थियों समेत शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

क्रिसमस कार्निवाल को लेकर बैठक

रांची। कामिल बुल्के पथ पुरुलिया रोड स्थित एसडीसी सभागार में क्रिसमस कार्निवाल को लेकर गुरुवार को बैठक हुई। इसका आयोजन 14 दिसम्बर को किया जायेगा। बैठक में क्रिसमस उत्सव यात्रा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और युवाओं को जिम्मेदारी दी गयी। बैठक की अध्यक्षता मुख्य संरक्षक अलबीन लकड़ा व केंद्रीय अध्यक्ष कुलदीप तिर्की ने की। उन्होंने बताया कि मुख्य आकर्षक लाइव क्रिसमस गीत संता पापा संता टोपी और मंच में ग्रुप सॉग होगा। बैठक में पास्टर शैलू, संदीप, अभिषेक, आकाश, अम्बर, फादर सुमित, एलेक्स, दीपक, अमर, हितेश, हर्षित, पास्टर सुजीत, पास्टर प्रदीप, पास्टर माइकल आदि शामिल थे।

युवा महोत्सव, युवाओं का युवाओं के लिए एक वार्षिक समारोह है : वीसी

- **डीएसपीएमयू में तीन दिवसीय युवा महोत्सव, स्पंदन का आगाज**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) सभागार में गुरुवार से तीन दिवसीय युवा महोत्सव, स्पंदन का आगाज हुआ। महोत्सव का उदघाटन और अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि इस युवा महोत्सव का उदेश्य एक साझा मंच पर अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन करके विद्यार्थियों में सदभाव, अविश्वास और सृजनशीलता की अवधारणाओं को विकसित करना है। इस तीन दिवसीय महोत्सव में युवा इन गतिविधियों के माध्यम से अपनी भावना को प्रदर्शित कर अपनी अभिव्यक्ति को सांस्कृतिक प्रतिभा के द्वारा प्रदर्शित कर सकते है। वीसी ने कहा कि आप युवा पीढ़ी में दृढ़ इच्छा शक्ति, आत्मविश्वास ही आपको मंजिल तक पहुंचाएगी संगठन और कर्म की भावना हर किसी विद्यार्थी में होनी चाहिए। तभी वह व्यक्तित्व का विकास कर राष्ट्र का विकास कर सकता है। इसके पूर्व द्वीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

मौके पर डीएसडब्ल्यू डॉ सर्वोत्तम कुमार ने युवा महोत्सव के उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डाला। स्वागत भाषण और अतिथियों का स्वागत करते हुए कुलसचिव डॉ नमिता सिंह ने कहा कि 2018 से अब तक के युवा महोत्सव का अनुभव यह दशार्ता है कि इन युवा महोत्सव के माध्यम से सफल विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान स्थापित की है।

विशिष्ट अतिथि के तौर पर आमंत्रित बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल के समाजशास्त्री प्रो एस एन चौधरी ने विश्वविद्यालय के अपने पूर्व युवा महोत्सव के अनुभवों को उपस्थित विद्यार्थियों के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि यह युवा महोत्सव विद्यार्थियों के आंतरिक सृजन को प्रदर्शित करने का एक सशक्त माध्यम है।

उदघाटन सत्र के उपरांत आज प्रथम दिन रंगोली प्रतियोगिता में 6, पोस्टर मेकिंग में 35, क्विज में 38, मेहंदी प्रतियोगिता में 24 और ऑन स्पॉट पेंटिंग में 27 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा को दशार्या। उदघाटन सत्र में मंच संचालन मनीष मिश्रा और विनय भरत ने किया। यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने की गौ सेवा

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने गुरुवार को हरमू रोड गौशाला में गौ सेवा की। सेवा में गौ माता को हरी सब्जियां, गोभी, पालक एवं अन्य सामाग्री खिलाई गई। गौ सेवा प्रभारी आशा संथोलिया एवं संयोजिका डॉली बंसल, दीपिका मोतीका, पायल जैन, कविता जालान, पूजा अग्रवाल, पूजा लाडिया समेत अन्य सदस्य मौजूद थीं।

रातू : समाजसेवी ने गरीबों के बीच बांटे कंबल

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। महादेव टंगरा मंदिर विकास समिति के तत्वधान में समाजसेवी ओमप्रकाश तिवारी की ओर से क्षेत्र के असहाय और वृद्ध जनों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इसमें गुड्डू, बिजुलिया, अगडू, जामुन टोली, गरियाटोली, तिगरा, टिकराटोली, बाजपुर, हिंसरी, भोंडा व गड़री आदि गांव के तीन सौ लोग लाभान्वित हुये। कंबल पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने श्री तिवारी के प्रति आभार भी जताया। समारोह में ओमप्रकाश ने कहा कि आने वाले समय में भी बाबा महादेव व बुजुर्गो के आशीर्वाद पाने के उद्देश्य से कंबल बांटे जायेंगे।

तीन सौ लोग हुये लाभान्वित | **असहाय जनों के खिले चेहरे**

कार्यक्रम में लिया हिस्सा

समिति के संरक्षक रामनंदन महतो, कामेश्वर महतो, रमेशचंद्र महतो, अध्यक्ष कुशवाहा शिवचरण मेहता, सचिव संतोष महतो समेत विकास कुमार, पंचम महतो, सुरेंद्र महतो, सूरज साहु, मुखिया अनिल तिर्की, अनिमा तिग्गा, रौनक चौधरी, विक्की गोप, राजीव चौरसिया, शिव प्रजापति, प्रेम कुमार व रिकेश कुमार आदि।

पीएलएफआई एरिया कमांडर के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र में विभिन्न कांड में लिप्त अथवा कांड करने का मास्टरमांइड कृष्णा यादव उर्फ सुल्तान जी उम्र करीब 29 वर्ष के घर में गुरुवार के दिन खलारी थाना प्रभारी व इंस्पेक्टर विजय सिंह, एएसआई सहदेव महतो सीआरपीसी की धारा 82 के तहत माननीय न्यायालय के द्वारा निर्गत इस्तेहार को कृष्णा यादव के घर डुगडुगी ढोलक बजाकर स्थानीय ग्रामीणों के उपस्थिति में विधिवत इस्तेहार चिपकाया गया। कृष्णा यादव पर खलारी थाना कांड संख्या धारा 447/994/435/427/386/387/286/504(6) इस अदालत व रूबरू मेरे। 506/1208-18-6 एवं भा0द0वि0 एंव 27 आर्म्स एक्ट एंव 17 सीएलए एक्ट के प्राथिमिकी दर्ज है।

दो बाइक की टक्कर में एक नाबालिक की मौत, तीन घायल

तमाड़। थाना क्षेत्र अंतर्गत सलगाडीह के समीप गुरुवार कि देर शाम दो मोटरसाइकिल की आमने सामने टक्कर हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन नाबालिक दोस्त तेज गति से बुंडू से परासी जा रहे थे। इनमे अभिषेक महतो (16), मनोज महतो (16) व रोहित सिंह मुंडा (15) शामिल है। इसी बिच विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल पर सवार लखन सिंह मुंडा (30) वर्ष के साथ जबरजस्त टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी जोरदार थी की अभिषेक महतो की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। टक्कर से दोनो मोटरसाइकिल में सवार अन्य लोग घायल हो गये। घायल सभी को एंबुलेंस से तमाड़ सीएचसी लाया गया। वही मृतक के शव को पुलिस थाना लें आयी। शव को शुक्रवार को रिम्स में पोस्टमार्टम कर परिजनो को सौंपा जायेगा। टक्कर हुयी दोनो मोटरसाइकिल को पुलिस ने जब्त कर लिया।

पीएलएफआई के नाम रंगदारी मांगने वाले दो अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। विधानसभा चुनाव के दौरान पीएलएफआई के नाम पर बेड़ो में पोस्टर लगाकर चुनाव वहिष्कार की धमकी देने और बेड़ो के करीब 10 व्यवसायों से रंगदारी मांगने वाले दो अपराधियों को बेड़ो पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। इस संदर्भ में थाना प्रभारी नकुल साह ने जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा चुनाव के पूर्व पीएलएफआई के नाम पर बेड़ो में पोस्टरबाजी कर चुनाव वहिष्कार की धमकी देने और बेड़ो के करीब 10 विभिन्न व्यवसायों से पीएलएफआई के नाम रंगदारी मांगने के मामले को लेकर बेड़ो थाना में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पीएलएफआई के अपराधियों के धर पकड़ को लेकर थाना प्रभारी नकुल साह के नेतृत्व में लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी मामले के उद्भेदन को लेकर बेड़ो थाना प्रभारी नकुल साह ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई

करते पुलिस पदाधिकारियों व सशस्त्र बलों के साथ अपराधियों की धरपकड़ के लिए छापामारी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने बेड़ो थाना क्षेत्र के हुंटार गांव निवासी सुमित उरांव उर्फ बारला उरांव व पलामू जिला के चैनपुर थाना के साहपुर गांव निवासी पंकज कुमार को धर दबोचा। वहीं पूछताछ के दौरान पकड़े गए दोनों अपराधियों ने पुलिस के समक्ष बेड़ो में पोस्टर बाजीकर चुनाव वहिष्कार की धमकी देने और बेड़ो क्षेत्र के करीब 10 व्यवसायियों से रंगदारी मांगने के मामले में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर लिया है। साथ ही पुलिस को इस संदर्भ में की अहम जानकारी भी दिया है। इधर बेड़ो पुलिस ने दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि इस कांड में संलिप्त शेष अपराधियों की धर पकड़ को लेकर पुलिस द्वारा लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। वहीं इस छापामारी अभियान में थाना प्रभारी नकुल साह, एसआई नंदू पैरा व एएसआई निरंजन तिवारी समेत सशस्त्र बल मौजूद थे।

नाबालिग को भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

चान्हो। पुलिस ने नाबालिग लड़की भागने के आरोपी विक्रम महली को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत मे भेज दिया। नाबालिग के परिजनों ने विक्रम के ऊपर थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की को भगाने के आरोप लगाया था। जिसके बाद चान्हो थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार का लिया गया, वहीं नाबालिग युवती को भी बरामद कर लिया गया है। वह साहेबगंज का रहने वाला है। अभियुक्त को कांड संख्या 55/24 भादवि की धारा दर्ज करते हुए साहिबगंज जिला के ग्राम बड़ामदन शाही थाना जिरुआ बड़ी से अभियुक्त विक्रम महली उम्र 23 वर्ष को को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बेड़ो में डाक पार्सल ट्रक और ट्रैक्टर में भिड़ंत, कोई हताहत नहीं

बेड़ो। बेड़ो थाना गेट के समीप रांची गुमला मुख्य मार्ग पर गुरुवार की अहले सुबह सोनालिका ट्रैक्टर और 409 डाक पार्सल ट्रक की जोरदार टक्कर में ट्रैक्टर का दाहिना हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिससे अहले सुबह सड़क सड़क पर हुई दुर्घटना को लेकर सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतारे लग गई। जिसके बाद सड़क में खड़े क्षतिग्रस्त सोनालिका ट्रैक्टर को बेड़ो थाना प्रभारी नकुल साह ने हाइड्रा बुलाकर सड़क से क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर को साइड कराया। इसके बाद सड़क पर आवागमन सुचारू रूप से चालू हो गया।

आनंदी में पीसीसी पथ का शिलान्यास

ओरमांझी। बारीडीह शिव मंदिर जाने वाले मार्ग का शिलान्यास गुरूवार को किया गया। बताया गया कि गांव वालों को पूजा व अन्य धार्मिक आयोजनों में मंदिर जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। काफी दिनों से उक्त मार्ग को बनाने की मांग स्थनीय लोगों द्वारा की जा रही थी। शिलान्यस उपमुखिया बनवारीलाल साहू व मुखिया प्रतिनिधि चांदबाबू मुंडा ने किया। और इसकी जानाकारी देते हुए बताया कि फाइवर ब्लाक से पथ निर्माण मुखिया फंड से किया जा रहा है।

छात्र-छात्राओं के बीच साईकिल का वितरण

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय परिसर में गुरूवार को जिला कल्याण विभाग द्वारा 13 स्कुलों के 400 छात्रों-छात्राओं के बीच साईकिल का वितरण किया गया। वितरण कल्याण पदाधिकारी करमु कांडिल के देखरेख में प्रमुख विनीता कच्छप, प्रखंड विकास पदाधिकरी राहुल उरांव अंचलाधिकारी प्रताप मिंज कांग्रेस पार्टी प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव के द्वारा किया गया। मौके पर प्रखंड

प्रमुख विनीता कच्छप ने कहा कि सरकार विकास की गंगा बहा रही है। लगातार क्षेत्रवासियों को सीधे तौर पर लाभ देने का काम किया जा रहा है। साइकिल मिलने से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को अब आने-जाने में सुविधा होगी। बच्चे मन लगाकर पढ़ेंगे, यही सरकार की सोच है। इससे बच्चे उत्साहित होंगे तथा शिक्षण कार्य में सुधार होगा। मौके पर बीपीओ संजय तिर्की, जेई सदाम अन्सारी,देव राम, सुशांत मिश्रा बीआरसी कर्मी, स्कुल के शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सासाराम एक्सप्रेस की चपेट में आने से युवक की मौत

पिस्कानगड़ी। नगड़ी थाना क्षेत्र के एडचोरो रेलवे फाटक के पास सासाराम एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृत युवक की पहचान रातु थाना क्षेत्र के बाजपुर गांव निवासी के रामकिशोर गोप के 20 वर्षीय पुत्र अरुण गोप के रूप में हुई। हादसा गुरुवार को दिन में 11:30 बजे हुई जब सासाराम पैसेंजर ट्रेन सासाराम से रांची आ रही थी। मिली जानकारी के अनुसार है कि जब पैसेंजर ट्रेन आ रही थी युवक रेलवे लाइन पार कर रहा था और ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन की चपेट में आने के बाद उसका शव ट्रेन में फंसकर घसीटता हुआ तीन किलोमीटर दूर पिस्का स्टेशन तक पहुंच गया वहां जीआरपी द्वारा उसके शव को ट्रेन से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया।

दिऊड़ी मंदिर परिसर के दुकानदारों से मिले एसडीएम

खबर मन्त्र संवाददाता

तमाड़। प्रखंड स्थित प्राचीन कालीन दिउड़ी मंदिर परिसर में लगभग आठ करोड़ रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण कार्य होना है। जिसमे मेरेज हॉल, वीआईपी हॉल, गार्डन और मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा। इसी संदर्भ में, तमाड़ प्रखंड मुख्यालय के सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी सह दिउड़ी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष किस्टो कुमार बेसरा ने एक बैठक रखी थी। बैठक में दिउड़ी मंदिर ट्रस्ट के सदस्य,परिसर के दुकानदारों और पुजारियों को शामिल होना था। लेकिन एक भी दुकानदार बैठक में शामिल नहीं हुआ। बैठक के बाद, अनुमंडल पदाधिकारी ने दिउड़ी मंदिर परिसर पहुंचकर सभी दुकानदारों को मंदिर परिसर में होने वाले सौंदर्यीकरण के बारे में समझाया। उन्होंने यह भी कहा कि नए दुकानें बन जाने के बाद, सभी दुकानदारों को दुकान पुनः आवंटन किया जाएगा। मगर अधिकांश दुकानदारों ने चुप्पी साध ली।

हादसे में युवक जख्मी

रातू। थाना क्षेत्र के मखमंदरो चौक के समीप गुरुवार की दोपहर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से चान्हो के बीजूपाड़ा निवासी शहुल लोहरा का 32 वर्षीय पुत्र जितेंद्र लोहारा घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से पीसीआर टीम ने उसे सीएचसी पहुंचाया। उसका इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि वह खतरे से बाहर है।

सरकार घाटो का निलामी कर बालू उपलब्ध कराये

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। सरकार जरूरतमंद लोगों के लिए बालू की उपलब्धता सुनिश्चित करे उक्त मांग अबुआ आवास और निजी मकान बनाने वालों की है। जरूरतमंद लोगों की उक्त मांग तभी पूरा हो सकता है जब सरकार बालू घाटों की निलामी कर बालू का उठाव कराना शुरू कर दे। बालू घाटों की नीलामी हो जाने से जहां जरूरतमंदों को उचित मूल्य पर बालू मिल सकेगा वहीं सरकारी राजस्व में भी इजाफा होगा। बालू घाटों की नीलामी नहीं होने से बालू माफिया रात के अंधेरे में व्यापक पैमाने पर बालू की कालाबाजारी कर रहे हैं और जरूरतमंद लोगों से मनमाने कीमत की वसूली कर रहे हैं। मजबूरन जरूरतमंद लोगों को उच्च कीमत पर बालू की खरीदगी करना पड़ रहा है। इससे आम लोगों का जेब तो कट हीं रहा है। सरकार की भी राजस्व की हानि हो रही है। लेकिन बीचौलिए मालामाल हो रहे हैं। चोरी-छिपे बालू का अवैध रूप से परिवहन करने वालों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताते हैं कि बालू घाट से बालू उठाने से लेकर रास्ता में प्रति हाईवा प्रशासनिक अमला और राजनीतिक दल के लोगो को मोटी रकम की आदायगी करनी पड़ रही है। जिसके चलते बालू का कीमत बढ़ जाता है। इन दिनों जिले के उपायुक्त के दबिस से संबंधित अधिकारी न चाहते हुए भी बालू का अवैध परिवहन करने वाले वाहनों पर शिकंजा कसे हैं। और पूरे एक्शन मूड में है परिणाम स्वरूप पिछले दो तीन दिनों के भीतर 15 से 20 अवैध वालू परिवहन करने वाले वाहनों को पकड़कर कार्रवाई की है। जिससे दो एक दिन तो बालू का अवैध परिवहन बन्द रहेगा इसके बाद पुनः यह धंधा बादस्तूर जारी रहेगा। बालू की कालाबाजारी को रोकने का एकमात्र उपाय है कि बालू घाटों की सरकार निलामी करे।

समाज व धर्म संस्कृति की रक्षा को युवक ने रखा 385 दिन का संकल्प

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के मायापुर के एक 24 वर्षीय युवक अंजन मुंडा द्वारा अपने धर्म, संस्कृति व समाज का रक्षा का सकल्प लिया गया है। इसके लिए वह 385 दिन अखंड व्रत कर रहा है। उसका संकल्प 27 जनवरी 2025 को पूरा होने वालो हैं, और उसके इस संकल्प को पूरा कराने मे माता पिता के साथ समाज के सभी लोग लग गए है। संकल्प लेना वाला युवक सुनेश्वर मुंडा का बेटा व प्रेमचंद महतो इंटर काजेल मेसरा का छात्र है। संकल्प पूरा होने पर युवक के साथ समाज के लोग भी उसके साथ धार्मिक पदयात्रा में शामिल होगें। इसकी तैयारी अभी से ही शुरू कर दी गई है। बताया गया कि आदिवासी समाज द्वारा गुमला के चैनपुर स्थित सिरिस-ता को अपना सबसे महत्वूर्प पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। गांव व सामज के लोग अंजुन मुंडा के साथ सदमा सरना स्थल से 27 जनवरी को पैदल धार्मिक यात्रा पर सिरिस-ता के लिए निकलेगें। वहीं युवक अपने व्रत को पूरा करने के लिए प्रत्येक सप्ताह सरना स्थल में पूजा करने पहुंचता है। उसके साथ गांव वाले भी ढोल बाजा के साथ जाते हैं। युवक को व्रत व पूजा कराने में उसकी मां पुष्पा देवी, पिता, गांव के पहान पुराजरी शशि पाहन, पूर्व मुखिया सह आदिवासी पड़हा संताज के संरक्षक रमेशचंद्र उरांव, ललिता पाहन, सुनीता पाहन, पार्वती पाहन, विजय उरांव, महाबीर उरांव, शुक्रा उरांव, अनिल तिर्की, पम्मी उरांव, प्रेरणा पाहन, भारती मुंडा, गीता उरांव, गुडिया उरांव व पूजा उरांव सहित कई लोग सहयोग कर रहे हैं।

सदमा सरना स्थल पर पूजा करते अंजन मुंडा के साथ ग्रामीण।

व्रत रखने का क्या है उदेश्य

अंजन मुंडा बताता है कि अपने आदिवासी धर्म, संस्कृति व समाज को बचाने व सरना धर्मालंबियों को भटकने व बटने से बचाने की उदेश्य को लेकर वह व्रत रखा है। व्रत पूरा करने के बाद वह अपने धर्म समाज के लोगों में जागृति लाने के साथ अपनी पढाई व अपने जमीन पर खेती कर अपने पुर्वजों की परंपरा को निभाने के साथ अपने परिवारिक दायित्व को भी पूरा करेगा। पूर्व मुखिया रमेशचंद्र उरांव ने इसकी जानाकारी देते हुए कहा आज के समय में युवा अपने धर्म संस्कृति से भटकते जा रहे हैं। वैसे में एक युवा के संकल्प में समाज के सभी लोग उसके साथ हैं।

कैसे व्रत रखना शुरू किया

अंजन मुंडा जब छोटा था, उसके पिता आदिवासी समाज के विन्नि धार्मिक आयोजन में उसे साथ लेकर जाता था। उसी समय से उसे अपने धर्म, समाज व संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प ले लिया था। अंजन मुंडा काफी संमय से संकल्प पूरा करने को सोंच रहा था। फिर उसने 06 जनवारी से व्रत रखना शुरू कर दिया। उसने बाहरी भोजन त्याग कर घर में सादे भोजन करने के साथ जबतक व्रत पूरा नही होता तबतक सिर्फ मिट्टी से स्नान करता है। प्रत्येक दिन घर में पूजा व प्रत्येक सप्ताह सरना स्थल में पूजाकर व्रत की विधि पूर्ण कर रहा है। जैसे-जैसे उसके स्वजन व गांव वालों को उसके व्रत का पता चला धिरे-धिरे सभी उसके सहयोग में साथ आने लगें। बिच में एक बार वह बाहरी भोजन खा लिया था। लेकिन तबियत बिगड़ जाने से उसे लगा सरना माता भी उससे व्रत पूरा कराना चाहती है। जिसके बाद से वह लगातर व्रत का पालन कर रहा है।

झारखण्ड सरकार, उद्योग विभाग

हस्तकरघा, रेशम एवं हस्तशिल्प निदेशालय
उद्योग भवन, रातू रोड, राँची-834001 (झारखण्ड)
(website-:jharsericulture.jharkhand.gov.in / Email ID-:dir-hsh@nic.in)

पत्रांक– 1239 दिनांक– 11.12.2024

सं0सं0–02 / ह0रे0ह0नि0 / लेखा / भवन रख–रखाव(18)–02 / 2024

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

उद्योग भवन की साफ-सफाई एवं रख-रखाव हेतु

उद्योग भवन रातू रोड़, राँची अन्तर्गत तृतीय तल पर अवस्थित हस्तकरघा रेशम एवं हस्तशिल्प, निदेशालय, झारखण्ड, राँची तथा इस भवन के Common Area के रख–रखाव हेतु इच्छुक एजेंसियों से निविदा ई–टेन्डर के माध्यम से आमंत्रित की जाती है:–

01	कार्य का विवरण	वाह्य स्रोत के आधार पर मानव संसाधन (सुपरवाइजर, इलेक्ट्रिसियन, माली, सफाईकर्मी आदि) उपलब्ध कराने हेतु प्रस्ताव (1+1+1) अधिकतम 03 वर्षों के लिए।
02	इच्छा की अभिव्यक्ति जमा करने की प्रक्रिया	ई–टेन्डर में तकनीकी एवं वित्तीय भाग अलग–अलग समर्पित किया जायेगा।
03	EMD	रू0 50,000/– बैंक ड्राफ्ट के रूप में (MSME में निबंधित जो जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक से सत्यापित है, को छोड़कर) जो राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी होना चाहिए तथा Deputy Director of Industries, Directorate of Handloom, Sericulture & Handicraft, Jharkhand, Ranchi के नाम राँची में भुगतेय होना चाहिए।
04	इच्छा की अभिव्यक्ति समर्पित करने की प्रारंभिक तिथि	समाचार पत्र में प्रकाशित होने की तिथि से।
05	अल्पकालीन निविदा समर्पित करने की अंतिम तिथि	दिनांक–26.12.2024 के 03.00 बजे अपराह्न तक।
06	तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोलने की तिथि	दिनांक–27.12.2024 के 03.30 बजे मध्याह्न।
07	निविदा समर्पित करने का स्थान	हस्तकरघा, रेशम एवं हस्तशिल्प निदेशालय, झारखण्ड, उद्योग भवन, तृतीय तल, रातू रोड, राँची
08	सम्पर्क व्यक्ति का नाम एवं पता	श्री मो0 मुमताज आलम, रोकड़पाल, हस्तकरघा, रेशम एवं हस्तशिल्प निदेशालय, झारखण्ड, राँची मो0न0–8709060654

इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित विस्तृत जानकारी निदेशालय के सूचना पट एवं सूचना एवं जनसंम्पर्क निदेशालय, झारखण्ड के http://prdjharkhand.in एवं E-Tenders www.jharkhandtender.gov.in पर देखा जा सकता है।

PR 341840 Directorate of Handloom Sericulture and Handicraft (24-25)_D

ह0/–
उप उद्योग निदेशक,
हस्तकरघा, रेशम एवं हस्तशिल्प, झारखंड, राँची

न्यायालय- जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी, लातेहार

(नीलाम पत्र कार्यालय)

नोटिस

चूँ बजरिये इस नोटिस के माध्यम से आपको आगाह किया जाता है कि आपके द्वारा बकाया वाहन रोड टैक्स की राशि जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार को जमा करने में कोई रूचि नहीं ली जा रही है।

अतएव आपको आदेश दिया जाता है कि बकाया वाहन रोड टैक्स की राशि जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार को यथाशीघ्र जमा करते हुए दिनांक 17.12.2024 (मंगलवार) को अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में साक्ष्य सहित उपस्थित होना सुनिश्चित करें अन्यथा आपके विरूद्ध बिहार–उड़ीसा पब्लिक डिमांड रिकवरी एक्ट 1914 की धारा–38 के तहत गिरफ्तारी एवं धारा–18 के तहत कुर्की जब्ती या दोनों धाराओं के अधीन विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

बकायादारों की सूची (विवरणी सहित) निम्नवत है:–

कम संख्या	वाद संख्या	वर्ष	विभाग का नाम	देनदार का नाम एवं पता	राशि
1.	149	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	मो0 रहमतुला, पिता मो0 शफीक, ग्राम+पो0–शेरेगढ़ा, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	200787.00
2.	153	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	गिरेन्द्र कुमार, पिता राजकुमार यादव, ग्राम–हेरहंज, पो0–बालूमाथ, जिला–लातेहार	338683.00
3.	252	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	अरूण कुमार सिंह, पिता तुलसी प्रसाद सिंह, ग्राम+पो0+थाना–चंदवा, जिला–लातेहार	173835.00
4.	270	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	जितेन्द्र कुमार साव पिता सिवान साव, ग्राम–मुरपा, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	95466.00
5.	275	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	प्रेम साव पिता सिवन साव, ग्राम+पो0–मुरपा, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	74772.00
6.	277	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	राहुल कुमार पिता मोहन प्रसाद, ग्राम+पो0+थाना–मनिका, जिला–लातेहार	66600.00
7.	280	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	कुलदीप राणा, पिता नागेश्वर राणा, ग्राम–शेरेगढ़ा, पो0+थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	57600.00
8.	281	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	बसंत कुमार पिता धनुषधारी प्रसाद, ग्राम–बेलवाडीह, पो0+थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	72000.00
9.	293	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	रामनन्दन कुमार सिंह, पिता धर्मदेव सिंह, ग्राम–मतकोमा, पो0–फुलसू, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	28800.00
10.	295	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	रामनन्दन कुमार सिंह, पिता धर्मदेव सिंह, ग्राम–बारीबाद, मतकोमा पो0–फुलसू, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	36000.00
11.	296	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	मो0 तजीम पिता मो0 रजाक, ग्राम–लाधूप सेन्हा, पो0+थाना–चंदवा, जिला–लातेहार	49600.00
12.	298	2021-22	जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार	रोहित यादव पिता नन्दु यादव, ग्राम–निन्द्रा, थाना–चंदवा, जिला–लातेहार	37761.00

इसे सख्त ताकिद समझा जाय।

PR 341835 District (24-25)_D

जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी,
लातेहार

कार्यालय नगर पंचायत हरिहरगंज(पलामू)

Email id:-np.hariharganj@gmail.com

पत्रांकः– 760, दिनांकः– 12.12.2024

–: आम सूचना :–

हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021–22 से 2023–24 तक का होल्डिंग टैक्स बकायेदारो का भुगतान हेतु अंतिम स्मार पत्र प्रेषित किया गया था, परन्तु अब तक बकाया राशि का भुगतान होल्डिंग टैक्स धारको के द्वारा जमा नही किया गया है जिसकी सूचि की विवरणी निम्नवत है:–

Sl No	Holding No	Owner Name	Gurdian Name	Ward No	Proprerty Address
1	0040000206000X1	KRISHNA PRASAD	MAKHANLAL	4	satgawan main road khushi re
2	0040000073000A1	JIWAN PRASAD JAISWAL	LATE JAGDISH PRASAD JAISWAL	4	satgawan hariharganj
3	0040000216000X4	ramswaroop prasad	LATE CHANDRIKA RAM	4	cinemahall road
4	0040000082000A1	MANOJ KUMAR	LATE RAMLAGAN PRASAD	4	Piparghat, harihargang
5	0040000206000X1	krishna prasad	makhanlal	4	satgawan main road khushi restu
6	0040000073000A1	JIWAN PRASAD JAISWAL	LATE JAGDISH PRASAD JAISWAL	4	satgawan hariharganj
7	0040000216000X4	ramswaroop prasad	LATE CHANDRIKA RAM	4	cinemahall road
8	0040000205000A1	Arun prasad others	I ate jainandan prasad	4	satgawan piparghat road
9	0040000082000A1	MANOJ KUMAR	LATE RAMLAGAN PRASAD	4	Piparghat, harihargang
10	0040000235000A1	santosh prasad jaiswal	Late jagdish prasad jaiswal	4	satgwan hariharganj
11	0050000159000A1	Dharmashila Devi		5	Dakbangala
12	0050000076000A1	udit singh, dharmendra singh		5	satgawan
13	0050000159000A1	Dharmashila Devi	RAJRNDRA PATHAK	5	Dakbangala
14	0050000076000A1	udit singh, dharmendra singh	AVADHESH SINGH	5	satgawan
15	0060000233000X1	Parwati devi		6	Hariharganj main road
16	0060000329000A1	prem kumar singh	late sukhdev kahar	6	satgawan hariharganj
17	0060000233000X1	Parwati devi	HARI PRASAD GUPTA	6	Hariharganj main road
18	0060000036000X1	Arun prasad others	I ate jainandan prasad	6	satgawan old bus stand
19	0060000329000A1	prem kumar singh	late sukhdev kahar	6	satgawan hariharganj
20	0070000108000X1	akhouri maheshwari charan	late A Durga charan	7	satgawan alias hariharganj
21	0070000008000M0	NANDKISHOR PRASAD	LAKSHMI SAV	7	HARIHARGANJ SATAGAWA PA
22	0070000236000X4	rama shankar prasad jayswal	ram kewal prasad	7	baidhbigha more main road
23	0070000236000X4	rama shankar prasad jayswal	ram kewal prasad	7	baidhbigha more main road
24	0070000008000M0	NANDKISHOR PRASAD	LAKSHMI SAV	7	HARIHARGANJ SATAGAWA PALA
25	0080000189000A1	Abdul qayum	LT AHAMAD ALI	8	Hariharganj
26	0080000081000X4	ramadhar prasad jayswal		8	new bus stand
27	0080000210000A1	krishna prasad	makhanlal	8	satgawan jhanda chowk
28	0080000189000A1	Abdul qayum	LT AHAMAD ALI	8	Hariharganj
29	0080000210000A1	krishna prasad	makhanlal	8	satgawan jhanda chowk
30	0090000219000M0	Lilawati Devi	LATE BANKE BIHARI JAYSWALL	9	Araruakhurd
31	0090000384000A1	gunjan raj	LATE ABHAY KUMAR SINGN	9	gurukripa school
32	0090000462000X1	Arun prasad others	I ate jainandan prasad	9	satgawan nrw bus stand
33	0110000307000A1	basmati devi	late uday narayan singh	11	araruakala
34	0110000307000A1	basmati devi	I ate uday narayan singh	11	araruakala
35	0130000149000A4	Abdul Razak	MD NOOR MOHAMMAD	13	Belodar, hariharganj
36	0130000149000A4	Abdul Razak	MD NOOR MOHAMMAD	13	Belodar, hariharganj
37	0140000182000F1	sanjay kumar	gupteshwar saw	14	bhagat tendua
38	0140000367000F1	SURESH KUMAR	GUPTESHWAR SAW	14	bhagat tendua main road
39	0150000107000F1	shree keshwar prasad gupta	lt ram ratan saw	15	araruakhurd
40	0150000107000F1	shree keshwar prasad gupta	lt ram ratan saw	15	araruakhurd

अतः उपरोक्त होल्डिंग बकायादारो को इस आम सूचना के माध्यम से अंतिम मौका देते हुए निदेश दिया जाता है कि आम सूचना प्रकाशन के दो दिनों के अंदर होल्डिंग टैक्स का बकाया राशि का भुगतान ससमय करना सुनिचिक्ति करेंगे अन्यथा झारखण्ड नगरपालिका अधिनियिम 2011 की धारा के सुसंगत धाराओं के तहत संबंधित होल्डिंग टैक्स बकायादारो का बैंक खाता को **FREEZE** कर दिया जायेगा।

PR 341850 District(24-25)D

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत हरिहरगंज।

खबर मन्त्र

रांची. शुक्रवार . 13 दिसंबर 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

एक राष्ट्र एक चुनाव

केबिनेट ने एक राष्ट्र, एक चुनाव बिल को मंजूरी दे दी है। खबर के मुताबिक, इस बिल का मकसद देश में चुनाव प्रक्रिया को आसान और कम खचीर्ला बनाना है। इस फैसले के बाद एक व्यापक बिल लाया जाएगा जिससे पूरे देश में लोकसभा, विधानसभा, शहरी निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने का रास्ता साफ होगा। सितंबर में, केंद्रीय कैबिनेट ने एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसके तहत लोकसभा, विधानसभा, शहरी निकाय और पंचायत चुनावों को 100 दिनों के भीतर कराने का सुझाव दिया गया था।

इस साल जब सितंबर में कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी तब प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा था, कैबिनेट ने समान चुनावों पर बनी उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशें स्वीकार कर ली हैं। यह लोकतंत्र को और अधिक जीवंत और भागीदारीपूर्ण बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बार-बार होने वाले चुनावों से समय और धन की बड़ी बबार्दी होती है। राज्यों में हर साल होने वाले चुनाव से भी समय और धन की बर्बादी होती है। आजादी के बाद लंबे समय तक देश में चुनाव एक साथ ही हुा करते थे। कई बार चुनाव होने से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक, अधिकारियों और कर्मचारियों का समय बर्बाद होता है। सभी विकास कार्य ठप हो जाते हैं और फिर नई घोषणाएं करनी पड़ती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव से चुनावी खर्च में कमी आएगी, सार्वजनिक कल्याण योजनाओं में रुकावट कम होगी और देश में विकास कार्य तेजी से हो सकेंगे। लेकिन विपक्ष इस बिंदु पर सहमत नहीं है। ऐसे में इसे अभी और विमर्श की आवश्यकता है। देश में चुनाव एक साथ कराने में संसाधन और प्रशासनिक जरूरतों पर भी ध्यान देना होगा। यह देश के लिए एक आवश्यकता है।

कार्टून वर्ल्ड

आज का राशिफल

मेष : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यो का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गो का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क : राजकीय कार्यो से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यो में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार हैं। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु : आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर : अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता

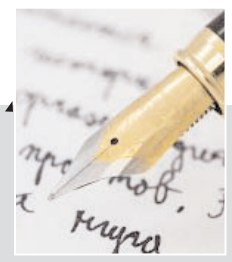

-प्रशांत झा

इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में डिग्री वाले स्नातकों में अक्सर नौकरी-विशिष्ट कौशल की कमी होती है, जिससे उच्च बेरोजगारी दर होती है। प्रणाली अभी भी रटने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, जिससे सीमित आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताएँ होती हैं। आईसीएसई और सीबीएसई में परीक्षाएँ अनुप्रयोग-आधारित सीखने के बजाय सामग्री को याद करने पर केंद्रित होती हैं, जिससे रचनात्मक सोच में बाधा आती है।

कोठारी आयोग ने स्कूली शिक्षा में एकरूपता की नींव रखी और शैक्षिक सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया। इसने 14 वर्ष की आयु तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की सिफारिश की, जिसने भारत की शिक्षा प्रणाली में भविष्य के सुधारों के लिए मंच तैयार किया। इस नीति ने शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्देश्य समानता में सुधार करना और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था। इसने पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम पेश किया और व्यावहारिक कौशल विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया। इस योजना का उद्देश्य पोषण मानकों में सुधार करना और स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना था। एसएसए का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना और लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को खत्म करना था। आरटीई अधिनियम ने 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बना दिया, जिससे सभी बच्चों के लिए शिक्षा सुनिश्चित हुई। एनसीएफ 2005 का उद्देश्य सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर शिक्षा को वास्तविक दुनिया की जरूरतों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाना था। इसने रटने की आदत से हटकर परियोजना-आधारित सीखने और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया।

समग्र शिक्षा अभियान एकीकृत योजना का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार करना था। इसने हाशिए पर पड़े छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और समावेशी शिक्षा के लिए स्कूलों को अनुदान प्रदान किया। एनईपी 2020 ने प्रारंभिक बचपन की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कक्षा 10 के बाद कठोर धाराओं को खत्म करने जैसे परिवर्तनकारी बदलावों का प्रस्ताव रखा। यह समग्र विकास के उद्देश्य से शिक्षा के मार्गों में बहु-विषयक सीखने और लचीलेपन पर जोर देता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली बहुआयामी चुनौतियाँ क्षेत्रों में गुणवत्ता की असमानताएँ हैं। भारत में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जहाँ कई ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी ढाँचे और योग्य शिक्षकों की कमी है। एएसईआर 2018 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 50% बच्चे ही बुनियादी पाठ पढ़ सकते हैं, जो शिक्षा की गुणवत्ता में असमानताओं को उजागर करता है। शिक्षा प्रणाली अक्सर सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे छात्र कार्यबल में आवश्यक व्यावहारिक नौकरी कौशल के लिए तैयार नहीं होते हैं।

इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में डिग्री वाले स्नातकों में अक्सर नौकरी-विशिष्ट कौशल की कमी होती है, जिससे उच्च बेरोजगारी दर होती है। प्रणाली अभी भी रटने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, जिससे सीमित आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताएँ होती हैं। आईसीएसई और सीबीएसई में परीक्षाएँ अनुप्रयोग-आधारित सीखने के बजाय सामग्री को याद करने पर केंद्रित होती हैं, जिससे रचनात्मक सोच में बाधा आती है। शिक्षक प्रशिक्षण की कमियाँः शिक्षकों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जो शिक्षण की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। शिक्षकों की कमी और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को पर्याप्त रूप से सम्बोधित करने में विफल रहने के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की आलोचना की गई है। डिजिटल शिक्षा के विकास के बावजूद तकनीकी बुनियादी ढाँचा अपर्याप्त बना हुआ है, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में। उदाहरण के लिए: डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण स्कूलों में इंटरनेट की पहुँच और डिवाइस की पहुँच अभी भी कम है, जिससे छात्रों का आधुनिक शैक्षिक उपकरणों से संपर्क सीमित हो जाता है।

आमूलचूल परिवर्तन उच्च-दबाव वाली परीक्षाओं से दूर जा सकता है और अधिक निरंतर मूल्यांकन विधियों को अपना सकता है, जिससे छात्रों पर परीक्षा का दबाव कम हो सकता है। सिंगापुर ने छात्रों के प्रदर्शन को मापने, तनाव को कम करने और सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निरंतर मूल्यांकन रणनीतियों को लागू किया है। आमूलचूल परिवर्तन से पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी-संचालित शिक्षा को शामिल किया जा सकता है, जिससे पहुँच और सहभागिता बढ़ सकती है। कौशल-आधारित शिक्षा को शामिल करने जैसे पारंपरिक सुधारों से परे अभिनव समाधान। शुरूआती चरण में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल-आधारित शिक्षा शुरू करने से छात्रों को व्यावहारिक क्षमताओं से लैस किया जाएगा, जिससे वे कार्यबल के लिए तैयार होंगे। दक्षिण कोरिया तकनीकी शिक्षा को मिडिल स्कूल से अपने पाठ्यक्रम में एकीकृत करता है, जिससे एक कुशल कार्यबल तैयार होता है। ऑफलाइन और ऑनलाइन सीखने का संयोजन शैक्षिक विभाजन को पाट सकता है, जिससे जुड़ाव और पहुँच बढ़ सकती है।

स्कूलों में मिश्रित शिक्षा दूरदराज के क्षेत्रों में छात्रों को आमने-सामने बातचीत से लाभान्वित करते हुए डिजिटल सामग्री तक पहुँचने की अनुमति देती है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग स्कूलों के लिए बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षण और संसाधनों को बढ़ा सकता है, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में। ब्रिटिश काउंसिल भारतीय राज्यों के साथ मिलकर शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार और वैश्विक शिक्षण मानकों को पेश करती है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने से बेहतर शिक्षण परिणाम मिलेंगे। उदाहरण के लिए: जापान ने अपने पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को एकीकृत किया है, जिससे छात्रों के कल्याण और प्रदर्शन में सुधार हुआ है। स्थानीयकृत शिक्षा मॉडलः क्षेत्रीय आवश्यकताओं और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप शिक्षा प्रणालियों को तैयार करने से जुड़ाव और प्रासंगिकता में सुधार होगा।

भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करने और परिणामों को बेहतर बनाने के लिए आमूलचूल सुधारों की आवश्यकता है। फिनलैंड के छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण और दक्षिण कोरिया के व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरणा लेते हुए, भारत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के लिए एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के साथ मिलकर समावेशी और टिकाऊ शैक्षिक परिणाम प्राप्त कर सकता है।

(ब्रर्दस एकेडमी रांची)

लेटर टू एडिटर

न्याय की तार्किकता

सत्तारूढ़ बीजेपी सरकारों द्वारा गंभीर अपराधों, अनधिकृत कब्जों के खिलाफ पीला पंजा इस्तेमाल कर मकानों को गिराने की नीति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिशा-निर्देश जारी करने पर चर्चा करने वाला था। अपराध साबित होने से पहले किसी का मकान गिराना उसके पूरे परिवार से अन्याय है, अगर बाद में व्यक्ति बेकसूर साबित हो जाए तो इसकी क्षतिपूर्ति कौन करेगा। कई बार देखा गया है कि बुलडोजर की कार्रवाई समाज के एक वर्ग विशेष के लोगों के खिलाफ ही की जाती है। बुलडोजरी न्याय पर प्रतिबंध, जनहित में न्याय संगत तथा काबिलेतारीफ है।

-अनिल कौशिक, रांची

गरिमापूर्ण जीवन

सुप्रीम कोर्ट का आदेश जेलों में जाति के आधार पर काम के बंटवारे में सुधार लाने के लिए ऐतिहासिक और स्वागतयोग्य है। यह अंग्रेजी शासन की बर्बरता को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

-ईश्वर गर्ग, हजारीबाग

ट्वीट

आपकी अबुआ सरकार आपके सुख-दुख की साथी है, आपके हर कदम पर आपके साथ खड़ी है। झारखण्ड की महान जनता ने जो भरोसा महागठबंधन ऊपर जताया है, वह हमारी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा है। आपकी अबुआ सरकार दिन-रात आपके सपनों को साकार करने और आपके जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित रहेगी।

- कल्पना मुर्मू सोरेन, विधायक

हाथरस जाकर 4 साल पहले हुई शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना के पीड़ित परिवार से मिला। मुलाकात के दौरान उन्होंने जो बातें बताई उसने मुझे झकझोर कर रख दिया।

- राहुल गांधी, सांसद

कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध

-प्रियंका सौरभ

समाज

सोशल मीडिया लोगों के बीच बातचीत के ऐसे माध्यम को संदर्भित करता है, जिसके जरिए वे वर्चुअल समुदायों और नेटवर्क में जानकारी और विचारों का निर्माण, साझा और / या आदान-प्रदान करते हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने ऐसे कानून पेश करने की घोषणा की है, जो 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से रोकेगा। ऑस्ट्रेलियाई मानवाधिकार आयोग का मानना है कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना सही नहीं है। ऐसे प्रतिबंधात्मक विकल्प उपलब्ध हैं, जो बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन नुकसान से बचाने के उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं। सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही बढ़ाने और सभी के लिए ऑनलाइन सुरक्षा में सुधार का तरीका निकाला जा सकता है। सोशल मीडिया बच्चों और युवाओं को साइबरबुलिंग, हानिकारक सामग्री और ऑनलाइन शिकारियों सहित कई संभावित जोखिमों के संपर्क में लाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग स्वस्थ मस्तिष्क विकास, नींद और शैक्षणिक प्रदर्शन में बाधा डाल सकता है। प्रस्तावित कानून एक सुरक्षित विकासात्मक वातावरण का समर्थन करता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं से बड़ी मात्रा में व्यक्तिगत डेटा एकत्र करते हैं और बच्चे पूरी तरह से समझ नहीं पाते हैं कि उनका डेटा कैसे एकत्र किया जाता है, उपयोग किया जाता है या उसका मुद्रीकरण किया जाता है। युवा उपयोगकर्ताओं के लिए पहुँच पर प्रतिबंध लगाने से गोपनीयता के उल्लंघन और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा व्यक्तिगत डेटा के शोषण को कम करने में मदद मिल सकती है। माता-पिता और अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों को बेहतर ढंग से निर्देशित करने और यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि वे पर्यवेक्षित तरीके से तकनीक से जुड़ें। हमें बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन स्पेस को बेहतर तरीके से नेविगेट करने में मदद करने की भी आवश्यकता है, यह सुनिश्चित करके कि राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन सुरक्षा सिखाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। युवाओं को इस बारे में गंभीरता से सोचना सिखाया जाना चाहिए कि वे ऑनलाइन क्या देखते हैं और वे सोशल मीडिया से कैसे जुड़ते हैं। माता-पिता और शिक्षकों को उचित मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने में मदद करने के लिए बेहतर उपकरणों और संसाधनों की भी आवश्यकता है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स व्यक्तियों और संगठनों को पारंपरिक प्रचार या शैक्षणिक तरीकों से बेजोड़ गति से जानकारी साझा करने और आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाती हैं। सोशल मीडिया ने लोगों के बीच जानकारी साझा करने के तरीके को बदल दिया है। नतीजतन, यह निर्णय लेने में नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करके सुशासन को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सोशल मीडिया के फायदों में से एक यह है कि यह सशक्तिकरण के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरा है। सोशल मीडिया ने नागरिकों और उनकी चुनी हुई सरकार और राजनेताओं के बीच की खाई को कम किया है, जिससे लोकतंत्र में अधिक भागीदारी हुई है।

सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग मस्तिष्क के उन हिस्सों को बदल सकता है जो भावनाओं और सीखने से सम्बंधित हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021. सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को शिकायत निवारण और अनुपालन तंत्र स्थापित करने के लिए कहा गया है, जिसमें एक शिकायत अधिकारी, मुख्य अनुपालन अधिकारी और एक नोडल संपर्क व्यक्ति की नियुक्ति शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इन प्लेटफॉर्म को उपयोगकर्ताओं से प्राप्त शिकायतों और की गई कार्यवाही पर मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी कहा है। इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप को संदेश के पहले स्रोत को ट्रैक करने के लिए प्रावधान करना होगा।

धारा 79 में कहा गया है कि किसी भी मध्यस्थ को उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध या होस्ट की गई किसी भी तीसरे पक्ष की जानकारी, डेटा या संचार लिंक के लिए कानूनी रूप से या अन्यथा उत्तरदायी नहीं ठहराया जाएगा। यदि मध्यस्थ, सरकार या उसकी एजेंसियों द्वारा सूचित या अधिसूचित किए जाने के बावजूद, प्रश्नगत सामग्री तक पहुँच को तुरंत अक्षम नहीं करता है, तो सुरक्षा प्रदान नहीं की जाती है। एक व्यापक पारदर्शिता कानून की आवश्यकता है जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा प्रासंगिक खुलासे को अनिवार्य बनाता है।

शोध बढ़ाकर पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में बीमारियों का कारगर उपचार ढूंढा जाये

डॉ. आर.के. सिन्हा

स्वास्थ्य

सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों याचिका दाखिल कर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को भी शामिल करने की मांग की गई है। यह बिल्कुल ठीक है कि ऐसा करने से देश की बड़ी आबादी को सस्ती और असरदार स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। साथ ही, पारंपरिक चिकित्सा को भी पर्याप्त बढ़ावा मिलेगा और वे पहले की भाँति फिर लोकप्रिय हो सकेंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ जैसे आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी इत्यादि गरीब जनता के लिए कई मायनों में वरदान रही हैं और सरकारी संरक्षण प्राप्त होने पर और भी लोकप्रिय साबित हो सकती हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में आमतौर पर आधुनिक चिकित्सा की तुलना में उपचार की लागत काफी ज्यादा कम होती है। यह गरीब लोगों के लिए जो महंगे अस्पताल और दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते, उनके लिए बहुत लाभकारी होती हैं।

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स पिछले दिनों एक निजी यात्रा पर भारत आए हुए थे। उनके साथ उनकी पत्नी क्वीन कैमिला भी थीं। वे बेंगलुरु के पास एक आधुनिक आरोग्यशाला ह्लहोलिस्टिक हेल्थ सेंटर' में ठहरे। तीन दिनों की यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने योग, मेडिटेशन सेशन और योग थेरेपी का भरपूर आनंद उठाया। यानी सामान्य रोगियों से लेकर ब्रिटेन के किंग को भी अब समझ में आ गया है कि सेहतमंद रहने और स्मार्ट दिखने के लिए भारत के आधुनिक डॉक्टरों और परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों से इलाज करवाना कहीं ज्यादा सही रहेगा।

पारंपरिक चिकित्सक अक्सर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी आसानी से उपलब्ध होते हैं, जहाँ आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ कुछ ही ह्लमल्टी स्पेशलिटी ह्लअस्पतालों तक ही सीमित होती हैं। अतः यह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां ग्रामीण गरीबों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं और इनमें गरीब ग्रामीणों का अटूट विश्वास भी है। ज्यादातर पारंपरिक उपचार स्थानीय रूप से उपलब्ध जड़ी-बूटियों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर ही आधारित होते हैं, जिसकी लागत कम होती है। खास बात यह है कि ये पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियाँ अक्सर शरीर और मन दोनों को एक साथ स्वस्थ रखने पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो आधुनिक चिकित्सा की तुलना में अधिक समग्र दृष्टिकोण है। यह जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम में अत्यंत कारगर मदद कर सकती हैं।

सरकार को चाहिये कि आधुनिक प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक शोध के आधार पर इनके कारगर परिणाम के साक्ष्य उपलब्ध करवाए। इससे रोगियों की सुरक्षा और उपचार की गुणवत्ता वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सिद्ध और स्थापित हो सकेगी, नहीं तो पारम्परिक सिद्ध चिकित्सा पद्धतियों पर सवाल उठते ही रहेंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े लोगों और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय को इस तरफ ध्यान देने की जरूरत है। इनमें गहन शोध होना ही चाहिए। यह भी मानना होगा कि पारंपरिक चिकित्सा व्यवसाय का नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण अक्सर अपर्याप्त होता है। सरकार को इस तरफ भी देखना होगा।

इनके कुछ चिकित्सक ऐसे दावा करते हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता है, जिससे रोगियों को भ्रमित किया जा सकता है और उनका स्वास्थ्य जोखिम में पड़ सकता है। अतः आयुष मंत्रालय को वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर इन दावों की प्रमाणिकता या तो सिद्ध करनी होगी या फिर खारिज करना होगा। खैर, ये पद्धतियाँ जनता के लिए वरदान तो हो ही सकती हैं, खासकर जब वे आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत हों और उचित नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण के साथ संचालित हों। हालांकि, इन पद्धतियों की सीमाओं और चुनौतियों को भी स्वीकार करना और उनका समाधान करना महत्वपूर्ण है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह उपचार पद्धति भी वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक है।

भारत में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ हजारों वर्षों से चली आ रही हैं। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा, होमियोपैथी और अनेक अन्य प्रणालियाँ सदियों से भारतीय समाज के स्वास्थ्य और कल्याण का अभिन्न अंग रही हैं। आज, जब आधुनिक चिकित्सा पद्धति तेजी से आगे बढ़ रही है, तब भी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि यह और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। विश्व भर से प्रतिवर्ष हजारों अत्यंत पढ़े- लिखे और समृद्ध लोग आखिर भारत आकर इन चिकित्सा पद्धतियों पर लाखों खर्च क्यों करते हैं। वे सभी पागल तो हैं नहीं। उन्हें निश्चित रूप से लाभ मिल रहा है तभी तो वे यहाँ आकर महीनों रहकर , लाखों खर्चकर स्वस्थ होकर वापस जा रहे हैं।

स्वास्थ्य सेवा का वितरण असमान है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँच सीमित होने के कारण, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये पद्धतियाँ स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करती हैं और अक्सर कम खचीर्ली होती हैं, जिससे वे आम लोगों के लिए अधिक सुलभ होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अक्सर इन पद्धतियों पर ही निर्भर रहते हैं क्योंकि ये उनके सांस्कृतिक परिवेश और आर्थिक स्थिति के अनुकूल हैं।पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ केवल बीमारियों के इलाज पर ही केंद्रित नहीं हैं बल्कि रोगों की रोकथाम पर भी जोर देती हैं। आयुर्वेद और योग जैसे पद्धतियाँ जीवनशैली में बदलाव, आहार और व्यायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं, जिससे कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। ये पद्धतियाँ शरीर और मन के बीच संबंध को समझती हैं।

स्पीड न्यूज

श्री अग्रसेन स्कूल में कॉउंसलिंग

भुरकुंडा (रामगढ़)। विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षाओं की तारीख घोषित हो चुकी है। विद्यार्थी अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। शिक्षक भी विद्यार्थी को सही मार्गदर्शन देने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। सबका एक ही लक्ष्य है अच्छे अंको से परीक्षा में सफलता। लेकिन इन सारे प्रयासों के बाद भी कई विद्यार्थियों में एग्जाम फोबिया का भय देखने को मिलता है। ऐसे में उनके लिए लगातार कॉउंसलिंग की जरूरत पड़ती है। विद्यार्थियों को एग्जाम फोबिया के भय से बाहर निकालने के लिए गुरुवार को श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में विशेष कॉउंसलिंग सेशन का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन काउंसेलर मुख्तार सिंह, प्राचार्य विवेक प्रधान ने किया। इस विशेष सत्र में बोर्ड के विद्यार्थी शामिल हुए। विद्यार्थियों को इस फोबिया से बाहर निकलने का तरीका बताया गया। प्रधान ने कहा कि एग्जाम फोबिया एक ऐसा खतरा है, जिसे सकारात्मक रहकर आसानी से पराजित किया जा सकता है। असफलता का डर इस फोबिया का एक मुख्य कारण है। यह केवल आंतरिक ही नहीं, बल्कि बाहरी वातावरण से भी उत्पन्न हो सकता है। परीक्षा को लेकर माता-पिता की अत्यधिक सख्ती भी इसका एक प्रमुख कारण है।

सेल रिफ्रैक्टरी में लगा नेत्र शिविर

रामगढ़। भारत सरकार के प्रतिष्ठान स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की इकाई सेल रिफ्रैक्टरी यूनिट रांची रोड द्वारा डिवाइन ओंकार मिशन के सहयोग से सीएसआर योजना के तहत 10 दिसंबर को ग्राम पोचरा (दिगवार) में नेत्र चिकित्सा शिविर का उद्घाटन इकाई के महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) आर के साहा ने किया। श्री साहा ने सेल के सीएसआर कार्यक्रम के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया । उन्होंने आशा व्यक्त की कि आस पास के ग्रामीणों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में इस निःशुल्क कैम्प का लाभ उठाया जाएगा। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद अर्जुन गोप के साथ प्रवीण कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक (अनुरक्षण), ए के सिन्हा, उप महाप्रबंधक (मा सं), सुनील कुमार, स महाप्रबंधक (मा सं), डॉ दीपांकर, डी एम ओ, डॉ अभिषेक सिंह, व चिकित्सा अधिकारी, कैमूल हक, महादेव यादव, सुरेश यादव, ममता केरकेत्ता, शुभम कुमार आदि उपस्थित थे।

डीसी ने दिव्यांग को किया सम्मानित

रजरप्पा। लारीकलां निवासी दिव्यांग जितेंद्र पटेल को गुरुवार को रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने जितेंद्र पटेल को शॉल ओढ़ाकर, पौधा भेंटकर एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। डीसी चंदन कुमार सहित रविंद्र कुमार गुप्ता, अतहर अली आदि ने जितेंद्र पटेल को उत्साह बढ़ाया। डीसी ने कहा कि दिव्यांग किसी चीज में किसी प्रकार से कमजोर नहीं है, आज जो जितेंद्र पटेल करके दिखला रहे हैं, अच्छे-अच्छे लोग इसे बहुत कमजोर पड़ रहे हैं। झारखंड सरकार भी दिव्यांग खिलाड़ियों को उत्साहित करें और जनरल खिलाड़ी जैसा सामान्य राशि दिया जाए।

जिंदल आशा में खेल शिविर संपन्न

भुरकुंडा (रामगढ़)। जिंदल फाउंडेशन पतरातू के द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए जिंदल आशा के खेल मैदान में 5 दिसंबर से चल रहे शीतकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का बुधवार को समापन हो गया। इस दौरान बच्चों को विभिन्न खेलों जैसे फुटबॉल, बैडमिंटन, पावरलिफ्टिंग, बॉक्सिंग और एथलेटिक्स आदि खेलों का आयोजन किया गया। ओलंपिक भारत के झारखंड अध्यक्ष सतवीर सिंह और उनके टीम के विकास तोम्बे, नरेंद्र हांसदा, सुष्मिता सोरेन एवं रितेश के देखरेख में कैंप संचालित किया गया। जिंदल फाउंडेशन की अध्यक्षा शालू जिंदल के नेतृत्व में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, टीम वर्क, शिक्षा, चिकित्सा आदि सेवा प्रदान किया जा रहा है। साथ ही जिंदल आशा केंद्र के माध्यम से मुख्य धारा में शामिल करने का निरंतर प्रयास जारी है। कैंप के समापन में पंजाब रेजीमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष मिश्रा बीनू, प्लांट प्रमुख सत्येंद्र सिंह, गुरदीप कौर, सतीश कुमार सिंह, शरण, रूपेश कुमार, परमेश्वर राय, सीएसआर प्रमुख रवि निवास के द्वारा सभी प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्लांट प्रमुख सत्येंद्र सिंह ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए जिंदल हर संभव मदद कर उन्हें मुख्य धारा में लाने का प्रयास करती रहेगी।

पीवीयूएनएल में स्टीम ब्लोइंग पूरी

भुरकुंडा (रामगढ़)। पतरातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड में प्रथम इकाई की स्टीम ब्लोइंग प्रक्रिया दो चरणों में पूरी कर ली गई। प्रथम चरण 18-23 नवम्बर और द्वितीय चरण 01-11 दिसम्बर तक स्टीम ब्लोइंग के कार्य को संपन्न किया गया। स्टीम ब्लोइंग अति महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो पूरे कार्यकाल में एक ही बार की जाती है। यह प्रकिया निर्माण कार्य के दौरान पाइप्स और ट्यूब्स में लगी धूल, जंग और वेल्डिंग के दौरान बचे हुए अवशेष निकलने के लिए की जाती है। स्टीम ब्लोइंग की प्रकिया सफलता पूर्वक किये जाने के बाद पीवीयूएनएल 800 मेगावॉट की प्रथम इकाई को जनवरी 2025 माह में विद्युत ग्रीड से जोड़ दिया जाएगा।

रामगढ़ में पांडे गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार

भारतमाला प्रोजेक्ट के अलावा अन्य कंपनियों से मांग रहे थे रंगदारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। जिले में पांडे गिरोह लगातार ठेकेदारों से रंगदारी मांग रहा था। एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि भारतमाला प्रोजेक्ट के अलावा अन्य निर्माण कार्य में लगी कंपनियों के प्रतिनिधियों को रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। पुलिस की सक्रियता से पांडे गिरोह के चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। गुरुवार को एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में रामगढ़ शहर के दुसाध मोहल्ला निवासी विक्की कुमार पासवान, प्रीतम कुमार, अनिकेत उर्फ बिल्ला और झंडा चौक निवासी बैजू शाह उर्फ बैजू कुमार साहू शामिल हैं। उनके पास से पुलिस ने दो मोबाइल फोन जब्त किया है। साथ ही कांड को अंजाम देने के लिए प्रयुक्त की गई बुलेट मोटरसाइकिल (जेएच 24 जे 7488)और स्कूटी (जेएच 02 एआर 8776) जब्त किया गया है।

एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि रामगढ़ जिले के विभिन्न इलाकों में पांडे गिरोह के मुख्य सरगना विकास तिवारी के इशारे पर अपराधी सक्रिय थे। विक्की, प्रीतम, अनिकेत और बैजू रजरप्पा थाना क्षेत्र और पतरातू प्रखंड क्षेत्र में कंस्ट्रक्शन के काम में लगी कंपनियों के प्रतिनिधियों को फोन कर रहे थे। रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय ने गुप्त सूचना के आधार पर इन चारों अपराधियों को दुलमी प्रखंड क्षेत्र से गिरफ्तार किया। यह चारों अपराधी दुलमी प्रखंड क्षेत्र में अपराध को अंजाम देने के लिए एक साथ जुटे हुए थे। रजरप्पा थाना प्रभारी ने छापेमारी की और तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। इनमें विक्की, प्रीतम और अनिकेत शामिल थे। इसके बाद 3 वर्षों से फरार बैजू साहू को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। कोलकाता से बनारस तक बन रही भारत माला प्रोजेक्ट में छत्तीसगढ़ की कंपनी कम कर रही है। इस कंपनी के प्रतिनिधि से रंगदारी पांडे गिरोह के द्वारा मांगी जा रही थी। नवंबर में माह में भी इस कंपनी को फोन किया गया था। कंपनी के प्रतिनिधियों ने रजरप्पा थाना क्षेत्र में कांड संख्या 178/24 दर्ज कराया था। दोबारा जब 10 दिसंबर को कंपनी के प्रतिनिधियों को रंगदारी के लिए फोन किया गया तो उस मामले में भी कांड संख्या 195 / 24 दर्ज हुआ था। इससे पहले भी बरकाकाना ओपी क्षेत्र में 179/ 24 और रजरप्पा थाना क्षेत्र में 89 / 21 कांड संख्या दर्ज है। छापामारी में एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, पुनि सह रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय, पुअनि अशोक कुमार रजरप्पा, पुअनि रंजीत महतो, पुअनि ओमकार पाल , रामगढ़ तकनिकी शाखा एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

चरही में अवैध शराब तस्करी का भंडाफोड़

चरही। चरही पुलिस ने वाहन चकिंग के दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि एक हुंडई कंपनी की आइटेन कार नंबर जेएच 10 टी/ 9253 रांची की ओर से भारी मात्रा में अवैध शराब को लादकर तस्करी के लिए बिहार की ओरजा रहा था। पुलिस ने कार रोकने का प्रयास किया। लेकिन चालक वाहन को भगाने लगा। चालक ने चरही एनएच 33 के कटिंग सड़क यूटर्न लेकर पुनः रांची कि ओर भागने का प्रयास किया। लेकिन पकड़ने को लेकर पुलिस पीछे पड़ी थी। वाहन चालक ने पुलिस पीछे पड़ते देख चरही टाटा मोटर्स सर्विसिंग सेंटर के अवैध शराब लदी कार छोड़कर जंगल और अंधेरे का लाभ उठाते हुए भाग निकला। कार को निरीक्षण करने पर कार पर भारी मात्रा में विदेशी शराब लदा पाया। विष्णुगढ़ एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद ने बताया कि बुधवार रात करीब 8.30 पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक कार में राँची से हजारीबाग की ओर अवैध शराब लाई जा रही है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने हाईवे पर नाकाबंदी कर दी। पुलिस ने एक कार को रोका तो कार चालक गाड़ी छोड़कर अंधेरे का लाभ उठाकर जंगल कि भाग निकला। कार के अंदर से इम्पीरियल गोल्ड डार्क रम के 132 बोतल तथा इम्पीरियल गोल्ड विस्की के168 बोतल बरामद किया गया।

एक नजर में

भागवत कथा में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा सयाल मोड़ स्थित माता शीतला मंदिर प्रांगण में बुधवार से चल रहे सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन गुरूवार को आरती के साथ कथा वाचन की शुरूआत हुई। जिसमें कथा वाचक पुरोहित पंडित रामकुमार पाठक ने राजा परीक्षित के जन्म की कथा, नारद मुनि के पूर्व जन्म की कथा सुनाई। साथ ही सुखदेव जी की जन्म की कथा का सार बताया। जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति विभोर के साथ कथा का श्रवण किया। कथा के अंत में महाआरती का आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। प्रसाद वितरण के साथ दूसरे दिन की कथा का समापन हुआ। बताया गया कि प्रतिदिन 3 बजे से शाम 5 बजे तक आगामी 17 दिसंबर तक श्री भागवत कथा का प्रवचन किया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में जितेन्द्र पांडेय, कंचन सिन्हा, शोभा, भोला सिंह, रिंकी सिंह, अजय यादव, भीम सिंह, किरण देवी, मंजु देवी, मीना मुंडा, जया पांडेय, राजन नायक, पिंटु लाल, शंकर सिंह, भोला सिंह, किशोर यादव, अशोक सिंह, मुन्ना यादव, बबीता देवी, सरोज राणा, रामाकांत दुबे, भीम सिंह, उत्तम कुमार, रवि गोस्वामी, अमित पाठक सहित दर्जनो श्रद्धालु जुटे हैं।

जाम से निजात के लिए बने फ्लाईओवर

हजारीबाग। शहर की यातायात समस्या दिनोंदिन विकराल रूप ले रही है। बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के कारण जाम हर दिन का रोना हो गया है। करीब 145 साल पहले अंग्रेजों द्वारा तैयार किया गया मास्टरप्लान आज भी शहर के बुनियादी ढांचे का आधार है लेकिन समय के साथ हुए परिवर्तनों और बढ़ते दबाव को देखते हुए यह अब अप्रभावी हो चुका है। ऐसे में शहरवासियों और विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रैफिक की समस्या का स्थायी समाधान फ्लाईओवर के निर्माण में ही है. आपको बताते चले कि हजारीबाग की वर्तमान यातायात व्यवस्था पुराने मास्टरप्लान पर आधारित है, जिसे उस समय की जनसंख्या और जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया था। आज जब शहर की आबादी और ट्रैफिक में कई गुना वृद्धि हो चुकी है, तब भी इसी ढांचे पर निर्भरता के कारण जाम की समस्या विकराल हो गई है। शहर के प्रमुख बाजारों और चौराहों जैसे झंडा चौक,बंशीलाल चौक, मालवीय मार्ग कचहरी चौक, आनंदा चौक पर दिनभर जाम की स्थिति रहती है। यह समस्या न केवल व्यापारियों और यात्रियों को प्रभावित कर रही है, बल्कि स्कूल बसों और एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं के लिए भी बड़ा खतरा बन गई है। इसी को लेकर सहर वासियो ने फ्लाईओवर निर्माण करने की मांग की है।

बीजीआर माइनिंग ने किया ग्राम सभा

बड़कागांव। एनटीपीसी बादम कोल खनन परियोजना के एम डी ओ कंपनी बीजीआर माइनिंग लिमिटेड के द्वारा प्रखंड के अंबाजीत गांव स्थित दुर्गा मंडप के समीप ग्राम सभा किया। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने कंपनी के प्रतिनिधियों से कहा के अगर हमारी मांगे पूरी की जाती है तो हमलोग कंपनी का समर्थन करेंगे। हमारी मुख्य मांगे कंपनी में रोजगार में स्थानीय ग्रामीणों और रैयतों को प्राथमिकता दी जाए, बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी और बिजली की सुविधा की गारंटी अगर कंपनी के द्वारा दी जाएगी तो हमलोग कंपनी का समर्थन करेंगे। कंपनी के प्रतिनिधि ने कहा के हमलोग बहुत दिनों से ग्रामीणों के साथ मीटिंग के प्रयास में थे। काफी प्रयास के बाद मीटिंग हो सका है। ग्रामीणों की जो मांग है वो जायज है ।खनन क्षेत्र के प्रभावित हर एक गांव से लोगों का कमिटी बनाया जाएगा और कमिटी के माध्यम से क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों को किया जाएगा।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

बरही। बरही थाना क्षेत्र के देवचन्दा मोड़ पर हुई एक सड़क दुर्घटना में 70 वर्षीय वृद्ध धानो यादव की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार धानो यादव अपनी बेटी के घर अमरुदवा केदारूत जा रहे थे। इस दौरान देवचन्दा मोड़ पर सड़क पार करते समय वह एक वाहन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बरही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना स्थल पर सुरक्षा इंतजामों की कमी को लेकर चिंता व्यक्त की है।

राजकीय मध्य विद्यालय बेडमक्का में बैठक

टाटीझरिया। प्रखंड क्षेत्र के खैरा पंचायत अन्तर्गत राजकीय मध्य विद्यालय बेडमक्का में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से खैरा मुखिया कुमारी माधुरी उपस्थित हुई। पंचायत की मुखिया कुमारी माधुरी ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक संग सहायक शिक्षकों से आग्रह किया कि छात्र छात्राओं को सरकार के निदेर्शानुसार सरकारी नियमों को पालन करते हुए पाठयपुस्तक की शिक्षा दे । क्षेत्र के हरेक विद्यालय में पढ़ लिख रहे छात्र छात्राएं आने वाले कल का भविष्य है। वही उन्होंने निदेर्शानुसार शिक्षक अभिभावक के साथ बैठक में एमडीएम सूची के अनुसार शत प्रतिशत उपस्थिति , नया नामांकन ,पोशाक वितरण , विद्यालय कीट वितरण , कृमि मुक्ति के लिए हर वर्ष दवा का सेवन करना , बाल विवाह कानून निषेध , नवोदय विद्यालय में फार्म भरना ,निपुण भारत कार्यक्रम के तहत कूड़ेदान की उपयोगिता ,खेलकूद समेत अन्य कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा किया गया । इस बैठक में प्रभारी प्रधानाध्यापक सरयू पांडेय ,राधा देवी ,सुरेंद्र रविदास ,मालती देवी ,पिंटू प्रसाद ,रीता देवी , उषा देवी कौशल्या देवी संग कई अभिभावक मौजूद थे।

बिना डॉक्टर के चल रहा ओम नर्सिंग होम क्लीनिक और अल्ट्रासाउंड सेंटर

बरही। बरही धनबाद रोड स्थित ओम नर्सिंग होम क्लीनिक और अल्ट्रासाउंड सेंटर बिना डॉक्टर के संचालित हो रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। इस केंद्र पर इलाज के नाम पर मरीजों को उचित चिकित्सकीय सुविधा नहीं मिल पा रही है। आरोप है कि केंद्र में न तो कोई योग्य डॉक्टर है और न ही किसी प्रकार की सही देखभाल की व्यवस्था। स्थानीय प्रशासन को इस मामले में संज्ञान लेते हुए जल्द कार्रवाई करने की आवश्यकता है, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।संवाददाता द्वारा जब नर्सिंग होम के संचालक से फोन पर बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन नही उठाया।

बड़कागांव में पंचायत समिति के सदस्यों ने सामूहिक रूप से बैठक का किया बहिष्कार

बड़कागांव। प्रखंड मुख्यालय सभागार में गुरुवार को पंचायत समिति सदस्यों ने सामूहिक रूप से बैठक का बहिष्कार किया और अंचल कार्यालय के मुख्य द्वार पर धरना पर बैठ गए। सदस्यों का कहना है कि आज तक जितनी भी बैठकें हुई उसका एक भी पारित किए गए प्रस्तावों पर कार्यवाही नहीं की गई इसलिए हम लोग अपने क्षेत्र में जवाब देने के काबिल नहीं बचे और जब तक कार्यवाही नहीं होगी तब तक बैठकों का बहिष्कार होता रहेगा। बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल से पूछे जाने पर बताया कि प्रधान लिपिक खुर्शीद आलम के छुट्टी पर रहने के कारण पिछले मीटिंग का प्रोसिडिंग नहीं मिल पा रहा है जिससे नाराज होकर जनप्रतिनिधि बैठक का बहिष्कार किया जिसको लेकर प्रधान लिपिक खुर्शीद आलम, बीपीओ पंकज कुमार एवं कंप्यूटर ऑपरेटर आशीष कुमार को कारण बताओं नोटिस जारी कर 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा गया है। इसके बाद पंचायत समिति सदस्यों द्वारा दिए जा रहे धरना को समाप्त किया गया। मौके पर प्रमुख फुलवा देवी,उप प्रमुख वचन देव कुमार,मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार,मुखिया कविता देवी,पंसस उपेंद्र कुमार, किशोर कुमार बेदिया, रितेश ठाकुर,रणजीत कुमार चौबे,कृष्णा राम, उर्मिला कुमारी, कोशिला कुमारी, सुनीता देवी,रमणिका कुमारी,सुमन कुमारी, सुनीता देवी,मेधा कुमारी,गणेश साव, गीता देवी,बभणी देवी, प्रभु राम आदि मौजूद थे।

मांडू में एक्सीडेंटल हार : बंधु

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। झामुमो और कांग्रेस को पूरे झारखंड में कामयाबी मिली लेकिन उत्तरी छोटानागपुर खासकर हजारीबाग विधान सभा की चार सीटों पर उसे हार का मुंह देखना पड़ा। इसी को लेकर कांग्रेस पार्टी ने हजारीबाग विधान सभा सीटों को लेकर समीक्षा बैठक की और हार की वजहों को जानने का प्रयास किया। समीक्षा बैठक दो दिनों तक चली। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बंधू तिर्की ने कहा कि आलाकमान के आदेश पर हार की समीक्षा की गयी। सदर विधान सभा, बरही, बरकट्ठा और मांडू में हमलोग क्यों हारे इसपर मंथन किया गया. कई बातें सामने आयी जिसका खुलासा बाद में किया जायेगा। मांडू में जो हार हुयी वो हार नहीं है। वह विपक्षियों की एक्सीडेंटल जीत है। हमलोग समीक्षा कर सारी बातें ऊपर तक पहुचायेंगे। हालांकि बंधू तिर्की ने ये नहीं बताया कि समीक्षा में क्या बातें निकलकर सामने आयी। लेकिन एक बात जरूर कहा की आने वाले समय में खुलासा किया जायेगा की हार की वजहें क्या रही. मौके पर उनके साथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष सह कई कांग्रेस के नेता कार्यकर्ता मौजूद थे।

उज्जवला फाउंडेशन के उद्देश्य है महिलाओं का उत्थानः प्रजापति

कुजू। जब से उज्जवला फाउंडेशन का गठन हुआ है तब से क्षेत्र की महिलाओं को सशक्त बनाने पर पहल किया जा रहा है। उक्त बातें फाउंडेशन अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने कही। श्री प्रजापति गुरूवार को उज्जवला फाउंडेशन के द्वारा बोंगावार में उज्जवला फाउंडेशन कार्यालय में आयोजित बैठक में महिलाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन के एक ही उद्देश्य है, महिलाओं का उत्थान। और इसी के तहत अब फाउंडेशन जल्द ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पहल किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 2025 के शुरूआत से फाउंडेशन में 18 से 35 वर्ष के महिला सदस्यों को रोजगार दिया जायेगा। जबकि उससे आगे उम्र की महिलाओं को जोड़कर लाभ दिया जायेगा। इधर उन्होंने बैठक में समय पर नहीं आने वाले सदस्यों से दंड शुल्क लेने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता फाउंडेशन अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति व संचालन वीणा कुमारी ने किया। बैठक में

बरही के केदारुत पंचायत में महुआ शराब का कारोबार चरम पर

बरही। हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड के केदारुत पंचायत में अवैध महुआ शराब का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। पंचायत के अलग-अलग हिस्सों में वन विभाग की जमीन पर दर्जन भर से अधिक अवैध शराब भट्ठियां संचालित हो रही हैं। इस गतिविधि से जहां वन संरक्षण पर सवाल खड़े हो रहे हैं, वहीं क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी गंभीर चिंताएं उत्पन्न हो रही हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इन अवैध भट्ठियों में महुआ से शराब तैयार की जाती है और इसे बरही समेत आसपास के इलाकों में बेचा जाता है। शराब का परिवहन प्रतिदिन मोटरसाइकिलों के जरिए बड़े-बड़े डिब्बों में लोड कर किया जाता है। इन डिब्बों को विक्रेताओं तक पहुंचाया जाता है, जो फिर इसे स्थानीय स्तर पर ग्राहकों को बेचते हैं। अवैध शराब भट्ठियों का संचालन वन विभाग की जमीन पर हो रहा है, जिससे न केवल वन संपदा को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि पर्यावरण संतुलन भी खतरे में पड़ गया है। शराब बनाने के लिए महुआ के पेड़ों का अत्यधिक दोहन किया जा रहा है, और भट्ठियों के लिए जलावन के रूप में लकड़ी का उपयोग किया जा रहा है। यह गतिविधियां वन क्षेत्र के लिए विनाशकारी साबित हो रही हैं।

उत्पादन के साथ देश की सुरक्षा जरूरी : राजेंद्र प्रसाद

खबर मन्त्र संवाददाता

- भुरकुंडा माईन ए बलकुदरा में मना 67वां खान सुरक्षा सप्ताह
- बेहतर काम करने वाले माइनिंग कर्मी किये गये सम्मानित

भुरकुंडा (रामगढ़)। सीसीएल बरका-सयाल प्रक्षेत्र की भुरकुंडा परियोजना के आउट सोर्सिंग खदान माईन अ बलकुदरा में गुरुवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच 67वां वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि रोहिणी प्रोजेक्ट पीओ सह कार्यक्रम के कंवेनर राजेन्द्र प्रसाद द्वारा झंडोत्तोलन कर किया गया। इसके बाद अतिथियों, अधिकारियों और सीसीएल कर्मियों ने सुरक्षा की सामुहिक शपथ ली। साथ ही दो मिनट का मौन धारण कर दुर्घटनाओं और कोरोना काल के दिवंगत साथियों को याद करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। खान सुरक्षा सप्ताह समारोह की शुरूआत अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद अधिकारियों ने सुरक्षा मापदंडो का भी निरीक्षण करते हुए कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इसके पूर्व शांति निकेतन विद्यालय उरीमारी की छात्राओं ने अतिथियों का पुष्प वर्षा के साथ जोरदार स्वागत किया। इसके बाद गीत-नृत्य के साथ अतिथियों को मंचासीन कराया। मुख्य अतिथि कंवेनर राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि उत्पादन के साथ सुरक्षा देश और कोयला दोनों के लिए आवाशयक है। पहले सुरक्षा फिर उत्पादन के साथ सभी को चलना चाहिए। उन्होंने उत्पादन मस्ट बट सेफ्टी फस्ट का नारा बुलंद करते हुए कहा कि उत्पादन तो जरूरी है लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी सुरक्षा का ध्यान रखना है। मुख्य अतिथि श्री प्रसाद ने कहा कि इस वर्ष के थीम सुरक्षा से उन्नति के तहत कार्य करें। सुरक्षा को ताक पर रखकर काम न करें। भुरकुडा परियोजना का आने वाले वर्ष उज्जवल है। यहां कई खदानों से कोयला का उत्पादन जल्द शुरू होगा। समारोह में बेहतर कार्य करने वाले माइनिंग कर्मियों को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भुरकुंडा पीओ राकेश कुमार सत्यार्थी व संचालन खान मैनेजर कमर फहीम और बबलू कुमार ने किया। समारोह को पीओ आईएसो सीबी प्रसाद, सीसीएल सेफ्टी बोर्ड सदस्य विकास कुमार, शशि भूषण सिंह आदि ने भी संबोधित किया।

सुरक्षा मापदंडों का पालन करते हुए उत्पादन करें : राकेश सत्यार्थी

भुरकुंडा पीओ राकेश कुमार सत्यार्थी ने कहा कि अंधाधुंध प्रोडक्शन के बजाय आंख खोलकर और सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए कोयला उत्पादन होना चाहिए। बलकुदरा खुली खदान में कोयले का अच्छा प्रोडक्शन हो रहा है, इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं।

उन्होंने कहा कि भुरकुंडा में बीते पांच वर्षों में एक भी खान दुर्घटना नहीं हुई यह प्रशंसनीय है और इसे आगे भी बरकरार रखना है। उन्होंने डंपर चालकों से सीट बेल्ट का उपयोग करने और शराब पीकर वाहन न चलने की भी अपील की।

टीबी उन्मूलन राष्ट्रीय स्वास्थ्य के लिए जरूरी

जगत प्रकाश नड्डा

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश से टीबी को खत्म करने का स्पष्ट आह्वान किया। उनके नेतृत्व में टीबी की देखरेख का एक नया मॉडल अपनाया गया और भारत ने पिछले कुछ वर्षों में टीबी की रोकथाम, निदान और उपचार में महत्वपूर्ण बदलाव लाने के लिए अनेक नये तरीके अपनाने का बीड़ा उठाया। डब्ल्यूएचओ की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2024 के निष्कर्षों ने अब तक अपनाए गए चिकित्सकीय उपचार की प्रभावशीलता को स्वीकार किया। इसने 2015 से 2023 तक भारत में टीबी की घटनाओं में 17.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की - जो वैश्विक स्तर पर देखी गई गिरावट की दर से दोगुनी है। इतना ही नहीं, देश में 25.1 लाख रोगियों का निदान किया गया, जिससे देश में उपचार कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जो 2015 के 59 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 85 प्रतिशत हो गई है।

प्रधानमंत्री की कल?पना से प्रेरित होकर, 7 दिसम?बर को, भारत ने अपनी टीबी उन्मूलन रणनीति में एक और परिवर्तनकारी कदम उठाया। सरकार ने टीबी से लड़ने की अपनी कोशिश में तेजी लाने के लिए पंचकूला से 100- दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया, जिसमें 347 ऐसे जिले शामिल थे जहां टीबी के मामले सबसे अधिक थे। यह पहल कमजोर आबादी तक सक्रिय रूप से पहुंचकर और उन्हें समय पर, जरूरत के मुताबिक और गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान करके हर टीबी रोगी की जल्द पहचान करने के हमारे संकल्प को मजबूत करती है। जनभागीदारी की सच्ची भावना में, हम सभी - निर्वाचित प्रतिनिधि, स्वास्थ्य चिकित्सक, नागरिक समाज, कॉरपोरेट और समुदाय - ने अभियान को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए सहयोग किया है। राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के सक्रिय सहयोग से, यह नया अभियान भारत की टीबी उन्मूलन यात्रा में एक और उपलब्धि साबित होगा।

टीबी उन्मूलन के लिए भारत का सामाजिक दृष्टिकोण

विस्तारित निदान प्रयासों को पूरा करने और टीबी रोगियों के पूर्ण स्वास्थ्य लाभ में सहायता करने के लिए, भारत ने पोषण सहायता योजना झ नि-क्षय पोषण योजना (एनपीवाई) की अवधारणा बनाई और उसे क्रियान्वित किया। अप्रैल 2018 से, हमने एनपीवाई के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 1.16 करोड़ लाभार्थियों को ?3,295 करोड़ वितरित किए हैं। टीबी उन्मूलन के लिए भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करने के लिए, इस योजना के तहत मासिक सहायता को नवम?बर 2024 से मौजूदा ?500 से दोगुना करके ?1,000 प्रति माह कर दिया गया है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू - टीबी मुक्त भारत अभियान ने न केवल पोषण की चुनौती का समाधान करने में मदद की है, बल्कि सामुदायिक एकजुटता को भी बढ़ाया है। इस कार्यक्रम ने एक जन आंदोलन बनाने के लिए विभिन्न सामुदायिक हितधारकों को भी एकजुट किया है ताकि जागरूकता बढ़ाई जा सके और टीबी रोगियों को पोषण, व्यावसायिक और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की जा सके। जन भागीदारी की भावना में सरकार और नागरिकों के बीच सामंजस?य ने देश भर में रोगियों को भोजन के 21 लाख पैकेट प्रदान करने के लिए 1.75 लाख नि-क्षय मित्रों को प्रेरित किया है।

टीबी को खत्म करने के लिए नवाचार को बढ़ावा देना

पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने उपचार की सफलता दर में सुधार के लिए बेडाक्विलाइन और डेलामैनिड जैसी नई दवाएँ पेश की हैं। दवा-प्रतिरोधी वैरिएंट वाले रोगियों के लिए उपचार पूरा करने में चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, हमने बीपीएएलएम-उपचार, जिसमें चार-दवा संयोजन शामिल हैं, को अपनाने की अनुमति दी है जो मौजूदा उपचारों की तुलना में अधिक प्रभावी है। जबकि हमारे पास पारंपरिक 19-20 महीने के उपचार के साथ-साथ 9-11 महीने का छोटा उपचार उपलब्ध है, बीपीएएलएम उपचार के साथ रोगी अब केवल छह महीने में उप्चार पूरा कर लेंगे!

हमने लगातार यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सभी रोगियों का जल्द से जल्द पता लगाने और उनका इलाज करने के लिए जमीनी स्तर पर उन्नत उपकरण उपलब्ध हों। इसे सक्षम करने के लिए, हमने अधिक कुशल और सटीक निदान उपकरण झ मौलीक?यूलर परीक्षण किए। 2014-15 में कुछ सौ मशीनों से, अब हमारे पास सभी जिलों में 8,293 मौलीक्यूलर निदान मशीनें उपलब्ध हैं।

वास्तव में, मेक इन इंडिया पहल से प्रेरणा लेते हुए, स्वदेशी मौलीक?यूलर परीक्षणों का क्षेत्र-परीक्षण किया गया है और उन्हें शुरू किया गया है। हम न केवल जिला और ब्लॉक स्तर पर टीबी का पता लगाने में लगने वाले समय को कम करने में सक्षम हुए हैं, बल्कि परीक्षण और उपचार की लागत में भी भारी कमी ला सके हैं। हमारे स्वदेशी मौलीक?यूलर परीक्षणों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मंजूरी मिल चुकी है और दुनिया भर में उनका उपयोग किया जा रहा है। इन पहलों ने भारत को वैश्विक टीबी प्रतिक्रिया में एक सच्चे नेता के रूप में स्थापित किया है।

हमें इस बात पर भी गर्व होना चाहिए कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) 2018 से लगातार दुनिया भर में टीबी अनुसंधान के शीर्ष सार्वजनिक वित्तपोषकों में से एक रहा है। हम मरीज के नजदीक किए जाने वाले अधिक कुशल चिकित?सा परीक्षणों सहित नए उपकरण तेजी से विकसित करने और उन्हें पेश करने के लिए निवेश करना जारी रखेंगे।

भविष्य के बारे में सोचना

टीबी उन्मूलन की दिशा में भारत की यात्रा विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने और त्वरित तरीके से सिद्ध तकनीकों को उपलब्ध कराने में इसके नेतृत्व का प्रमाण है। अग्रणी अनुसंधान से लेकर उन्नत निदान और उपचार तक, सार्वभौमिक सामाजिक सहायता प्रावधानों की शुरूआत तक, भारत वैश्विक टीबी प्रतिक्रिया में सबसे आगे है। समय की मांग है कि टीबी की पहचान, निदान, उपचार और रोकथाम में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। तीव्र 100-दिवसीय अभियान टीबी को खत्म करने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है। मुझे विश्वास है कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में और सभी हितधारकों की भागीदारी के साथ, हम मानवता के इस महान दुश्मन को हरा देंगे और सभी के लिए एक स्वस्थ भविष्य का निर्माण करेंगे।

(लेखक माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हैं।)

गुड वाइब्स और लाइफ दिव्यता के दौर में आदमी

डॉ मयंक मुरारी

सुख की पहचान उन गुड वाइब्स यानी दिव्यता के आभामंडल में अंतर्निहित होता है, जिसकी अनुभूति में हम खुद से प्यार करना सीख जाते हैं। यह पूर्णतः लॉ ऑफ अट्रैक्शन के सिद्धांत पर काम करता है। इसका तात्पर्य यह है कि हम दुनिया में जिस तरह की एनर्जी को प्रस्तुत करते हैं, वह उसी प्रकार की एनर्जी को अपनी ओर खींचती है। सकारात्मक मानसिकता से जीवन में हम अच्छा मन, सही व्यक्ति और बेहतर माहौल को अट्रैक्ट करेंगे, जो हमारे लक्ष्यों को पाने में हमारी सहायता करेंगे। जीवन में हम बहुत सारी चीजों को इकटठा कर ले तो संतुष्ट नहीं होते हैं। जब हम उन चीजों के प्रति कृतज्ञता की भावना से भरते है तो हमारे अंदर आत्मसंतोष आता है। यह बात हमें बार-बार याद दिलाता है कि सुख किसी भी खुशहाल स्थिति या कम्फर्ट जोन में आने पर नहीं मिलता है। यह बहुत चीजों या बहुत बदलाव से भी नहीं प्राप्त होता है। यह गुड वाइब्स यानी दिव्यता के आभामंडल में निवास करने से प्राप्त होता है।

हम उसी चीज को अट्रैक्ट करते हैं, जिस पर फोकस करते हैं, फिर चाहे वह पॉजिटिव हो या निगेटिव। अगर हम अपनी सीमित करनेवाली मान्यताओं के बारे में सचेत होकर उन्हें बदलना चाहते हैं तो हमें सोचने और चीजों को करने के तरीकों में बदलाव करना होगा। विख्यात लेखक वेक्स किंग ने अपनी किताब-ह्लगुड वाइब्स, गुड लाइफ हाउ सेल्फ-लव इज द की टू अनलॉकिंग योर ग्रेटनेसह्न में इन पॉजिटिव वाइब्स पर लिखा है। वह कहते है कि आत्मिक आरोहण के अभ्यास के माध्यम से विषाक्त ऊर्जा पर काबू पाने और अपनी भलाई को प्राथमिकता देने पर काम किया जा सकता है। इसमें सकारात्मक आदतों के निर्माण के प्रयास करने की बारीकियों एवं अभ्यासों के बारे में बताया गया है। इस जगत में हमारे हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। हम जो भी ऊर्जा बाहर निकालेंगे, वह उसे वापस लौटा देगा। हम बोलने, सोचने, महसूस करने और कार्य करने के तरीके को बदलें और हम अपनी दुनिया बदलना शुरू कर देंगे। जीवन में आपका सबसे लंबा रिश्ता खुद के साथ है। जब आप इस रिश्ते को अच्छी तरह से निभाते हैं, तभी आप दूसरों के साथ अपने रिश्ते को निभा सकते हैं। हम अपने जीवन को केवल कल्पना में ही मौजूद भविष्य के इर्द-गिर्द ही सीमित रखते हैं और जो हमारे सामने घटित हो रहा है, उसे पूरी तरह से नजरअंदाज कर देते हैं।

हम किसी भी चीज को तब तक साकार नहीं कर सकते, जब तक कि अहम उसमें विश्वास नहीं करते। इच्छाओं को पूरा करना ही काफी नहीं है, बल्कि उसे महसूस करना भी जरूरी होता है। इस दौरान केवल लॉ ऑफ अट्रैक्शन के साथ हमें जीवन में लॉ ऑफ वाइब्रेशन्स को समझने की जरूरत है। भावनाओं पर काबू कपाकर ही हम अवचेतन मन में अच्छे विचारों का बीजारोपण कर सकेंगे। बेस्ट सेलर किताब ह्लमैनिफेस्टह्न में रोक्सी नफूसी बताती है कि हरेक व्यक्ति के अंदर पॉजिटिव वाइब्स को अपनी ओर खींचने की शक्ति होती है। इसके लिए अपने पर भरोसा रखना होगा। मैनिफेस्टिंग का पहला सिद्धांत यह है कि हम अपने दिमाग में उस चीज की एक स्पष्ट और ब्योरेबार इमेज बनाएं। यह विजुअलाइजिंग का चरण होता है। हमारा दिमाग मानसिक छवियों के आधार पर ही प्रतिक्रिया करता है। इसके बाद ही पॉजिटिव बिलीफ वास्तव में यथार्थ के धरातल पर प्रकट होता है।

हम जो भी महसूस करते हैं उसे समझना सीखें। इसका उद्देश्य सकारात्मक विचार रखना नहीं है, बल्कि नकारात्मक विचारों को कुछ स्वस्थ विचारों में बदलना है, ताकि आप बेहतर महसूस कर सकें। हमेशा अपने व्यवहार की समीक्षा करें और अपने या दूसरों के प्रति विषाक्त किसी भी चीज को बदलने का प्रयास करें। यह न केवल आपके विकास का तरीका है, बल्कि यह आत्म-प्रेम का कार्य भी है। आप खुद को दिखा रहे हैं कि आप अपनी प्रगति को सीमित करने वाले व्यवहारों से बेहतर के हकदार हैं। इससे पहले कि हम किसी और की ऊर्जा को ठीक करने की कोशिश करें, सुनिश्चित करें कि आप इस प्रक्रिया में खुद को नष्ट न कर रहे हों। सबसे पहले अपनी ऊर्जा की रक्षा करें।

जो हुआ है उसे स्वीकार करें। सांस अंदर लें, सांस बाहर छोड़ें और जाने दें। आप केवल इंसान हैं और आपको गलती की गंभीरता की परवाह किए बिना जीवन जारी रखने की अनुमति है। खुद को कोसने से स्थिति नहीं बदलेगी। आप आगे क्या करने की कोशिश करते हैं, यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। अगर आप परिस्थिति को बदल नहीं सकते तो उसके बारे में अपनी धारणा बदलिए। इसलिए आपकी व्यक्तिगत शक्ति या तो नियंत्रित होनी चाहिए - या नियंत्रण में होनी चाहिए। यह आपका अवचेतन मन है जो आपकी मान्यताओं के लिए जिम्मेदार है। आप जो कुछ भी समझते हैं वह आपके अवचेतन मन में जो कुछ भी सच मान लेते हैं उसका परिणाम है। आपका लक्ष्य नकारात्मक विचारों से छुटकारा पाना नहीं है, बल्कि उनके प्रति अपनी प्रतिक्रिया बदलना है। हमारी मान्यताएं एक लेंस की तरह हैं जिसका उपयोग हम जीवन को देखने के लिए करते हैं, हम वही देखते हैं जिसके बारे में हम स्वयं को आश्वस्त कर लेते हैं कि वह सत्य है।

(चिंतक और लेखक)

नीतिगत संतुलन जरूरी

हाल ही में जारी आधिकारिक अनुमान दर्शाते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जताए गए अनुमान की तुलना में काफी धीमी गति से विकसित हो रही है। देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 5.4 फीसदी की दर से बढ़ी हालांकि रिजर्व बैंक ने अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में समान अवधि में इसके 7 फीसदी की दर से विकसित होने का अनुमान जताया था।

कुछ विश्लेषकों का कहना है कि नीतिगत दरों में कमी करने में मौद्रिक नीति समिति ने जो देरी की है वह भी इसके लिए कुछ हद तक जिम्मेदार है। शीर्ष सरकारी अधिकारियों ने भी हाल के सप्ताहों में नीतिगत ब्याज दरों को कम रखने के पीछे तर्क दिए हैं। इस परिदृश्य में मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत रीपो दर को अपरिवर्तित रखकर गत सप्ताह अच्छा काम किया। इस दौर में अगर अचानक कोई कदम उठाया जाता तो शायद उससे मदद नहीं मिलती। अपस्फीति की प्रक्रिया से निपटना महत्त्वपूर्ण बना हुआ है।

इसके बावजूद रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात यानी सीआरआर में 50 आधार अंकों की कमी की जो दो हिस्सों में प्रभावी होगी और जिसकी बदौलत बैंकिंग तंत्र में 1.16 लाख करोड़ रुपये की नकदी आएगी। हालांकि रिजर्व बैंक ने दरों में कटौती को नकदी के संभावित दबाव के चलते उचित ठहराया है लेकिन केंद्रीय बैंक के पास नकदी के अस्थायी संकट से निपटने के लिए अन्य उपाय मौजूद हैं।

सीआरआर में कटौती मौद्रिक नीति व्यवहार को सामान्य बनाने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। हालांकि मुद्रास्फीति की दर अक्टूबर में ही सहिष्णु दायरे के ऊपरी स्तर के पार चली गई थी लेकिन अब अनुमान जताया जा रहा है कि यह 2025-26 की दूसरी तिमाही में घटकर 4 फीसदी के वांछित लक्ष्य के आसपास आ जाएगी।

ताजा मौद्रिक नीति रिपोर्ट (अक्टूबर में जारी) ने दिखाया कि रिजर्व बैंक का अनुमान है कि 2025-26 की चौथी तिमाही में मुद्रास्फीति की दर 4.1 फीसदी रहेगी। ऐसे में वर्ष 2025-26 में मुद्रास्फीति संबंधी नतीजे 4 फीसदी के लक्ष्य के करीब रह सकते हैं और इससे नीतिगत दरों में कटौती की गुंजाइश बनेगी।

बहरहाल इसकी मात्रा और इसका समय विभिन्न कारकों पर निर्भर करेगा। उदाहरण के लिए यह बात ध्यान देने लायक है कि मुद्रास्फीति संबंधी नतीजों ने बीते कुछ वर्षों में केंद्रीय बैंक को सकारात्मक रूप से चौंकाया है। ऐसे में आदर्श स्थिति में मौद्रिक नीति समिति को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मुद्रास्फीति की दर टिकाऊ आधार पर लक्ष्य के साथ सुसंगत रहे।

इसके अलावा रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों ने दिखाया कि गत वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में तटस्थ दर 1.4 से 1.9 फीसदी थी जबकि 2021-22 की तीसरी तिमाही में यह दर 0.8 से एक फीसदी रही थी।

सुधारों पर बहस

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष में 7.3 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है जबकि वर्ष 2022-23 में इसने 7.2 फीसदी की दर से वृद्धि हासिल की थी। अभी कुछ तिमाही पहले तक अर्थव्यवस्था अधिकांश विश्लेषकों के अनुमान से तेज गति से बढ़ रही थी।

बहरहाल, संभव है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में जो गति नजर आ रही है वह समाज के बड़े तबके को लाभ नहीं पहुंचा रही है। महामारी के बाद आर्थिक सुधार की प्रकृति को लेकर काफी बहस हुई है। एक नजरिया यह है कि इस सुधार ने आबादी के उस तबके की बेहतरी में अधिक योगदान किया है जो पहले से अच्छी स्थिति में है। आंशिक तौर पर ऐसा उसके औपचारिक स्वरूप के कारण हुआ। चाहे जो भी हो अगर महामारी के बाद सुधार की बहस को एक तरफ कर दिया जाए तो भी भारतीय श्रम बाजार का ढांचा और अधिक नीतिगत तवज्जो का अधिकारी है। आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा ग्रामीण इलाकों में रहता है और वहां रोजगार के हालात समग्र मांग पर बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं।

वर्ष 2004-05 से 2008-09 के बीच कमजोर प्रदर्शन के बाद, 2009-10 और 2013-14 के बीच ग्रामीण इलाकों में वास्तविक कृषि एवं गैर कृषि मेहनताने में सालाना क्रमशः 8.6 फीसदी और 6.9 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हुई। अगले पांच वर्ष के दौरान वृद्धि दर में गिरावट आई और यह करीब तीन फीसदी रह गई।

बहरहाल, गत पांच वर्षों में यानी 2019-20 से 2023-24 की अवधि में ग्रामीण क्षेत्र के वास्तविक मेहनताने में वार्षिक वृद्धि दर नकारात्मक रही है। ऐसा कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों में हुआ है।

टेक्निकल टैक्सटाइल: नवाचार और स्थिरता के साथ भारत के भविष्य का निर्माण

गिरिराज सिंह

भारत की वस्त्र विरासत बदलती दुनिया की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदल रही है। तकनीकी वस्त्रों के बारे में हमारी यात्रा सिर्फ. वस्त्र के संदर्भ में नहीं है, अपितु यह सपने बुनने, भविष्य को सुरक्षित करने और 1.4 बिलियन भारतीयों के लिए एक दीर्घकालिक कल तैयार करने के बारे में है। आज, मैं यह साझा करने में गर्व का अनुभव करता हूं कि कैसे भारत का तकनीकी वस्त्र क्षेत्र हमारे पूरे देश के जीवन में क्रांति ला रहा है। पैकटेक, इंडुटेक, मोबिलटेक, क्लॉथटेक, होमटेक, मेडिटेक, एग्रोटेक, बिल्डटेक, प्रोटेक, जियोटेक, स्पोर्टेक और ओकोटेक जैसे 12 विशेष खंडों के साथ यह हर तरह के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। दुनिया के पांचवें सबसे बड़े तकनीकी वस्त्र बाजार के रूप में, जिसका मूल्य 25 बिलियन डॉलर है और 2030 तक इसके 40 बिलियन डॉलर को पार करने का अनुमान है, भारत ने उल्लेखनीय निर्यात वृद्धि देखी है। यह 2014 में शून्य से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 3 बिलियन डॉलर हो चुकी है, जिसका लक्ष्य 2030 तक 10 बिलियन डॉलर है। पैकटेक, इंडुटेक और मोबिलटेक का निर्यात में 70 प्रतिशत की सहभागिता है, जो भारत की विनिर्माण क्षमता को उजागर करता है, जबकि बिल्डटेक क्षेत्र में 229 प्रतिशत की वृद्धि विशेष क्षेत्रों में विशेषज्ञता को दशार्ती है। इसके अलावा भारत ने अनुसंधान और विकास, उद्यमिता और स्थायी कार्य प्रणालियों के माध्यम से घरेलू मांग को प्रोत्साहित करते हुए बिल्डटेक, मेडिटेक, एग्रोटेक और अन्य उभरते क्षेत्रों सहित अन्य तकनीकी वस्त्र क्षेत्रों में निर्यात का विस्तार करने की योजना बनाई है।

अपने देश के आत्मनिर्भरता लक्ष्य का समर्थन करने के लिए, हम नायलॉन, कार्बन फाइबर, हाई-स्पेशलिटी फाइबर और अल्ट्रा-हाई-मॉलिक्यूलर-वेट पॉलीइथिलीन (यूएचएमडब?ल?यूपीई) जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल पर आयात निर्भरता को कम करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जिस तरह भारत अपने रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य कर रहा है, उसी तरह हम तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में भी ऐसा ही करने की आकांक्षा रखते हैं। इसे हासिल करने के लिए, मोदी सरकार ने 1,480 करोड़ रुपए के समर्थन से राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) का शुभारंभ किया। इस पहल ने पहले ही 509 करोड़ रुपए की 168 परियोजनाओं को स्वीकृति दे दी है और 5.79 करोड़ रुपए के साथ 12 स्टार्टअप को वित्त पोषित किया है। हम केवल वैश्विक प्रगति में योगदान नहीं दे रहे हैं, अपितु इसे आकार भी दे रहे हैं। हमारा विजन संख्याओं से परे है, जिसका लक्ष्य एक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है जो अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हुए नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ता है। 2.5 वर्षों के भीतर टी100 कार्बन फाइबर के घरेलू उत्पादन के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारी प्रतीक्षा कर रही है, जो महत्वपूर्ण रक्षा और एयरोस्पेस अनुप्रयोगों में हमारी आयात निर्भरता को काफी हद तक कम कर देगा। जबकि हम आयातित गैर-बुने हुए पदार्थों, कार्बन फाइबर, उच्च-विशिष्ट फाइबर, नायलॉन और यूएचएमडब्ल्यूपीई पर अपनी निर्भरता को कम करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि भारत वित्त वर्ष 2025-26 तक घरेलू कार्बन फाइबर उत्पादन का शुभारंभ कर

देगा, जो आत्मनिर्भरता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा। हमारा कृषि क्षेत्र तकनीकी वस्त्रों की परिवर्तनकारी क्षमता को प्रदर्शित करता है। नवोन्मेषी एग्रोटेक्सटाइल्स पिछले छह वर्षों में 5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ 567 मिलियन डॉलर से अधिक के निर्यात को बढ़ावा दे रहे है। ग्रामीण भारत में एक किसान की कल्पना करें जो छाया के लिए जाल और गीली घास की चटाई का उपयोग कर रहा है और 40 प्रतिशत कम पानी का उपयोग करते हुए फसल की पैदावार में 30-40 प्रतिशत की वृद्धि का साक्षी बन रहा है। एनटीटीएम के अंतर्गत ग्यारह अभूतपूर्व परियोजनाओं के माध्यम से, जिसमें उत्तरी भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (एनआईटीआरए) द्वारा सन हेम्प फसल कवर और दक्षिण भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (एसआईटीआरए) द्वारा हर्बल-लेपित बीज बैग शामिल हैं, हम किसानों की आय में महत?वपूर्ण रूप से 67-75 प्रतिशत की वृद्धि देख रहे हैं। यह सही मायने में सतत विकास है।

हमारे तकनीकी वस्त्रों की यात्रा में राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। हमारे सुरक्षा कर्मियों को अपने साहसपूर्ण कर्तव्य को पूर्ण करने में स्वदेशी ढाल का लाभ मिलता है। एनआईटीआरए के शोध के माध्यम से विकसित उन्नत सुरक्षात्मक वस्त्र 449 डिग्री तक के तापमान को झेल सकता है। यह उपलब्धि केवल तकनीकी उन्नति के बारे में नहीं है, बल्कि यह उन लोगों की सुरक्षा के बारे में है जो हमारी रक्षा करते हैं। भारत का ऑटोमोटिव क्षेत्र फल-फूल रहा है, वित्त वर्ष 2023-24 में वाहनों की बिक्री 40 लाख यूनिट को पार कर गई है, जिससे एयरबैग की मांग बढ़ रही है और ऑटोलिव, जेडएफ और जॉयसन जैसे वैश्विक प्रमुखों को स्थानीय स्तर पर परिचालन का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ऑटोकॉप और मारुति सुजुकी द्वारा समर्थित 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ सीट बेल्ट वेबिंग के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजार के रूप में, भारत सुरक्षा और नवाचार में आगे बढ़ रहा है। पैकेजिंग में, उदार इंटरमीडिएट बल्क कंटेनर (एफआईबीसी) कांच, धातु और कार्डबोर्ड कंटेनर जैसी पारंपरिक सामग्रियों की जगह ले रहे हैं, जो स्थायित्व, बहुआयामी और पुनः प्रयोज्यता प्रदान करते हैं। हल्के और अधिक पर्यावरण के अनुकूल एफआईबीसी बैग कम परिवहन लागत प्रदान करते हैं और संधारणीय कार्य प्रणालियों का समर्थन करते हैं। इसके अलावा, एआई और ब्लॉकचेन वस्त्र उत्पादन को अधिक स्मार्ट और पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक हैं। एआई प्रक्रियाओं को स्वचालित करके, त्रुटियों को कम करके और वास्तविक समय की निगरानी को सक्षम करके दक्षता में सुधार करता है और यह उत्पाद की गुणवत्ता को बढ़ाता है। ब्लॉकचेन आपूर्ति श्रृंखला में प्रत्येक चरण को सुरक्षित रूप से रिकॉर्ड कर-के जवाबदेही भी रखती है, जिससे ग्राहकों और निमार्ताओं को सामग्री के निर्माण, प्रामाणिकता और गुणवत्ता को सत्यापित करने की सुविधा मिलती है और इससे उद्योग में विश्वास और पारदर्शिता का निर्माण होता है।

अमेरिका, जापान, यूके, जर्मनी और इजराइल जैसे वैश्विक प्रमुखों से प्रेरणा लेते हुए, हम अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास एवं उच्च तकनीक समाधानों के माध्यम से तकनीकी वस्त्रों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। प्रोटेक क्षेत्र में इजराइल के नवाचार जैसे किट 300 और उन्नत जाल और थर्मो-रिफ्लेक्टिव स्क्रीन जैसे दीर्घकालिक समाधानों के साथ एग्रोटेक में इटली का नेतृत्व, प्रमुख मॉडल के रूप में कार्य करता है। एक राष्ट्रीय ज्ञान केंद्र की स्थापना और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करके, हम सर्वश्रे?ठ कार्य प्रणालियों को अपना रहे हैं।

वैश्विक तकनीकी वस्त्र बाजार 2030 तक 250 बिलियन डॉलर से बढ़कर 300 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ, हमारा लक्ष्य 15 प्रतिशत बाजार की हिस्सेदारी हासिल करना है, जो इस तेजी से बढ़ते क्षेत्र में नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जैसे-जैसे हम विजन 2047 की ओर बढ़ रहे हैं, तकनीकी वस्त्र भारत की समृद्ध वस्त्र विरासत और इसके तकनीकी भविष्य के बीच की कड़ी के रूप में उभर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम न केवल बदलाव के अनुकूल हो रहे हैं बल्कि इसे आगे भी बढ़ा रहे हैं। हम ऐसे अभिनव फाइबर और दीर्घकालिक समाधान विकसित कर रहे हैं जो भारत के तकनीकी वस्त्रों को गुणवत्ता, नवाचार और स्थिरता का वैश्विक प्रतीक बनाएंगे। वस्त्र क्षेत्र 2030 तक 100 बिलियन डॉलर के निर्यात के साथ 350 बिलियन डॉलर के व्यापक स्तर के बाजार तक पहुंचने के लिए तैयार है।

(लेखक केन्द्रीय मंत्री हैं।)

सरयू राय की याचिका पर जेपीसीबी व पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को एनजीटी का निर्देश

सोनारी के कचरा डंप में आग का मुद्दा गरमाया

- आग तुरंत बुझायें, एटीआर दें व व्यक्तिगत शपथ पत्र दायर करें
- अगली सुनवाई अब 8 जनवरी 2025 को होगी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/जमशेदपुर। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने झारखण्ड प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के सदस्य सचिव और पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को निर्देश दिया है कि सोनारी के कचरा डंप में लगी आग को तुरंत बुझाने, इससे हो रही प्रदूषण को अविलंब नियंत्रित करने तथा इस बारे में एक व्यक्तिगत शपथ पत्र दायर करें और याचिका में लगाये गये आरोपों के संबंध में एटीआर (एक्शन टेकन रिपोर्ट) 8 जनवरी, 2025 के पूर्व दायर करे। यह मामला सुनवाई के लिए एनजीटी की अदालत (कोलकाता बेंच) में 8 जनवरी, 2025 को सूचीबद्ध किया गया है। इस मामले की सुनवाई अमित स्थालकर और डॉ अरूण वर्मा की पीठ में होगी। यह आदेश 11 दिसम्बर, 2024 को जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय की याचिका संख्या-46/2024 पर सुनवाई के दौरान दिया गया। विधायक सरयू राय ने मूल याचिका संख्या-05/२३, जो सोनारी के के.एस. उपाध्याय द्वारा एनजीटी में दायर की गई थी, अंतिम आदेश दिनांक 05.04.2023 को पारित हुआ था। इस आदेश के साथ ही एनजीटी ने इस मूल याचिका का निस्तारण कर दिया था। विधायक सरयू राय ने एनजीटी में दायर याचिका में कहा कि के.एस. उपाध्याय की याचिका को निष्पादित करते हुए जो आदेश एनजीटी ने दिनांक 05.04.23 को पारित किया था, उसका क्रियान्वयन झारखण्ड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद और पूवी सिंहभूम के उपायुक्त ने नहीं किया है।

जैट रजिस्ट्रेशन में बना रिकॉर्ड, कुल 1,42,235 उम्मीदवारों ने किया आवेदन

खबर मन्त्र ब्यूरो

- 20 दिसंबर से डाउनलोड होगा एडमिट कार्ड, पांच को होगी परीक्षा

जमशेदपुर। एक्सएलआरआइ समेत देश के 250 बिजनेस स्कूलों में एडमिशन के लिए होने वाले जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट (जैट) की परीक्षा पांच जनवरी 2025 को होगी। परीक्षा ऑनलाइन मोड में होगी। जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट (जैट) 2025 में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। इस वर्ष कुल 1,42,235 उम्मीदवारों ने जैट की परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन किया है। एक्सएलआरआइ को ओर से बताया गया कि यह ना सिर्फ एक बड़ी उपलब्धि है बल्कि यह भारत के फ्यूचर लीडर में मैनेजमेंट के कोर्स के प्रति बढ़ी लोकप्रियता को भी दर्शाती है।

जैट पिछले कई दशकों से भारत के शीर्ष बिजनेस स्कूलों में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए एक विश्वसनीय प्रवेश द्वार रहा है। इन स्कूलों के पासआउट स्टूडेंट आज वैश्विक स्तर पर कई बड़ी कंपनियों व प्रमुख संगठनों में प्रभावशाली भूमिकाएं निभा रहे हैं। परीक्षा की उत्कृष्टता और प्रतिष्ठा ने विभिन्न शैक्षणिक और पेशेवर पृष्ठभूमियों से आने वाले प्रतिभागियों को आकर्षित किया है।

जैट की विशेषता इसका समावेशी और अनोखा प्रारूप है। पूरे देश में एक ही समय पर आयोजित की जाने वाली यह परीक्षा सभी उम्मीदवारों को समान अवसर प्रदान करती है। जैट के संयोजक प्रोफेसर राहुल शुक्ला ने कहा, जैट हमेशा समावेशिता और विविधता का प्रतीक रहा है, और इस वर्ष के रिकॉर्ड पंजीकरण हमारी इन मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उम्मीदवारों के पॉजिटिव फीडबैक हमारे इस विश्वास को मजबूत करती है कि हम मैनेजमेंट एडुकेशन में ट्रांसफर्मेटिव पावर हैं।

मालूम हो कि जैट में आवेदन की अंतिम तिथि पूर्व में 30 नवंबर तय की गयी थी। जिसे बढ़ा कर 10 दिसंबर तक की गयी। इससे भारत के सबसे प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान में आवेदन करने करने के लिए अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय मिला। जैट 5 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाला है, एडमिट कार्ड 20 दिसंबर को जारी किया जायेगा।

स्पीड न्यूज

हाइवा ने हाइड्रा को मारी टक्कर, एक घंटे जाम

गम्हरिया। टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग पर गम्हरिया उषा मोड़ के समीप बोल्डर लदा हाइवा द्वारा पीछे से हाइड्रा में जोरदार टक्कर मार दी गई। हालांकि इस दुर्घटना में दोनों वाहन चालक बाल बाल बच गये। दुर्घटना होने के कारण आवागमन बाधित हो गया।

भारी वाहनों को किया गया पुनर्निर्देशित

जमशेदपुर। टाटा स्टील ने ट्यूब्स डिवीजन राउंडअबाउट, एचएसएम फ्लाईओवर और बर्मामाइंस राउंडअबाउट के पास भारी वाहनों की पार्किंग के कारण यातायात और भीड़भाड़ संबंधित क्षेत्र में यातायात को सुचारु ढंग से चलाने हेतु भारी वाहनों को पुनर्निर्देशित करने सहित तत्काल उपाय लागू किये गये हैं।

17 को तुपुदांग स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम द्वारा भारत सरकार के उपक्रम यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन यूसील के नरवापहाड़ प्रोजेक्ट के माध्यम से तुपुदांग स्कूल में 17 दिसंबर को आयोजित किया जायेगा। शिविर में सामान्य रोग के साथ विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सक की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

वार्षिक खेल दिवस में ब्लू हाउस बना चैंपियन

जमशेदपुर। आंध्र भक्त श्री राम मंदिरम् मध्य विद्यालय, बिष्टुपुर में गुरुवार को वार्षिक खेल दिवस मनाया गया। इसमें बेस्ट मार्च पास्ट और बेस्ट ड्रिल का अवार्ड ब्लू हाउस ने जीता। ग्रीन हाउस रनर रहा।

जुगसलाई की समस्या पर सिंहभूम चैंबर मुखर

जमशेदपुर। सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने जुगसलाई की समस्याओं को लेकर मुखर होते हुये जिला के उपायुक्त अनन्य मित्तल का ध्यानाकृष्ट कराते हुये, इसके जल्द से जल्द निराकरण का आग्रह किया है। यह जानकारी मानद महासचिव मानव केडिया ने दी। अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने कहा कि जुगसलाई एक बहुआबादी वाला क्षेत्र है तथा जमशेदपुर शहर का एक प्रमुख व्यवसायिक केन्द्र भी है।

टाटा स्टील ने पेश किया अपना नया कॉर्पोरेट पॉडकास्ट फायर्डअप

- फायर्डअप में होंगी उद्योग जगत के अग्रणियों, दूरदर्शी विचारकों और पथप्रदर्शकों की प्रेरक कहानियां और बातचीत शामिल
- जिनके भीतर भविष्य गढ़ने का जुनून और जज्बा है

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा स्टील ने अपना कॉर्पोरेट पॉडकास्ट 'फायर्डअप' लॉन्च किया है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग जगत के अग्रणी, दूरदर्शी विचारक और पथप्रदर्शक शामिल होंगे, जो जनहित में प्रेरणादायक और रोचक संवाद प्रस्तुत करेंगे। टाटा स्टील की इस अनूठी पहल, फायर्डअप की शुरुआत कंपनी के चीफ इन्फोर्मेशन ऑफिसर (सीआईओ) जयंत बनर्जी के साथ हुई, जो पहले अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने 'ट्रांसफॉर्मिंग टुमॉरोः द डिजिटल वे' विषय पर अपने विचार साझा किए। टाटा स्टील के सीआईओ के रूप में, जयंत बनर्जी आईटी, डिजिटल, और इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन के क्षेत्र में इंडस्ट्री 4.0/5.0 ट्रांसफॉर्मेशन का नेतृत्व कर रहे हैं, ताकि व्यवसाय में वास्तविक मूल्य सृजन किया जा सके।

फायर्डअप के पहले संस्करण की मेजबानी गौरव मंडलेचा ने की। बिट्स पिलानी के पूर्व छात्र गौरव, भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के एक उभरते हुए योगदानकर्ता हैं। वे इंजीनियरिंग और अर्थशास्त्र में अपने ज्ञान को उद्यमशीलता की सोच के साथ जोड़ते हैं।

पॉडकास्ट फायर्डअप का नाम स्टील मेकिंग प्रक्रिया से प्रेरित है, और यह उन भविष्य के अतिथियों को दर्शाता है जो ऊर्जा, जुनून और दृढ़ संकल्प से भरपूर हैं, और अपने-अपने क्षेत्रों में नवाचार और नेतृत्व की मिसाल पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।र जबकि फायर्डअप के पहले एपिसोड्स में टाटा स्टील के पारिस्थितिकी तंत्र के अग्रणी लीडर्स के साथ प्रेरक संवाद होंगे, भविष्य में ये सभी क्षेत्रों से जुड़े पेशेवरों और प्रभावशाली व्यक्तित्वों के विचारों और दृष्टिकोणों को भी प्रस्तुत करेगा।

चाणक्य चौधरी, वाइस प्रेसिडेंट, कॉर्पोरेट सर्विसेज, टाटा स्टील ने कहा कि आज पॉडकास्ट केवल गंभीर और दिलचस्प वार्तालापों का एक प्रभावशाली और आकर्षक माध्यम ही नहीं हैं, बल्कि यह उन दर्शकों तक भी पहुंचने की क्षमता रखते हैं जो पारंपरिक मीडिया प्लेटफॉर्म्स का कम उपयोग करते हैं। फायर्डअप का उद्देश्य संवाद-आधारित कंटेंट के माध्यम से स्टील उद्योग के भीतर और बाहर की पहलुओं को उजागर करना है, जिससे यह ऐसा स्रोत बने, जो जानकारी, ज्ञान और प्रेरणा का खजाना हो और व्यापक दर्शकों के लिए लाभकारी साबित हो। हम फायर्डअप पॉडकास्ट श्रृंखला के साथ इस नए सफर की शुरूआत करने के लिए उत्साहित हैं और हमें विश्वास है कि हम शानदार अतिथियों को लाकर हर एपिसोड को हमारे दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव बना पाएंगे। फायर्डअप टाटा स्टील के यूट्यूब चैनल, स्पॉटिफाई, कंपनी की वेबसाइट, और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी उपलब्ध है।

एक नजर में

जमशेदपुर क्षेत्र की 66वीं शाखा का शुभारंभ

जमशेदपुर। जमशेदपुर क्षेत्र की 66वीं बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा केंदुआडीह का उद्घाटन महाप्रबंधक, जेएस महापात्रा, पीबी एरिया, बीसीसीएल के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। बैंक ऑफ बड़ौदा की केंदुआडीह शाखा स्थानीय ग्राहकों को हर प्रकार की सुविधाओं एवं सेवाओं को प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित की गयी है। बैंक ऑफ बड़ौदा की धनबाद जिला की यह 10वीं शाखा है। बैंक द्वारा अरमान आलम अंसारी को शाखा प्रबंधक के रूप में नियुक्त किया गया है। इसमें जमशेदपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख मनीष प्रकाश सिन्हा, रविन्द्र कुमार अन्य कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

10 महीने से मांगों को लेकर धरना पर कान्वाई चालक

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स कान्वाई चालकों का धरना लगातार 10 महीनो से जारी है। दिसंबर कड़ाके की ठंड में भी कान्वाई चालक संगठन के कार्यकर्ता अपने अधिकारों की मांग को लेकर धरने पर बैठे है। कान्वाई चालको का आंदोलन 1 मार्च 2024 से ही चलाया जा रहा है। मजदूर प्रतिनिधि ज्ञान सागर प्रसाद ने बताया की लगातार जारी धरना जमशेदपुर के मजदूर संगठनो, ड्राइवर संगठन को चलाने वाले लोगों के लिए आने वाले वक्त प्रेरणा का विषय बनेगा। मानगो पर जिला प्रशासन, टाटा मोटर्स प्रबंधन व झारखंड सरकार संज्ञान ले। गुरुवार को धरने पर मुख्य रूप से भगवान सिंह, उमेश प्रसाद, जसपाल सिंह, त्रिलोकी चौधरी, जुगल प्रसाद, त्रिलोचन सिंह, श्याम बिहारी सिंह, अंगद ओझा, हरिशंकर प्रसाद संतोष कुमार, वीरेंद्र पाठक, अनुज कुमार, विवेक कुमार, धर्मेंद्र प्रसाद, एन रामचंद्र राव ज्ञान सागर प्रसाद के साथ उपस्थित रहे।

कमलपुर डकैतीकांड का खुलासा, सात धराये

जमशेदपुर। कमलपुर में 8 दिसंबर को हुई डकैतीकांड का खुलासा पुलिस की ओर से कर दिया गया है। एसएसपी किशोर कौशल ने गुरुवार को पुलिस ऑफिस में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि घटना के संबंध में कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त सामान को भी जब्त कर लिया गया है। बरामद समान को तमाड़ के रांगामाटी गांव से बरामद किया गया है। पूरे मामले में कंपनी के कर्मचारियों का भी हाथ रहा ह। गिरफ्तार आरोपियों में सरायकेला-खरसावां जिले के लेंगाडीह का सनातन तांती उर्फ सोनू, रांची तमाड़ के बुरुडीह का संदीप कुमार, तमाड़ चिपी बांधडीह का प्रकाश महतो उर्फ राम प्रवेश, खुंटी जन्मडीह का गांगु मुंडा उर्फ गुंगा मुंडा, तमाड़ बुरुडीह का अशोक महतो, खुंटी अड़की का सुराम मुंडा, तमाड़ खेरूआडीह का उमेश महतो शामिल है। बरामद सामान में नकद 1.20 लाख रुपये, एक पिस्टल, लूट की मोबाइल, एक कार आदि शामिल है। छापेमारी टीम में पटमदा डीएसपी बच्चनदेव कुजूर, कमलपुर थानेदार दीपक ठाकुर, एसआई पुरूषोत्तम कुमार राय, हवलदार बिरेंद्र राम, आरक्षी बिरेंद्र उरांव, शंबू यादव, पार्थ महतो थे।

स्वदेशी जागरण मंच ने किया 72 यूनिट रक्तदान

जमशेदपुर। स्वदेशी जागरण मंच, जमशेदपुर महानगर के द्वारा स्वदेशी वस्तुओं के रक्षा एवं विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार हेतु अपने प्राणों का बलिदान करने वाले वीर बाबू गेनू के सम्मान में गुरुवार को जमशेदपुर ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मंच के सदस्यों ने बाबू गेनू की प्रतिमा में माल्यार्पण कर ब्लड बैंक में अपना रक्त का दान किया। कार्यक्रम में 103 लोगों ने रक्तदान करने हेतु हीमोग्लोबिन जांच करवाया, जिसमे से 72 जनों ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया। रक्तदाताओं में 2 महिला कार्यकर्ता भी शामिल रही। मौके पर मंच के अखिल भारतीय सह संघर्ष वाहिनी प्रमुख बंदे शंकर सिंह, खाड़ी ग्रामोद्योग आयोग के पूर्वी भारत के चेयरमैन मनोज सिंह, जे के एम राजू, अमित मिश्रा, पंकज सिंह, राजपति देवी, राजा राम, मुकेश ठाकुर, विकास साहिनी, गुरजीत सिंह, अभिषेक बजाज, संजीत सिंह, संजय कुमार, मुकेश भदानी, सुनील गुप्ता, मंजू ठाकुर, जयंत श्रीवास्तव, कंचन सिंह, सुजाता, वंदना, शारदा, मुन्ना कुमार, सुरेंद्र प्रसाद, रवि शंकर मिश्रा, सुमित कुमार थे।

सीएम के बीमार मामा गुरुचरण की स्थिति सुधरी

गम्हरिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सह जन वितरण प्रणाली दुकानदार संघ के जिलाध्यक्ष फुलकांत झा एवं राजद के प्रदेश महासचिव देव प्रकाश देवता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मामा गुरुचरण किस्कू से चांडिल स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने श्री किस्कू के स्वास्थ्य को लेकर कुशलक्षेम जाना। विदित हो कि गुरुचरण किस्कू विगत कई दिनों से बीमार चल रहे हैं। बताया गया है कि अभी उनके स्थिति में सुधार हो रहा है। मौके पर कई अन्य सदस्य भी थे।

प्रदूषण से गांवों के खेत हो रहे बंजर

गम्हरिया। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नगर अध्यक्ष प्रदीप महतो के नेतृत्व में झारखण्ड राज्य प्रदूषण नियत्रण पर्षद के क्षेत्रीय पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर औद्योगिक क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र अन्तर्गत जीएम आयरन एण्ड स्टील कम्पनी समेत अन्य कंपनियों से निकलने वाले धुओं से पूरा वातारण प्रदूषित हो रहा है एवं आस-पास के बाँधडीह, बोनडीह, बरगेडीह, पार्वतीपुर, राहरगोड़ा, मिरूडीह आदि गावों के ग्रामीण इससे प्रभावित हो रहे है। इससे आए दिन लोग बीमार पड़ रहे हैं और गंभीर बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं।

50 किसानों को एक्सपोजर विजिट पर भेजा गया नोएडा

जमशेदपुर। जिला उद्यान कार्यालय, पूर्वी सिंहभूम के तत्वावधान में राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत 50 किसानों को इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टिकल्चर टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा के लिए 5 दिनों के एक्सपोजर विजिट हेतु रवाना किया गया। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल, वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, परियोजना निदेशक आईटीडीए दीपांकर चौधरी द्वारा समाहरणालय से बस को हरी झंडी दिखाकर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया गया जहां से सभी किसान रेल मार्ग से नोएडा जायेंगे। मौके पर जिला उद्यान पदाधिकारी अनिमा लकड़ा, जिला कृषि पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे। नोएडा स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टिकल्चर में किसानों को उन्नत खेती व अन्य तकनीकी पहलुओं से अवगत कराने के लिए विभिन्न स्थलों का भ्रमण करवाया जायेगा। इस विजिट में किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक खेती की तकनीकों से अवगत कराया जाएगा। किसान हाई-टेक बागवानी फसलों और संरक्षित खेती का अध्ययन, हाइड्रोपोनिक्स खेती, पॉलीहाउस और सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, सॉइल हेल्थ मैनेजमेंट, कंट्रोल्ड इनवॉयर्नमेंट एग्रीकल्चर, सब्जियों और फूलों की खेती। विभिन्न फलों के बगीचों का अध्ययन, सीड आदि का प्रक्षिक्षण प्राप्त करेंगे।

बालू संकट को ले धरना पर बैठे पांकी विधायक सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग भी की

खबर मन्त्र संवाददाता

पांकी पलामू। झारखंड विधानसभा सत्र के चौथे और अंतिम दिन सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले सीजीएल परीक्षा रद्द करने और राज्य में बालू की कमी का मुद्दा छाया रहा। बालू की कमी और चल रही कालाबाजारी के विरोध में पांकी विधानसभा के भाजपा विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता विधानसभा परिसर में धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे शशि भूषण मेहता ने पलामू में एक सप्ताह के अंदर बालू की कीमत में अप्रत्याशित वृद्धि पर चिंता जताई

और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग की। वहीं भाजपा के विधायक अमित यादव ने सीजीएल अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज का विरोध करते हुए सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। भाजपा विधायक राज सिन्हा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस तरह से राज्यपाल के अभिभाषण के जरिए सरकार ने लंबी-चौड़ी बातें कीं, लेकिन उसमें रोजगार और बालू जैसी बुनियादी चीजों पर कोई चर्चा नहीं होना बेहद दुखद बात है। सदन में हम बालू पर सरकार को आईना दिखायेंगे। युवाओं को रोजगार देने के बदले लाठियां मिल रही हैं।

उपायुक्त ने की सड़क सुरक्षा संबंधी बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

- वरीय पुलिस अधीक्षक, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर, एडीसी एवं संबंधित विभागीय पदाधिकारी हुए शामिल
- सड़क दुर्घटनां, ब्लैक स्पॉट पर अपेक्षित कार्रवाई, राजस्व संग्रहण, यातायात नियमों के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई आदि की समीक्षा कर दिये दिशा-निर्देश

जमशेदपुर। समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में यातायात एवं सड़क सुरक्षा की बैठक हुई। वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनिकेत सचान, एडीसी भगीरथ प्रसाद, डीटीओ धनंजय, एमवीआई सूरज हेम्ब्रम, तीनों नगर निकाय के सहायक नगर आयुक्त, शिक्षा विभाग, एनएचएआई, ट्रैफिक डीएसपी समेत अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए। सड़क हादसों को नियंत्रित करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रावधानों को प्रभावी तरीके से अमल में लाने समेत अन्य संबंधित विषयों को लेकर बैठक में चर्चा हुई।

जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त ने एनएचएआई के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि नेशनल हाईवे में बने सभी पुल का फिटनेस जांच कर एक महीने के भीतर रिपोर्ट समर्पित करेंगे। हाईवे में जगह-जगह पर मेडिकल एसिसटेंस संबंधी हेल्पलाइन नंबर डिस्पले किए जाने, साइनेज, स्पीड लिमिट का बोर्ड जगह-जगह लगाने के निर्देश दिये।

सीएम हेमंत सोरेन को जिप सदस्य ओमप्रकाश ने दी जीत की बधाई

खबर मन्त्र ब्यूरो

चांडिल। गुरुवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में ईंचागढ़ के विधायक सविता महतो के साथ चांडिल के पूर्व जिला पार्षद सदस्य सह झामुमो नेता ओमप्रकाश लायेक ने अपने समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर गुलदस्ता भेंट कर जीत की बधाई दी। ओमप्रकाश लायेक ने बताया कि इस दौरान ईंचागढ़ विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी कई मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि बहुत जल्द सभी कार्य किया जायेगा। विधानसभा चुनाव में सविता महतो को जीत दिलाने में ओमप्रकाश लायेक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस मौके पर झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, शंकर लायेक, आशीष मंडल, बादल महतो उपस्थित थे।

टाटा कंपनी जमशेदपुर का लीज पुनः नवीनीकरण विस्तारीकरण पर लगे रोक

- भारत आदिवासी पार्टी पूर्वी सिंहभूम ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। भारत आदिवासी पार्टी पूर्वी सिंहभूम, जिला कमेटी की ओर से आगामी 31 दिसंबर 2024 को टाटा कंपनी जमशेदपुर का लीज समाप्त होने पर पुनः लीज नवीनीकरण पर विस्तारीकरण की रोक लगाने के संबंध में एक ज्ञापन झारखंड के राज्यपाल को उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष मदन मोहन सोरेन के नेतृत्व में सौंपा गया। मौके पर मदन मोहन ने कहा कि टाटा कंपनी 115 साल गुजरने के बाद भी पूर्वी सिंहभूम के आदिवासियों, मूलवासियों को आर्थिक, शैक्षणिक एवं समाजिक रूप से सशक्त बनाने में असफल रहा है। कंपनी में आदिवासियों को कभी हिस्सेदार बनाने का प्रयास नहीं किया गया बल्कि नौकरी से भी आदिवासियों को जबरन साजिश के तहत इएसएस देकर कम्पनी से निकल दिया गया। आदिवासियों को साजिश के तहत पलायन होने के लिए मजबूर कर उनकी जनसंख्या को प्रभावित कर जमशेदपुर में अल्पसंख्यक बना दिया गया। टाटा कंपनी ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 19 (5),19(6) का उल्लंघन कर सिंहभूम जिला की डेमोग्राफी को बदलने का काम किया है। टाटा लीज कर 32 मौजा के आदिवासियों को विस्थापित किया गया और उन्हें पुनर्वास एवं पुनर्व्यास्थापन करने के लिए कभी भी टाटा प्रबंधन के द्वारा गंभीर प्रयास नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि टाटा स्टील कंपनी जमशेदपुर का लीज करारनामा 31 दिसंबर 2024 को समाप्त होने के बाद उसे पुनः लीज नवीनीकरण में विस्तारीकरण ना दिया जाए। ताकि सर्वोच्च न्यायालय के समता जजमेंट 1997 और पांचवी अनुसूची के प्रावधानों व सी एन टी एक्ट का मूल भावनाओं का पूर्ण रूप से लागू किया जा सके एवं पैदा हो रहे संवैधानिक संकट को टाला जा सके। भारत आदिवासी पार्टी के झारखंड प्रदेश महासचिव कृष्णा हांसदा ने कहा कि पूर्वी सिंहभूम जिला पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आता है। फिर भी पांचवी अनुसूची के प्रावधानों का उल्लंघन कर 2007 में टाटा स्टील को 30 बर्षों के लिए जनवरी 2006 से 31 दिसंबर 2024 तक अवैध और असंवैधानिक तरीकों से टाटा लीज नवीनीकरण किया गया।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

कोहली ने टीम को संबोधित किया, रोहित ने नयी और पुरानी गेंद से किया अभ्यास

एजेंसी

ब्रिस्बेन। विराट कोहली जब कप्तान थे तो ट्रेनिंग सत्रों के दौरान वह सभी के आकर्षण का केंद्र हुआ करते थे और गुरुवार को उन्होंने फिर यहां अभ्यास के दौरान अपने साथी खिलाड़ियों को संबोधित किया। एडिलेड में दिन रात्रि मैच में मिली 10 विकेट की हार के बाद मेहमान टीम को श्रृंखला के महत्वपूर्ण तीसरे टेस्ट में खेलने से पहले थोड़ी प्रेरणा की जरूरत थी और टीम के युवाओं का मार्गदर्शन करने के लिए किंग' कोहली से बेहतर कोई मेंटोर' नहीं मिल सकता। कोहली जब कप्तान थे तो वह ट्रेनिंग सत्र के दौरान खिलाड़ियों से काफी बातें किया करते थे। कप्तानी छोड़ने के बाद उन्होंने यह बंद कर दिया। लेकिन लगातार चार हार के बाद कप्तान रोहित पर भी भारी दबाव है और टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी (टेस्ट पदार्पण के मामले में) ने शनिवार से यहां शुरू होने वाले मैच से पहले पहल की। उप-कप्तान जसप्रीत बुमराह के साथ कोहली खिलाड़ियों से उत्साहपूर्वक बात करते देखे गए और रोहित सहित सभी ने उनकी बात ध्यान से सुनी। रोहित ने नेट्स में नयी और पुरानी गेंद दोनों का सामना किया। वह गाबा में अपने नेट सत्र के दौरान काफी बेहतर स्थिति में दिखे लेकिन इस बात पर सवालिया निशान बने हुए हैं कि क्या वह पारी की शुरूआत करेंगे या छठे नंबर

पर ही बने रहेंगे जो उनकी पसंदीदा जगह नहीं है। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने फिर नेट्स पर नयी गेंद का सामना किया। रोहित ने शुरूआत में थोड़ी पुरानी कूकाबुरा गेंद से खेले। फिर उन्होंने नयी लाल गेंद भी खेली। गाबा की पिच पर काफी घास है जो हमेशा से पारंपरिक आस्ट्रेलियाई विकेटों में से एक रहा है जिसमें सीम और उछाल दोनों मिलते हैं। ट्रेनिंग सत्र के बाद रोहित और मुख्य कोच गौतम गंभीर के बीच लंबी बातचीत हुई और दूर से ऐसा लग रहा था कि वे तकनीक पर चर्चा कर रहे थे। गंभीर को कुछ शैडो ड्राइव' (हाथ से इशारा करके शॉट बताना) के लिए तैयार होते देखा गया जबकि रोहित उन्हें ध्यान से देख रहे थे। आकाश दीप को भारतीय नेट सत्र में सबसे निरंतर गेंदबाज माना जाता है लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि वह युवा हर्षित राणा की जगह लेंगे जिन्हें एडिलेड में दूसरे टेस्ट के दौरान ट्रेविस हेड ने कड़ी चुनौती दी थी। पर्थ में टेस्ट पदार्पण में चार विकेट लेने के बाद हर्षित ने 16 ओवर में 86 रन दे दिए लेकिन कप्तान रोहित ने युवा खिलाड़ी का बचाव किया। आकाश दीप ने दो बार जयसवाल को परेशान किया और कप्तान ने भी उनकी पीठ थपथपाई। शमी शायद अभी टेस्ट खेलने के लिए फिट नहीं हैं। वह शायद भारतीय टीम में शामिल नहीं हों क्योंकि रणजी ट्रॉफी में वापसी के बाद सैयद मुश्ताक अली टी20 के नौ मैच खेलने के बाद उन्हें खुद लगता है कि वह अभी लाल गेंद के क्रिकेट के लिए तैयार नहीं हैं। बीसीसीआइ के एक सूत्र ने कहा, सूजन आ जा रही है। वह खुद भी अधिक से अधिक घरेलू क्रिकेट खेलना चाहते हैं और इसलिए इस समय उनके बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी (21 दिसंबर से शुरू) में खेलने की संभावना है।' वहीं अकेला स्पिनर कौन होगा, यह भी सवाल है। इस पर भी वाशिंगटन सुंदर तकनीकी रूप से सबसे बेहतर बल्लेबाज हैं, रविचंद्रन अश्विन कौशल के मामले में सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं और रविंद्र जडेजा एक ऑलराउंडर के रूप में बेहतरीन पैकेज हैं।

ब्रिस्बेन टेस्ट में कोहली रच सकते हैं इतिहास

इस सीरीज के पहले मैच में विराट कोहली ने शानदार शतकीय पारी खेली थी। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी पारी में दमदार शतक लगाया। उन्होंने 143 गेंदों में 100* रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से आठ चौके दो छक्के निकले। यह उनके करियर का 30वां टेस्ट शतक था। दूसरे टेस्ट में उनका बल्ला खामोश रहा। हालांकि, अब फैंस को उनसे तीसरे टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। ब्रिस्बेन टेस्ट में अगर कोहली शतक लगाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के सभी पांच टेस्ट क्रिकेट मैदान पर शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। उनसे पहले यह कारनामा एलिस्टेयर कुक और सुनील गावस्कर ने किया है।

गावस्कर ने दी खास सलाह

ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा, कोहली के पास उनके और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक के साथ ऑस्ट्रेलिया के पांच प्रमुख टेस्ट स्थलों पर शतक लगाने वाले मेहमान बल्लेबाजों के एक विशेष क्लब में शामिल होने का मौका है। कोहली पहले ही एडिलेड, पर्थ, सिडनी और मेलबर्न में शतक लगा चुके हैं। उन्होंने कहा, अगर वह ब्रिस्बेन में शतक बनाते हैं, तो यह बहुत अच्छा होगा। आप जानते हैं कि अगर आप ब्रिस्बेन में शतक बनाते हैं, तो आप एक खास क्लब में शामिल हो जाएंगे। यह क्लब उन बल्लेबाजों का है जिन्होंने आस्ट्रेलिया में हर जगह शतक लगाए हैं।

2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक के शीर्ष अधिकारियों से मिले जय शाह

एजेंसी

ब्रिस्बेन। इस महीने की शुरूआत में आइसीसी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने वाले जय शाह ने गुरुवार को 2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक आयोजन समिति के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच 2032 ब्रिस्बेन समर ओलंपिक में क्रिकेट के संभावित समावेशन पर चर्चा भी हुई। क्रिकेट की 128 साल बाद ओलंपिक में वापसी होने वाली है। 2028 लॉस एंजिलस खेलों में क्रिकेट को टी20 प्रारूप में शामिल किया गया है। हालांकि, ब्रिस्बेन में 2032 संस्करण के लिए क्रिकेट को शामिल करने की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

जय शाह ने खुद किया पोस्ट

जय शाह ने बैठक की तस्वीरों के साथ एक्स पर पोस्ट किया, ओलंपिक आंदोलन में क्रिकेट की भागीदारी के लिए आने वाला समय बहुत रोमांचक है। ब्रिस्बेन, आस्ट्रेलिया में ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक आयोजन समिति के साथ एक बैठक। बैठक में ब्रिस्बेन 2032 आयोजन समिति के प्रमुख सिंडी हुक और क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने भाग लिया।

2028 लॉस एंजिलस ओलंपिक में क्रिकेट शामिल

क्रिकेट को 128 साल बाद ओलंपिक में शामिल किए जाने की मंजूरी मिल चुकी है। 2028 के लॉस एंजिलस ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी द्वारा क्रिकेट को लॉस एंजिलस ओलंपिक में शामिल करने की मंजूरी दी गई। क्रिकेट इससे पहले 1900 के पेरिस ओलंपिक में खेला गया था, जहां इंग्लैंड और फ्रांस स्वर्ण पदक के लिए भिड़े थे। हालांकि, लंबे समय से क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने की कोशिशें चल रही थीं और पिछले साल यह सफल हो पाया। दरअसल, आइओसी क्रिकेट की लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए भारतीय उपमहाद्वीप के बाजार को भुनाने की कोशिश करेगा। इसके लिए पुरुष और महिला टी20 क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किया जाएगा। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रिकेट के शामिल होने पर 2024 के पेरिस ओलंपिक में प्रसारण अधिकार 158.6 करोड़ रुपये के मुकाबले 2028 में 1525 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

शाह तीसरे टेस्ट में उपलब्ध रह सकते हैं

जय शाह के शनिवार से गाबा में शुरू होने वाले भारत और आस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट में उपस्थित रहने की भी संभावना है। शाह की तात्कालिक प्राथमिकताओं में फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी का समाधान ढूंढना है। सभी हितधारकों द्वारा एक हाइब्रिड मॉडल पर सहमति व्यक्त की गई है, लेकिन अभी तक कोई घोषणा नहीं की गई है, जिससे टूर्नामेंट के भविष्य पर अटकलें तेज हो गई हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी 2024/25

तमिलनाडु के कप्तान बने साई किशोर, जगदीशन उप-कप्तान

नयी दिल्ली। तमिलनाडु ने गुरुवार को विजय हजारे ट्रॉफी 2024/25 के लिए अपनी टीम की घोषणा की, जिसमें साई किशोर टीम के कप्तान होंगे और एन जगदीशन उप कप्तान होंगे। विजय हजारे ट्रॉफी के विस्तार के बाद से तमिलनाडु सबसे सफल टीम है, जिसने इसे पांच बार जीता है। पिछले संस्करण में तमिलनाडु की टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे अंतिम चैंपियन हरियाणा से हार का सामना करना पड़ा था।

विजय हजारे ट्रॉफी 2024/25 के लिए तमिलनाडु की टीम इस प्रकार है: साई किशोर आर (कप्तान), एन जगदीशन (उप-कप्तान), इंद्रजीत बी, आंद्रे सिद्धार्थ सी, बूपति वैष्ण कुमार, तुषार रहेजा, शाहरुख खान एम, मोहम्मद अली एस, संदीप वारियर, दीपेश डी, अच्युत सी वी, प्रणव राघवेंद्र आर डी, अजित राम एस, वरुण सी वी, विजय शंकर, प्रदोष रंजन पॉल।

चौंसठ खानों के खेल के नये बादशाह बने डी गुकेश, डिंग लिरेन को हराया

एजेंसी

सिंगापुर। विश्व चैंपियन बनने के बाद भारतीय गैंडमास्टर डी गुकेश ने अपनी मां से फोन पर बातचीत की। गुकेश ने कहा कि वह और उनकी मां फोन पर बातचीत के दौरान रो रहे थे। अपने माता-पिता के योगदान के बारे में गुकेश ने कहा, विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने का सपना उनके लिए मुझसे बड़ा है। गुकेश ने कहा, मुझे भगवान पर भरोसा है और कई मौकों पर मेरी मदद भी की है। इसका उदाहरण पिछले साल कैंडिडेट्स के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाया था और फिर बाद में भगवान ने मुझे कई मौके दिए। उन्होंने कहा, शतरंज का आनंद लेते रहो। तुम एक दिन अपना सपना पूरा करोगे।

छह साल की उम्र से देख रहा था सपना

गुकेश ने कहा, मैं छह या सात साल की उम्र से विश्व चैंपियन बनने का सपना देख रहा था और इस पल को जी रहा था। हर शतरंज खिलाड़ी इस पल को जीना चाहता है।

आनंद सर मेरा समर्थन कर रहे थे

गुकेश ने कहा, विशी सर (विश्वनाथन आनंद) कभी भी आधिकारिक तौर पर टीम का हिस्सा नहीं थे, लेकिन हम सभी जानते हैं कि वह मेरा समर्थन कर रहे थे। उन्होंने एक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया, लेकिन कुछ सत्रों के लिए दूर से भी मदद की।

ध्वज देखना सबसे अच्छा क्षण था

गुकेश ने कहा, 2013 में मैंने विशी सर और मैग्नस को देखा और सोचा, एक दिन वहां होना वाकई बहुत अच्छा होगा और वास्तव में वहां होना और वहां बैठना और मेरे बगल में भारतीय ध्वज देखना शायद सबसे अच्छा क्षण था। जब कार्लसन जीते थे तो मैंने सोचा कि मैं एक दिन यह खिताब भारत वापस लेकर आऊंगा।

मेरी नजर में लिरेन विश्व चैंपियन

गुकेश ने कहा, सभी जानते हैं कि डिंग लिरेन कौन हैं। वह कई वर्षों से इस खेल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। मेरे लिए वह असली विश्व चैंपियन हैं। लिरेन ने एक सच्चे चैंपियन की तरह लड़ाई लड़ी और मुझे डिंग और टीम के लिए खेद है। मैं अपने प्रतिद्वंद्वी को धन्यवाद देना चाहता हूं।

शतरंज के नये बादशाह... जीत के बाद फूट-फूटकर रोये डी गुकेश

पिता को गले लगाकर मनाया जीत का जश्न

लिरेन को हराने के बाद गुकेश बाहर निकले और पिता से मिले। इस दौरान वह भावुक हो गए। दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया और जीत का जश्न मनाया। अब दोनों का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू से पीएम मोदी तक ने दी बधाई

पीएम मोदी ने भी गुकेश को बधाई दी और उनकी तारीफों के पुल बांधे। उन्होंने कहा- ऐतिहासिक और अनुकरणीय! डी गुकेश को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई। यह उनकी अद्वितीय प्रतिभा, कड़ी मेहनत और अटूट दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उनकी जीत ने न केवल शतरंज के इतिहास में उनका नाम दर्ज किया है, बल्कि लाखों युवा दिमागों को बड़े सपने देखने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

राष्ट्रपति ने कहा: विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने पर गुकेश को हार्दिक बधाई। उन्होंने भारत को बहुत गौरवान्वित किया है। उनकी जीत शतरंज की महाशक्ति के रूप में भारत की साख को दशार्ती है। गुकेश ने बहुत बढ़िया काम किया है। हर भारतीय की ओर से मैं कामना करती हूं कि आप भविष्य में भी इसी तरह सफल होते रहें।

पाकिस्तान के खिलाफ बचे दो टी-20 और वनडे श्रृंखला से बाहर हुए एनरिक नॉर्टजे

एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिक नोर्टजे पाकिस्तान के खिलाफ बाकी बचे दो टी20 और उसके बाद होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। 31 वर्षीय नॉर्टजे को शुरूआती मैच से बाहर बैठना पड़ा क्योंकि मैच से पहले ट्रेनिंग के दौरान उनके बाएं पैर के अंगूठे में चोट लग गई थी। इसके बाद किए गए स्कैन से पता चला कि गेंदबाज के बाएं पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हुआ है। ऑलराउंडर दयान गलीम को नॉर्टजे की जगह टीम में शामिल किया गया है। इस अनकैप्ड पेसर ने अब तक अपने 60 मैचों के

टी20 करियर में 46 विकेट चटकाए हैं। इस बीच, नॉर्टजे इस साल जून में आइसीसी टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से दक्षिण अफ्रीका के लिए नहीं खेले हैं, जहां वे 15 विकेट लेकर अपने देश के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। कार्यभार प्रबंधन के कारण उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के साथ राष्ट्रीय अनुबंध से भी बाहर होने का विकल्प चुना है।

सेमीफाइनल में बड़ौदा का मुंबई से और मध्यप्रदेश का दिल्ली से होगा मुकाबला

एजेंसी

नयी दिल्ली। लीग चरण में कुछ मुश्किल पलों से गुजरने वाले बड़ौदा को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में शुक्रवार को यहां मुंबई की मजबूत टीम से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल शुक्रवार को ही दिल्ली और मध्य प्रदेश के बीच खेला जाएगा। वहीं, 15 दिसंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। बड़ौदा के लिए नॉकआउट में जगह बनाना आसान नहीं रहा। ग्रुप बी में उसके सौराष्ट्र और गुजरात के बराबर 24 अंक थे लेकिन बेहतर रन रेट के आधार पर वह आगे बढ़ने में सफल रहा। बड़ौदा के पास हार्दिक और क्रुणाल पंड्या जैसे टी20 के धुरंधर खिलाड़ी हैं लेकिन इसके बावजूद उसका कोई भी खिलाड़ी बल्लेबाजी या गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल नहीं है। इससे पता चलता है कि बड़ौदा के सभी खिलाड़ियों ने अभी तक अच्छा योगदान दिया है जिससे उसकी टीम सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही। बड़ौदा की तरफ से तेज गेंदबाज अतीत शेठ ने 13 विकेट लिए हैं लेकिन वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 11वें स्थान पर हैं। युवा बल्लेबाज भानु पनिया ने अभी तक बड़ौदा की तरफ से सर्वाधिक 271 रन बनाए हैं लेकिन वह बल्लेबाजों की सूची में 18वें स्थान पर हैं। बंगाल के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में बड़ौदा के सभी खिलाड़ियों ने अपनी तरफ से योगदान दिया जिससे टीम यह मैच जीतने में सफल रही। हार्दिक हालांकि अभी तक किसी तरह का कमाल नहीं दिखा पाए हैं। ऐसा लगता है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर देने के कारण वह इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं।

'खास होगा 2030 फीफा विश्व कप'- पुर्तगाल को मेजबानी मिलने पर बोले रोनाल्डो

- फीफा के अध्यक्ष गियानी इनफैनटिनो ने ज्यूरिख में किया ऐला
- महिला फीफा विश्व कप 2027 के लिए भी किया गया ऐलान

एजेंसी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संगठन, फीफा ने दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक फुटबॉल विश्व कप के 2 आगामी संस्करणों के लिए मेजबान देशों का ऐलान कर दिया है। सऊदी अरब को 2034 के आयोजन की मेजबानी दी गई है। जबकि स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को 2030

फीफा वर्ल्ड कप के लिए संयुक्त मेजबान के रूप में चुना गया है।

6 देशों में आयोजित होगा 2030 फुटबॉल विश्व कप

विशेष होगा 2030 विश्व कप : रोनाल्डो

पुर्तगाल सहित 5 अन्य देशों को 2030 में होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप की मेजबानी मिलने के बाद पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा है कि 6 साल बाद होने वाला यह टूर्नामेंट बेहद खास होगा। दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डो ने पुर्तगाल की जर्सी पहनकर जश्न मनाते हुए अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने पुर्तगाली भाषा में लिखा है, सपना सच हो गया। यह बेहद खास विश्व कप होगा। पुर्तगाल 2030 में विश्व कप की मेजबानी करके हमें गौरवान्वित करेगा।

फीफा विश्व कप 2030 के मैच 3 महाद्वीपों के 6 देशों में खेले जाएंगे। यह पहला अवसर होगा जब फुटबॉल वर्ल्ड कप 6 देशों में आयोजित किया जाएगा। स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को इसकी संयुक्त मेजबानी सौंपी गई है। लेकिन, दक्षिण अमेरिकी देशों

अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे में भी इसके 1-1 मैच आयोजित किए जाएंगे। बता दें कि, पहला विश्व कप 1930 में उरुग्वे में आयोजित किया गया था और फीफा ने उसके 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए दक्षिण अमेरिका के इन देशों को 1-1 मैच की मेजबानी सौंपी है। फीफा ने इसके साथ ही 2034 में होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप की मेजबानी सऊदी अरब को सौंपने की घोषणा भी की।

मांडविया ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतने पर गुकेश को दी बधाई

नयी दिल्ली। केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को हार्दिक शुभकामनाएं दी। श्री मांडविया ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, शतरंज में चमत्कार, प्रतिष्ठित विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतने और शतरंज के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने पर डी.गुकेश को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

भारतीय पुरुष टीम फ्रांस से और महिला टीम अमेरिका से हारी

हांगकांग। भारतीय पुरुष और महिला टीम का गुरुवार को विश्व स्क्वैश टीम चैंपियनशिप 2024 के क्वार्टरफाइनल में मिली हार के साथ भारत का टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया। इससे पहले दिन में, अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार को सीधे गेम में हार मिली, भारतीय पुरुष टीम को फ्रांस से हार मिली। इसके बाद में, निरुपमा दुबे और अनाहत सिंह की हार के कारण भारतीय महिला टीम भी स्पर्धा से बाहर हो गई।

भारतीय भाषा उत्सव भारतीय संस्कृति और बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देता है: निदेशक

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के मौके पर शहर के ज्ञान निकेतन कॉन्वेंट (10+2) स्कूल में भारतीय भाषा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक सह शिक्षाविद मदन प्रसाद केशरी, उपप्राचार्य बसंत ठाकुर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित एवं सुब्रमण्यम भारती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया।

उपस्थित बच्चे।

मौके पर निदेशक श्री केषरी ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षण संस्थानों में भाषा सद्भावना को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों को विविध भाषा के महत्व तथा उनके बीच में जागरूकता निर्माण करना है। अपनी मातृभाषा में महारत हासिल करने के अलावा अन्य भाषा का ज्ञान प्राप्त करने के लिए यह कार्यक्रम प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि सुब्रमण्यम भारती तमिल भाषा के साथ-साथ भारत के अनेक भाषाओं के समर्थक रहे। भारत में विविधता में एकता बनाए रखने के लिए तथा बहुभाषी समाज की स्थापना करने के लिए यह कार्यक्रम अति उत्तम है। भारतीय भाषा उत्सव भारतीय संस्कृति और बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देता है। विद्यालय स्तर पर अन्य गतिविधियों के माध्यम से स्कूली बच्चों ने न केवल अपनी भाषा की महत्व समझेंगे बल्कि प्रकृति और सामुदायिक जुड़ाव को भी महसूस करेंगे। मौके पर शिक्षक नीरा शर्मा, खुर्शीद आलम, वीरेंद्र शाह, मुकेश भारती, कृष्ण कुमार, विकास कुमार, नीलम कुमारी, सुनीता कुमारी, सरिता दुबे, शिवानी कुमार, ज्योति तिवारी, रागिनी कुमारी, पूजा प्रकाश, संतोष प्रसाद आदि उपस्थित थे।

थाना प्रभारी अविनाश राज ने दिया योगदान

खबर मन्त्र संवाददाता

कांडी। थाना क्षेत्र के नामचीन बदमाश व पूर्व के आपराधिक घटनाओं में शामिल अपराधियों पर शिकंजा कसा जायेगा। उक्त बातें कांडी के नये थाना प्रभारी अविनाश राज ने थाना में योगदान देने के बाद कही। नये थाना प्रभारी के रूप में अविनाश राज ने गुरुवार को कांडी थाना में योगदान दिया। योगदान के पश्चात उन्होंने थाना क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि महिलाओं व छोटी बच्चियों से

थाना प्रभारी अविनाश राज।

संबंधित अपराध हो तो कांडी थाना को सूचना दें, सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि घर में पारिवारिक स्तर से संबंधित मामले जिसमें सास, ससुर द्वारा पड़ताड़ना, पति द्वारा पड़ताड़ना आदि शामिल है, इस तरह के मामले में वरीय पदाधिकारियों से निर्देश प्राप्त है कि काउंसलिंग के तहत मामले को सुलझाना है, इसलिए इस तरह के मामले में तुरंत एफआईआर नहीं होगा व काउंसलिंग के माध्यम से मामले को सुलझाने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जितने भी नामचीन बदमाश होंगे जो पूर्व में भी आपराधिक घटनाओं में शामिल रहे होंगे वैसे बदमाशों पर शिकंजा कसा जायेगा।

स्पीड न्यूज

विधायक ने डीसी को भेजा पत्र

रमना। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्र मे बढ़ते ठंड को देखते हुए विधायक अनंत प्रताप देव ने डीसी शेखर जमुआर से भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी चैक चैराहों और सार्वजनिक स्थानों पर सुबह-शाम अलाव जलवाने तथा असहाय लोगो के बीच कंबल वितरण सुनिश्चित कराने को लेकर पत्र भेजा है। उन्होंने कहा कि लगातार कुछ दिनों से तापमान में लगातार गिरावट देखा जा रहा है। ऐसे में अलाव की व्यवस्था और कंबल वितरण कराना सुनिश्चित किया जाय।

पुआल में लगी आग

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के बुका गांव में एक किसान के खलिहान में रखा पुआल का ढेर में अज्ञात तत्वों ने आग लगा दी। जिससे हजारों रुपये का पुआल जलकर बर्बाद हो गया। जानकारी के अनुसार किसान सुनील मेहता ने अपने धान की फसल तैयार कर पुआल घर के सामने खलिहान पर रखा था। बुधवार की देर रात खलिहान पर पुआल के टाल में एकाएक आग लग गयी। जिसमें काफी मात्रा में पुआल जल गया। आग की सूचना मिलने के बाद वहां पहुंचकर आसपास के लोगों के सहयोग से मोटर स्टार्ट कर आग को बुझाया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

वाहन चेकिंग में सात बाईक जप्त

मझिआंव। एसपी दीपक कुमार पांडेय के निदेर्शानुसार थाना क्षेत्र के विभिन्न चैक चैराहों पर गुरुवार को एंटी क्राइम के तहत पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार तिवारी के नेतृत्व में थाना एसआई नसीम अंसारी एवं पुलिस बल ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें बिना हेलमेट एवं दस्तावेज के साथ मोटरसाइकिल जप्त कर थाना लाया गया। जिसे आगे की कार्रवाई के लिए परिवहन विभाग में भेजा गया है। इस संबंध में पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि यह चेकिंग अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा सभी मोटरसाइकिल सवार को अपने-अपने हेलमेट लगाकर एवं दस्तावेज के साथ चलने का निर्देश दिया गया है, अन्यथा पकड़े जाने पर उन्हें गाड़ी को चालान कर दिया जाएगा।

दरभंगा में 54 अभियुक्त गिरफ्तार

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले में अवैध नशीले पदार्थ के निर्माण बिक्री भंडारण परिवहन एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिये चलाए गए विशेष वाहन चेकिंग अभियान के तहत 54 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने गुरूवार को यहां बताया कि पुलिस मुख्यालय पटना के आदेश के आलोक में वरीय पुलिस अधीक्षक, दरभंगा के निर्देशन में बुधवार को विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। विशेष अभियान के तहत सदर अनुमंडल अंतर्गत 29 अभियुक्तो की गिरफ्तारी की गई एवं 01.11 लीटर देशी शराब बरामद की गई तथा 809 वाहनों पर 6,60,500 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। इसी तरह कमतौल अनुमंडल अंतर्गत 04 अभियुक्तो की गिरफ्तारी की गई एवं 750 एमएल विदेशी शराब, पांच लीटर देशी शराब 01 कार बरामद किया गया एवं 229 वाहनों पर 1,51,000 रूपया जुमार्ना किया गया।

सारण में भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद

छपरा। सारण जिले की तरैया थाना की पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद कर कारोबारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने गुरुवार को यहां बताया कि वाहन पर शराब आने की सूचना पर 172 लीटर विदेशी शराब बरामद की।

उपायुक्त की अध्यक्षता में कनहर परियोजना से संबंधित बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। डीसी शेखर जमुआर की अध्यक्षता में गुरूवार को समाहरणालय स्थित सभागार में कनहर परियोजना के संबंध में बैठक की गई। सोन कनहर अन्डरग्राउड पाइप लाईन परियोजना अंतर्गत जल संसाधन विभाग द्वारा अधिग्रहित भूमि, जो ग्राम खैरा, टोटकी एवं सिंजों, पंचायत मदगड़ी (च) अंतर्गत है, उसमें एल एंड टी द्वारा अन्डरग्राउंड पाइप लाईन बिछाये जाने का कार्य किया जा रहा है, जिसके कारण जल संसाधन विभाग को वर्णित ग्रामों की भूमि क्षतिपूरक वनरोपण के लिए वन विभाग, गढ़वा को दिया जायेगा। परन्तु उक्त कार्य के लिए उपरोक्त गांव के लोगों द्वारा कार्य योजना में कुछ गतिरोध उत्पन्न किये जा रहे हैं। बैठक के दौरान योजना कार्य पूर्ण करने में आ रहे गतिरोध के कारणों से डीसी को

बैठक करते डीसी।

अवगत कराया गया। उपरोक्त ग्रामों के ग्रामीणों द्वारा एल एंड टी कम्पनी द्वारा मापी के क्रम में विरोध किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीणो द्वारा उपरोक्त जमीन पर अपनी खेती-बाड़ी करने की बात कही जा रही है एवं पौधारोपण के कार्य करने से रोका जा रहा है। परन्तु वास्तव में उपरोक्त जमीन जल संसाधन विभाग का है, जिसे विभाग द्वारा पूर्व में ही अधिग्रहित किया जा चूका है। एल एंड टी के परियोजना सहायक ने बताया कि इस कार्य में ग्राम खैरा, टोटकी एवं सिंजो के ग्रामीणों द्वारा प्राथमिक सर्वे अंतर्गत मापी करने में बाधा उत्पन्न किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 1973 में मंडल डैम के निर्माण के समय ही उक्त भूमि को जल संसाधन विभाग द्वारा अधिग्रहित किया जा चुका है, जिस पर कनहर सोन अंडरग्राउंड पाईपलाइन परियोजना अंतर्गत क्षतिपूरक वनरोपण का कार्य किया जाना है। इस कार्य में आवश्यक सहयोग के लिए संबंधित ग्राम के मुखिया को डीसी ने निर्देशित करते हुए कहा कि वहां के ग्रामीणों को क्षतिपूरक वनरोपण हेतु वास्तविक स्थिति को समझायें कि वर्णित भूमि पूर्व में ही जल संसाधन विभाग द्वारा अधिग्रहित है, इस पर कोई कन्ट्रक्शन कार्य नहीं किया जाना है, सिर्फ वनरोपण का कार्य किया जायेगा। डीसी ने निर्देशित किया कि सोन कनहर अंडरग्राउड पाइपलाईन परियोजना अंतर्गत क्षतिपूरक वनरोपण के लिए अनुमंडल पदाधिकारी, रंका, अंचल अधिकारी, भण्डरिया, अंचल निरीक्षक, भण्डरिया, संबंधित मौजा के राजस्व उप निरीक्षक एवं मुखिया तथा वन विभाग के सक्षम पदाधिकारी एवं एल एंड टी के परियोजना सहायक आदि द्वारा भी संबंधित स्थल का दौरा कर वहां के ग्रामीणों को वास्तविक वस्तुस्थिति से अवगत कराएं। ग्रामीणों के बीच संवाद स्थापित करें और कार्य में आने वाले बाधा को दूर करें। बैठक में अपर समाहर्ता, उप निदेशक, पलामू टाईगर रिर्जव, मेदिनीनगर पलामू, अनुमण्डल पदाधिकारी, रंका, भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, रंका, कार्यपालक अभियंता, जल संसाधन विभाग, मेदिनीनगर पलामू, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, भण्डरिया, अंचल अधिकारी, भण्डरिया, अंचल निरीक्षक, भण्डरिया, परियोजना सहायक एल एंड टी एवं सम्बंधित क्षेत्र के मुखिया उपस्थित थे।

एक नजर में

थाना प्रभारी व पदाधिकारियों का स्थानांतरण

गढ़वा। जिले में एसपी दीपक कुमार पाण्डेय के आदेशानुसार कई थाना प्रभारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को स्थानांतरित किया गया है। वहीं मझिआंव अंचल पदाधिकारी सह पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार तिवारी को मझिआंव थाना का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। बताते चलें कि गढ़वा जिला बल के पुलिस पदाधिकारी को ज्ञापांक 9282 के तहत रमना थाना प्रभारी को रंका थाना प्रभारी, मझिआंव थाना प्रभारी आकाश कुमार को रमना थाना प्रभारी, डंडा थाना प्रभारी अविनाश राज को कांडी थाना प्रभारी एवं विशुनपुरा थाना पुलिस अवर निरीक्षक अमित प्रशांत को डंडा थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं कांडी थाना प्रभारी गुलशन कुमार गौतम का कनीय अवर निरीक्षक गढ़वा थाना भेजा गया। इसके साथ-साथ रंका थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक प्रदीप कुमार केशरी को गढ़वा थाना एवं गढ़वा थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक लालमन बैठा को पुलिस केंद्र गढ़वा भेजा गया है। वहीं सभी लोगों को आदेश दिया गया है कि 24 घंटे के अंदर अपने नवपदस्थापन स्थान पर योगदान देते हुए योगदान प्रतिवेदन के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

वनांचल कॉलेज एवं अस्पताल में नए सत्र शुरू

गढ़वा। जिले के फरठिया स्थित वनांचल डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल में नए सत्र की शुरूआत की गई। इस दौरान ओरियंटेशन

प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य नए छात्रों को कॉलेज की संस्कृति, नियम और अनुशासन व्यवस्थाओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ बसवराज कलाली ने दीप जलाकर की। मौके पर प्रधानाचार्य ने छात्रों का स्वागत करते हुए उन्हें कॉलेज के उद्देश्यों, पाठ्यक्रमों, अनुशासन और आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। कॉलेज के वाइस चांसलर प्रो डॉ एमके सिंह ने छात्रों को आगामी सत्र के बारे में मार्गदर्शन किया एवं पढ़ाई के साथ अनुशासन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस सत्र में बीडीएस 2024-28 एवं एमडीएस 2024-27 के छात्र-छात्राओं जो की देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए बच्चों को स्वागत किया गया। मौके पर विभाग के एचओडी डॉ एके सिन्हा, डॉ श्रुति, डॉ सुप्रिया पटेल, डॉ अभिषेक, डॉ रमीज, डॉ राजेश, डॉ बद्री ने अपने संबंधित विभागों की जानकारी दी। मंच का संचालन डॉ तानिया वर्मा ने किया।

हजारों करोड़ विज्ञापनों में बहा रहे नीतीश: तेजस्वी

पटना। बिहार विधान सभा में प्रतिपक्ष एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने आरोप लगाया है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गरीब एवं पिछड़े राज्य की जनता की गाढ़ी कमाई का हजारों करोड़ रुपए नॉन-स्टॉप विज्ञापनों में बहा रहे है। श्री यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर आज लिखा, पूर्णतः अपनी विश्वसनीयता, पहचान, साख और सिद्धांत खो चुके श्री नीतीश कुमार गरीब एवं पिछड़े राज्य बिहार की जनता की गाढ़ी कमाई का हजारों करोड़ रुपए नॉन-स्टॉप विज्ञापनों में बहा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कुछ दिन पूर्व तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बारे में सरकारी कार्यक्रमों में मीडिया को बोलते थे कि, लोग कुछ काम करता है जी, खाली अखबार में फोटो चमकाता है। अब इनके बारे में कोई क्या कहे। राजद नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री अगर स्वयं की सोच शक्ति शेष है तो आत्ममंथन और चिंतन कीजिए कि गरीब राज्य का अरबों रुपए ऐसे बर्बाद करना क्या जायज है।

गया : अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक पूजा में शामिल हुए राज्यपाल, महाबोधि मंदिर में की विशेष पूजा

गया। भगवान बुद्ध की पावन ज्ञान भूमि बोधगया स्थित विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर में आयोजित 19वें अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक पूजा में गुरुवार को बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर शामिल हुए। राज्यपाल श्री आर्लेकर पूजा में शामिल होने के लिए आज सुबह बोधगया पहुंचे जहां बोधगया टेंपल मैनेजमेंट कमेटी के लोगों ने पुष्प-गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद श्री आर्लेकर ने महाबोधि मंदिर के गर्भगृह में जाकर भगवान बुद्ध के दर्शन किया और विशेष पूजा अर्चना की। इसके बाद वे महाबोधि मंदिर के प्रांगण में स्थित पवित्र बोधिवृक्ष के नीचे आयोजित अंतरराष्ट्रीय पूजा में शामिल हुए, जहां बौद्ध भिक्षुओं ने उनका अभिनंदन किया।

विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन, संजय बने अध्यक्ष

उपस्थित लोग।

केतार। पीएम श्री मध्य विद्यालय केतार में गुरुवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन मुखिया प्रमोद कुमार की अध्यक्षता मे किया गया। पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित राजेश्वर ठाकुर, नवीन प्रकाश, बसंत कुमार ने बताया कि प्रत्येक विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन प्रत्येक तीन साल के अंतराल पर होता है। 16 सदस्यीय विद्यालय प्रबंधन समिति में 12 सदस्य छात्र-छात्राओं के माता-पिता होते हैं। मौके पर प्रधानाध्यापक देवेन्द्र कुमार ने उपस्थित अभिभावकों से कहा कि विद्यालय व विद्यालय के बच्चों की सफलता की जिम्मेदारी हम सब की है। विद्यालय को ज्ञान का मंदिर कहा जाता है, इसलिए इस ज्ञान के मंदिर में सभी अभिभावकों से अपील है कि वैसे लोगों का चयन करें, जिनका शिक्षा के क्षेत्र में विशेष लगाव हो। पर्यवेक्षक की ओर से विद्यालय प्रबंधन समिति का कार्य एवं दायित्व बताए जाने के उपरांत 16 सदस्यीय विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष संजय ठाकुर एवं उपाध्यक्ष सलमा बीबी एवं संयोजिका पूनम देवी का चयन किया गया। जबकि सदस्य के रूप में अनुज कुमार, जीतन राम, इजहार आलम, नागेंद्र सिंह, मनोज गुप्ता, रेशम देवी, रानी देवी, सोनी देवी का चयन किया गया। मौके पर बिंदु राम, उप मुखिया संजय पाल, विजय राम, महताब आलम, आदित्य मेहता, निर्मल पासवान, जोखू राम, माना जायसवाल, विनय राम और पुलिस बल एएसआई केके प्रसाद दल बल के साथ मौजूद थे।

शादी का झांसा देकर कनीय अभियंता ने युवती के साथ बनाया शारीरिक संबंध, शादी से इनकार

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। बरडीहा थाना क्षेत्र के लावा चंपा गांव की एक युवती के साथ मझिआंव थाना क्षेत्र के गवारवा टोला निवासी गोविंद रजवार के पुत्र सह कनीय अभियंता (बरडीहा) छोटन रजवार के द्वारा पिछले एक वर्षों से युवती को शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में युवती ने बताया कि पिछले दो वर्ष पूर्व गवरवा टोला में मैं अपने मौसी के घर गई थी। इसी बीच मेरी मुलाकात छोटन रजवार से हुई। जिसके बाद एक वर्षों तक छोटन रजवार मुझसे वातार्लाप करता रहा, उसके बाद उसने मुझे शादी करने का झांसा देकर पिछले एक वर्षों

जानकारी देती पीड़िता।

से मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाया। इस एक साल के अंतराल में दो बार प्रेग्नेंट हो गई, और छोटन रजवार ने दोनों बार मुझे दवा खिलाकर अबॉर्शन करा दिया। जबकि इस दौरान मैंने कहा कि जब हम दोनों के बीच संबंध है और शादी करनी है तो अबॉर्शन करवाने की क्या जरूरत है। मैं उससे शादी करने के लिए बोली तो उसने कहा कि बरडीहा प्रखंड में कनीय अभियंता के रूप में मेरी नौकरी हो गई है। तुम लोग गरीब हो तुम्हारा बाप मुझे दहेज नहीं दे पाएगा, इसलिए मैं तुमसे शादी नहीं करूंगा। साथ ही उसने धमकी देते हुए कहा कि अगर यह बात तुमने किसी और से बताई तो तुम्हें जान से मार देंगे। इसी बीच मैंने आवेश में आकर गत 28 नवंबर को जहर का सेवन कर लिया। इसके बाद परिजनों ने मुझे इलाज कराने के लिए गढ़वा सदर अस्पताल ले गये, वहां से रेफर होने के बाद मुझे डाल्टनगंज में उपचार कराया गया। इसके बाद उचित न्याय को लेकर मैंने अदालत का दरवाजा खटखटाया। लगभग 15 दिन पूर्व उसके गांव गई और उसके घर पर रही तो उसके परिजन गाली गलौज करने लगे। उसके बाद मझिआंव एवं बरडीहा पुलिस भी पहुंची लेकिन उसे वहां से भगा दिया गया और बरडीहा पुलिस ने हमारे परिजन को हमें सौंप दिया। इस मामले को लेकर अदालत के निर्देश पर बरडीहा थाना में केश कांड संख्या 86/24 दिनांक 28/11/24 धारा 69/89/351 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। लेकिन 15 दिन बीत जाने के बावजूद भी पुलिस प्रशासन के द्वारा कोई ठोस पहल नहीं करने के कारण आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। इस संबंध में पूछे जाने पर थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिंह ने बताया कि छोटन रजवार को घर पकड़ के लिए निरंतर दबीश दिया जा रहा है लेकिन वह फरार चल रहा है।

चोरी के कई मामलों का खुलासा, मोबाईल और आभूषण बरामद, एक चोर गिरफ्तार

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते पुलिस इंस्पेक्टर व अन्य।

श्री बंशीधर नगर। श्री बंशीधर नगर पुलिस ने गत माह थाना क्षेत्र के जंगीपुर बस्ती एवं उसका कला (चैबेडीह) में हुई चोरी के मामलों का उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने चोरी में संलिप्त विनोद भुईयां को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से 14 मोबाईल, चांदी का दो सेट पायल, कांसा का लोटा व थाली, एसीईआर कंपनी का एक लैपटॉप व चोरी की घटना में इस्तेमाल किया गया बिना नंबर प्लेट का मोडिफाई हीरो स्प्लेंडर बाईक भी बरामद किया है। गुरुवार को नगर ऊंटारी थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह ने यह जानकारी दी।

श्री सिंह ने बताया कि विनोद भुईयां उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के बीजपुर थाना क्षेत्र के सिरसोती टोला महुआबारी का रहने वाला है। विनोद श्री बंशीधर नगर थाना क्षेत्र के कोरया गांव स्थित अपने ससुराल में रहकर चोरी की घटना को अंजाम दिया करता था। गत 19 नवंबर को श्री बंशीधर नगर थाना क्षेत्र के जंगीपुर बस्ती निवासी अनुज चंद्रवंशी एवं उसका कला (चैबेडीह) निवासी गीता देवी के घर में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। अनुज चंद्रवंशी के घर से चोरों के द्वारा दो मोबाईल, आभूषण व गीता देवी के घर से आभूषण व पैसे की चोरी कर ली गई थी। वरीय अधिकारियों ने दोनों मामलों के उद्भेदन के लिए उनके नेतृत्व में एक टीम गठित की थी। छापामारी के दौरान टीम ने तकनीकी साक्ष्य व गुप्तचर की मदद से गत बुधवार को श्री बंशीधर नगर थाना क्षेत्र से विनोद भुईयां को पकड़ा। जिसने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उन्होंने बताया कि विनोद भुईयां की निशानदेही पर चोरी किये गये सामानों की विभिन्न स्थानों से बरामद हुआ है। पूछताछ के दौरान विनोद भुईयां ने पुलिस के समक्ष चैकाने वाला खुलासा किया है। वह श्री बंशीधर नगर बाजार तथा थाना क्षेत्र के अन्य घरों में मोबाईल, पैसा व आभूषण की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। गढ़वा थाना क्षेत्र में भी चोरी की है। विनोद भुईयां ने पुलिस को बताया है कि वह स्टील के बक्से में चोरी किये गये आभूषण को रखकर डैम में रखा है। जल्द ही पुलिस उसे रिमांड पर लेकर मामले की जांच करेगी। टीम में थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक, पुअनि संदीप कुमार रवि, जितेंद्र कुमार, सअनि अनुज कुमार सिंह, संजय पासवान, आरक्षी कौशल कुमार द्विवेदी, निकेतन यादव आदि शामिल थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस इंस्पेक्टर के अलावे थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक, सअनि संजय पासवान आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के चयनित 16 लाभुकों को दिया गया 32 लाख का चेक

- पांच लाभुकों को सांकेतिक चेक
- शेष को स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया

एजेंसी

अररिया। समाहरणालय स्थित परमान सभागार में डीएम अनिल कुमार के द्वारा गुरुवार को उद्योग विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री उद्यमी योजना अंतर्गत चयनित एवं प्रशिक्षित लाभुकों के बीच वित्तीय वर्ष 2024-25 के कुल 16 लाभुकों को 32 लाख रुपये, प्रथम किस्त के रूप में वितरण किया गया। इसमें पांच लाभुकों को सांकेतिक चेक एवं शेष को स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।

बिहार लघु उद्यमी योजना अंतर्गत वैसे लाभुकों, जिसके द्वारा प्रथम किस्त का उपयोग कर लिया गया है, उन्हे द्वितीय किस्त के रूप में एक लाख रुपए प्रति लाभुक कुल पांच लाख रुपए का सांकेतिक चेक का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में विभागीय निदेश के आलोक में वैसे 10 लाभुकों, जो गत वर्षों से इस योजना का लाभ लेकर उत्कृष्ट उद्यम स्थापित किए हैं, उन्हें जिलाधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी उद्यमियों से किये गये परियोजना का विस्तृत जानकारी ली गई एवं एक अच्छे उद्यमी बनने हेतु उन्हें प्रेरित किया। सफल उद्यमियों की सराहना करते हुए जिलाधिकारी ने आगे बढ़ते रहने हेतु मार्गदर्शन भी दिया गया।

पेज एक का शेष

एक देश, एक चुनाव को कैबिनेट की मंजूरी

हर साल बार-बार चुनाव कराने से अर्थव्यवस्था, राजनीति और समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए इसने इस बोझ को कम करने के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की। शुरुआती चरण में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव होंगे। दूसरे चरण में राज्य और लोकसभा चुनाव के 100 दिनों के भीतर नगरपालिका और पंचायत चुनाव कराये जायेंगे। आम चुनाव के बाद राष्ट्रपति एक अधिसूचना जारी कर सकते हैं, जिसमें लोकसभा की बैठक की तारीख को 'अपॉइंटेड डेट' घोषित किया जायेगा, ताकि निरंतर तालमेल सुनिश्चित हो सके। नवगठित राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल अगले आम चुनावों के साथ छोटा कर दिया जायेगा। समिति इन सुधारों के सफल क्रियान्वयन की निगरानी और सुनिश्चित करने के लिए एक एग्जिक्यूटि ग्रुप की स्थापना की सिफारिश की है। इसने पंचायतों और नगर पालिकाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए अनुच्छेद 324ए का सुझाव देती है और सभी चुनावों के लिए यूनिफाइड वोटर लिस्ट और फोटो पहचान पत्र बनाने के लिए अनुच्छेद 325 में संशोधन का प्रस्ताव किया है। सदन में बहुमत न होने या अविश्वास प्रस्ताव आने की स्थिति में नये चुनाव कराये जायेंगे, लेकिन नये निर्वाचित सदन का कार्यकाल अगले आम चुनाव तक ही रहेगा। नव निर्वाचित लोकसभा पिछली लोकसभा के शेष कार्यकाल को पूरा करेगी, जबकि राज्य विधानसभाएं लोकसभा के कार्यकाल समाप्त होने तक चलती रहेंगी, जब तक कि उसे पहले भंग न कर दिया जाये। समिति ने चुनाव आयोग को सलाह दी कि वह कुशल चुनाव प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए ईवीएम और वीवीपैट जैसे आवश्यक इक्विपमेंट की खरीद के लिए सक्रिय रूप से योजना बनाये। समिति सभी चुनावों के लिए एकीकृत मतदाता सूची और पहचान पत्र प्रणाली का प्रस्ताव करती है, जिसके लिए राज्यों द्वारा अनुसमर्थन के अधीन एक संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता होगी।

स्पीड न्यूज

सीरिया में आइएस के ठिकानों पर अमेरिका ने किया हवाई हमला

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा विभाग की उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने कहा कि मध्य सीरिया में आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) के ठिकानों पर अमेरिकी हवाई हमले में कई आतंकवादी मारे गए हैं। गौरतलब है कि अमेरिका के सेंट्रल कमांड ने रविवार को कहा था कि उसके बलों ने मध्य सीरिया में आईएस के शिविरों और आतंकवादियों को निशाना बनाकर कई हवाई हमले किए, ताकि आतंकवादी समूह देश में मौजूदा अस्थिरता का फायदा न उठा सके। सुश्री सिंह ने बुधवार को कहा कि हमारा प्रारंभिक आकलन है कि वे सफल रहे और आप जानते हैं कि हमने रेगिस्तान में कई आतंकवादियों, आईएस आतंकवादियों को मार गिराया है।

आयुष्मान ने शुरू की फिल्म थामा की शूटिंग

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपनी आने वाली फिल्म ह्यथामा की शूटिंग शुरू कर दी है। मैडॉक फिल्म्स ने हाल ही में अपने हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म थामा की घोषणा की है, जिसमें आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

हाथरस दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिले राहुल

हाथरस। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के ग्राम बूलगढ़ी में दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने 45 मिनट तक पीड़िता के परिवार वालों से बातचीत की। उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर 2020 को 19 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी।

देवबंद में दो संदिग्ध विदेशी हिरासत में

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के देवबंद में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाते हुए दो संदिग्ध विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई देवबंद के मोहल्ला बढ़जियाउलहक में की गई, जहां दोनों संदिग्ध विदेशी नागरिक लंबे समय से रह रहे थे। सूत्रों के अनुसार पकड़े गए दोनों म्यांमार के नागरिक हैं।

बोरवेल में फंसे पांच वर्षीय बच्चें की मौत

दौसा। दौसा जिले के कालीखाड़ गांव में बोरवेल में गिरे पांच वर्षीय आर्यन की मौत हो गई। बुधवार रात करीब 11:45 बजे रेस्क्यू टीम ने 57 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसे बोरवेल से बाहर निकाला। बेहोशी की हालत में निकाले गए आर्यन को एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम से लैस एम्बुलेंस में दौसा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वॉयस ऑफ अमेरिका के प्रमुख होंगी कैरी लेक

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को घोषणा की कि पूर्व टीवी एंकर कैरी लेक को अमेरिकी सरकार के वॉयस ऑफ अमेरिका मीडिया आउटलेट का भावी प्रमुख नामित किया गया है। ट्रंप ने अपने माइक्रोब्लॉगिंग हैंडल ट्रुथ सोशल पर कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि कैरी लेक वॉयस ऑफ अमेरिका की हमारी अगली निदेशक के रूप में काम करेंगी।

कश्मीर के मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी

श्रीनगर। कश्मीर घाटी के मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी हुई, जबकि ऊंचे इलाकों में मध्यम बारिश हुई। शोपियां, पुलवामा और बारामुला के मैदानी इलाकों के साथ-साथ अनंतनाग, बडगाम और बांदीपोरा के ऊपरी इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई है।

कानून के डर से सड़क हादसों पर लगेगा लगाम : गडकरी

एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री बोले सड़क दुर्घटनाओं को लेकर भारत का रिकॉर्ड इतना गंदा है, विश्व सम्मेलनों में मुंह छिपाना पड़ता है

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को लेकर भारत का रिकॉर्ड इतना गंदा है कि उन्हें विश्व सम्मेलनों में मुंह छिपाना पड़ता है। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि उनके मंत्रालय के तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसों में कमी नहीं आई, बल्कि इसमें वृद्धि हो गई। गडकरी ने कहा कि जब तक समाज का सहयोग नहीं मिलेगा, मानवीय व्यवहार नहीं बदलेगा और कानून का डर नहीं होगा, तब तक सड़क हादसों पर अंकुश नहीं लगेगा। उनके अनुसार, देश में सड़क हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है और हर साल 1.7 लाख से अधिक लोगों की मौत ऐसी दुर्घटनाओं में हो जाती है। गडकरी ने कहा कि इतने लोग न लड़ाई में मरते हैं, न कोविड में मरते हैं और न ही दंगे में मरते हैं।उन्होंने कहा कि मैं विश्व सम्मेलनों में जाता हूं तो मुंह छिपाता हूं। (दुर्घटनाओं का) सबसे गंदा रिकॉर्ड हमारा है।उन्होंने सांसदों से कहा कि वे सड़क हादसों को रोकने के लिए अपने स्तर पर प्रयास करें और परिवहन विभाग के सहयोग से स्कूलों आदि में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करें। गडकरी के मुताबिक, नीति आयोग की रिपोर्ट है कि सड़क हादसों के शिकार 30 प्रतिशत लोगों की मौत जीवन रक्षक उपचार नहीं मिल पाने के कारण होती है। उन्होंने कहा कि इसलिए उपचार के लिए कैशलैस योजना लाई गई है। उत्तर प्रदेश में इस पायलट परियोजना की शुरूआत हो रही है, इसके बाद पूरे देश में लागू की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने भारत में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस मिलता है, उस देश का नाम भारत है।

मंदिर-मस्जिदों के सर्वे पर रोक

कोई आदेश न दें अदालतें : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

- देश में ऐसे 18 से ज्यादा मामले लंबित हैं, जिनमें से 10 मस्जिदों से संबंधित
- शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मंदिर-मस्जिद विवादों से संबंधित मामलों में एक महत्वपूर्ण आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि अदालतों को इस तरह के विवादों पर कोई आदेश नहीं देना चाहिए और न ही मस्जिदों और दरगाहों के सर्वे का आदेश जारी करना चाहिए। यह आदेश तब आया जब कोर्ट प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट (विशेष प्रावधानों) 1991 की कुछ धाराओं की वैधता पर सुनवाई कर रहा था। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बेंच, जिसमें चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जेम्स यादव शामिल थे, ने यह निर्देश दिया कि जब तक केंद्र सरकार इस मामले पर अपना पक्ष नहीं रखती, तब तक इस विषय पर कोई नया केस दाखिल नहीं किया जाए। कोर्ट ने कहा कि हम इस कानून की वैधता, शक्तियों और ढांचे की जांच कर रहे हैं, इस लिए अन्य अदालतें इस पर कोई आदेश न दें। सुनवाई के दौरान सीजेआई संजीव खन्ना ने बताया कि उनके सामने दो महत्वपूर्ण मामले हैं, मथुरा की शाही ईदगाह और वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद। इस दौरान अदालत को यह जानकारी दी गई कि देश में ऐसे 18 से ज्यादा मामले लंबित हैं, जिनमें से 10 मस्जिदों से संबंधित हैं। इन मामलों में कोई नया आदेश न देने का निर्देश भी दिया गया, ताकि इन विवादों में और अधिक जटिलता न आए। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस पर चार हफ्ते के भीतर जवाब देने को कहा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक केंद्र सरकार जवाब नहीं देती, तब तक वह इस मामले में कोई सुनवाई नहीं कर सकेगी। इस आदेश के बाद केंद्र को अब इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने का मौका मिलेगा। इस एक्ट के खिलाफ विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों ने याचिकाएं दाखिल की हैं। इनमें सीपीआइ एम, इंडियन मुस्लिम लीग, एनसीपी के शरद पवार, राजद के सांसद मनोज कुमार झा सहित छह प्रमुख दल शामिल हैं। ये दल इस एक्ट की कुछ धाराओं को असंवैधानिक मानते हुए इसके खिलाफ कोर्ट में गए हैं।

दंतेवाड़ा में मुठभेड़ सात नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले के दक्षिण अबूझमाड़ इलाके में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने 7 नक्सलियों को मार गिराया। सभी नक्सलियों के शव भी बरामद कर लिए गए हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया है कि यह एक संयुक्त ऑपरेशन है, जिसमें सभी बलों ने मिलकर नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस दौरान उनके पास से कई ऑटोमैटिक हथियार और नक्सली सामान भी बरामद किया गया है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय और नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने

कई ऑटोमैटिक हथियार व नक्सली सामान भी बरामद

जानकारी दी है कि अबूझमाड़ के दक्षिणी क्षेत्र में पूर्वी बस्तर डिवीजन और इंद्रावती एरिया कमेटी के 50 से 60 नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। गुरुवार सुबह 3 बजे से 4 जिलों का संयुक्त नक्सल ऑपरेशन शुरू हुआ, यह अभी चल रहा है। अब तक सात नक्सलियों के शव बरामद हो चुके हैं। इनके पास से कई ऑटोमैटिक हथियार और नक्सली सामान बरामद किया गया है। मुठभेड़ और सर्च अभियान अभी भी जारी है।

मुकेश अंबानी से चार गुना अधिक अमीर हुये एलन मस्क

एजेंसी

- दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की नेटवर्थ 400 बिलियन डॉलर के पार
- मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 97.1 बिलियन डॉलर
- गौतम अडानी की नेटवर्थ 79.3 बिलियन डॉलर

नयी दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की दौलत दिन दोगुनी रात चौगुनी बढ़ रही है। इस अमेरिकी कारोबार की दौलत को ऐसे पंख लगे हैं कि कुछ ही दिनों में यह 400 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गई। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक गुरुवार को मस्क की नेटवर्थ 447 बिलियन डॉलर (करीब 38 लाख करोड़) हो गई। 400 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करने वाले यह दुनिया के पहले शख्स बन गए हैं। मस्क की नेटवर्थ मुकेश अंबानी के मुकाबले चार गुना से ज्यादा हो गई है। मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 97.1 बिलियन डॉलर है। वहीं गौतम अडानी की नेटवर्थ 79.3 बिलियन डॉलर है। दुनिया के दूसरे अमीर शख्स अमेजन के जेफ बेजोस की नेटवर्थ मस्क के मुकाबले काफी कम है। बेजोस की नेटवर्थ 249 डॉलर है।

एक दिन में कमाए 63 बिलियन डॉलर : मस्क ने पिछले 24 घंटे में 62.8 बिलियन डॉलर की कमाई की है। उनकी उनकी एक दिन की कमाई दुनिया के कई अरबपतियों पर भारी पड़ी है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक दुनिया के 23वें सबसे अमीर की कुल नेटवर्थ 63.2 बिलियन डॉलर है। ऐसे में देखा जाए तो उनकी एक दिन की कमाई ने दुनिया के कई धनी व्यक्तियों की कुल नेटवर्थ को पीछे छोड़ दिया है। वहीं इस साल मस्क ने अभी तक 218 बिलियन डॉलर की कमाई की है। अगर उनकी एक साल की कमाई को कुल कमाई मान लिया जाए तो इस मामले में वह दुनिया के चौथे सबसे अमीर होंगे। 200 बिलियन डॉलर से ज्यादा की कुल नेटवर्थ के मामले में एलन मस्क के बाद सिर्फ दो लोग ही हैं। इसमें जेफ बेजोस और मेटा के मार्क जकरबर्ग हैं। जकरबर्ग की नेटवर्थ 224 बिलियन डॉलर है।

आइइएस, आइएसएस का अंतिम रिजल्ट जारी

नयी दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने गुरुवार को भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) और भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) परीक्षा 2024 के अंतिम परिणाम जारी कर दिए हैं। उम्मीदवार परिणाम यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि 21 से 23 जून, 2024 तक आईईएस और आईएसएस परीक्षा-2024 की लिखित परीक्षा और उसके बाद दिसंबर में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार के परिणाम के आधार पर भारतीय आर्थिक सेवा और भारतीय सांख्यिकी सेवा में पदों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसित उम्मीदवारों की योग्यता क्रम में सूचियां जारी की हैं। इस साल आईईएस पर्सनालिटी टेस्ट 2 से 5 दिसंबर तक और आईएसएस पीटी 3 से 6 दिसंबर तक आयोजित किया गया था। कुल 48 रिक्तियों को भरना है, जिनमें से 18 रिक्तियां भारतीय आर्थिक सेवा के लिए हैं और 33 पद भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए हैं।

सोनिया गांधी और जॉर्ज सरोज की पोस्टर लेकर संसद के बाहर प्रदर्शन करते केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

छह लाख घरों के निर्माण को मंजूरी

पांच साल में एक करोड़ घर बनाने का लक्ष्य

एजेंसी

- राज्यों में लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया अगले साल से आरंभ होगी

नयी दिल्ली। शहरों में निर्धन और मध्यम वर्ग को आवास उपलब्ध कराने के लिए पीएम आवास योजना के तहत केंद्र सरकार ने पहले चरण में छह लाख से अधिक घरों के निर्माण को लेकर सहमति दी है। पीएम आवास योजना के दूसरे चरण में शहरों में पांच साल में एक करोड़ घर बनने हैं। योजना के क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार के साथ लगभग सभी राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा है कि लगभग सभी राज्यों से घर के प्रस्ताव मिले हैं। राज्यों में लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया अगले साल में आरंभ हो जाएगी।

एफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी तैयार : डिमांड सर्वे और उनका प्रमाणन अगले मार्च तक पूरा कर लिए जाने की योजना है। इसके साथ ही राज्यों को मार्च तक ही

अपने यहां एफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी तैयार कर लेनी है, जो कि पीएम आवास योजना के लिए किए गए एमओयू की एक अनिवार्य शर्त है। छह लाख घरों के निर्माण के साथ ही केंद्र सरकार किरायेदारी के मॉडल वाली एफोडेर्बेल रेंटल हाउसिंग पर भी इस बार जोर दे रही है। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर और कम आय वर्ग के उन लोगों को किराये पर आवास उपलब्ध कराए जाएंगे जो घर नहीं खरीदना चाहते हैं। कामकाजी महिलाओं पर खास ध्यान दिया गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है जल जीवन मिशन : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि जल जीवन मिशन, विशेष रूप से हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि घर पर ही स्वच्छ जल की उपलब्धता होने से महिलाएं अब कौशल विकास और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि यह एक अच्छा परिदृश्य है कि किस प्रकार से जल जीवन मिशन महिला सशक्तिकरण को विशेष रूप से हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में आगे बढ़ा रहा है। अपने घर में ही स्वच्छ जल की उपलब्धता होने से महिलाएं अब कौशल विकास और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं।उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को जल जीवन मिशन की शुरूआत की थी। इसका

लक्ष्य 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल का पानी पहुंचाना था। इसकी शुरूआत के समय, केवल 3.23 करोड़ (17 प्रतिशत) ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन थे। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, 6 अक्टूबर, 2024 तक, जल जीवन मिशन ने 11.95 करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन सफलतापूर्वक प्रदान किए हैं, जिससे कुल कवरेज 15.19 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंच गई है, जो भारत के सभी ग्रामीण घरों का 78.58 प्रतिशत है।

शेयर बाजार में गिरावट सेंसेक्स 236 अंक लुढ़का

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को निचले स्तर पर बंद हुए। कारोबार के अंत में निफ्टी के मीडिया और एफएमसीजी सेक्टर में भारी बिकवाली देखी गई। सेंसेक्स 236.18 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,289.96 पर बंद हुआ और निफ्टी 93.10 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,548.70 पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 1,491 शेयर हरे और 2,508 लाल निशान में बंद हुए, जबकि 106 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सेंसेक्स पैक में एनटीपीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स, मारुति, एलएंडटी, रिलायंस, एशियन पेंट्स, एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, नेस्ले इंडिया और टाइटन टॉप लूजर्स थे।

वहीं, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, अदाणी पोर्ट्स, टीसीएस, पावर ग्रिड, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस टॉप गेनर्स रहे।